हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

21 मार्च, 1979

खण्ड 1, अंक 12

अधिकृत विवरण

विशय सूची

बुधवार, 21 मार्च, 1979

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एव उत्तर	(12)1
नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर	(12)21
वैयक्तिक स्पश्टीकरण	(12)29
प्रस्ताव– लोक नायक श्री जय प्रका ा नारायण की भीघ्र अरोग्यता के लिये प्रार्थना करने संबंधी	(12)31
नियम 30 के अधीन प्रस्ताव	(12)35
मेज पर रखे गये कागज पत्र	(12)35
वर्श 1979–80 के बजट पर आम चर्चा (पुनरारम्भ)	(12)35
वाक आउट	(12)48
वर्श 1979–80 के बजट पर आम चर्चा (पुनरारम्भ)	(12)48

हरियाणा विधान सभा

बुधवार, 21 मार्च, 1979

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चंडीगढ़ मे प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष

(कर्नल राव राम सिंह) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

श्री अध्यक्षः मैंबर साहेबान, अब सवाल होंगे।

Checking of floods in Markanda and Tangri rivers

***1132. Shri Devender Sharma:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) whether any steps have been taken by the Govt. to control the floods in Markanda and Tangri Rivers in Ambala District; and

(b) whether the bunds on both sides of the Markanda and Tangri Rivers have been constructed in Ambala District; if not the time by which those are likely to be constructed?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह):

(क) हां।

(ख) हां, इन नदियों पर केवल निचले क्षेत्र और नै ानल हाईवे तथा रेलवे पुलों की सुरक्षा के लिये कुछ खाली स्थानों को छोड़ कर।

श्री देवेन्द्र भार्मा: स्पीकर साहब, काले आम पुल से मारकंडा भाुरू होता है इससे कुरूक्षेत्र और अम्बाला जिले मे बहुत तबाही हो जाती है। काले आप के पुल से रेलवे लाईन के पुल तक जो जगह खाली रखी गई उसके बारे मे वजीर साहब ने कुछ नही बताया, इस एरिये मे क्या किया जा रहा है, इसको खाली छोड़ने का क्या कारण है?

श्री वीरेन्द्र सिंह: टांगड़ी और मारकंडा रिवर्ज की लम्बाई बहुत ज्यादा है। किसी वि ोश गांव से दूसरे एक गांव तक या किसी वि ोश जगह से दूसरी लगह तब बताना मु ाकल है लेकिन सवाल के जवाब मे सब कुछ बता दिया है कि कुछ गैप्स छोड़े गये है। इन बांधो की एम्बैंकमैंट का काम भी अब तक हो चुका है।

श्रीमती सुशमा स्वराज: मारकंडा और टांगड़ी नदियों के बांध का मंत्री महोदय ने वर्णन किया है, उन दोनों बांधों के अलावा कोई और योजना भी अम्बाला को बाढ़ से बचाने के लिये सरकार विचाराधीन है ?

श्री वीरेन्द्र सिंहः जो जरूरी ड्रेन्ज है वह भी साथ ही निकाली जा रही है लेकिन इन दोनो बांधों से और इनकी एम्बैकमैंट से काफी फर्क पड़ेगा।

श्री फतेह चंद विजः जैसा कि मंत्री महोदय ने फरमाया है कि इन नदियों के पानी से हाईवे की हिफाजत के लिये काफी बड़े गैप्स छोड़े गये है क्या इन गैप्स की वजह से तो तबाही नही हो रही है और क्या इन गैप्स को फिल अप करने की कोई योजना सरकार के विचाराधीन है ?

श्री वीरेन्द्र सिंहः इस बार तो अन प्रैसीडैंटिड फ्लड आये है, इन दोनो रिवर्ज मे तकरीबन एक लाख क्यूसिक पानी का बहाव रहा है। इस बारे मे महकमा पूरी तरह से जागरूक है। जो गैप्स छोड़े गये हे उनको फिल उप किया जा रहा है।

चौधरी ई वर सिंहः क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि मारकंडा और टांगड़ी नदियों की बाढ़ को नियंत्रित करने का कोई प्रबंध किया गया है ? मारकंडा और टांगड़ी अम्बाला से आगे घग्घर मे मिल जाती है इन तीना के मिलने से बहाव बहुत तेज हो जाता है। जिससे कुरूक्षेत्र जिले मे बहुत बरबादी होती है। क्या सरकार के विचाराधीन कोई ऐसी योजना है जिससे इस क्षेत्र को बाढ़ से बचाया जा सकें?

श्री वीरेन्द्र सिंहः इसी लिये तो गैप्स छोड़े गये है ताकि कुरूक्षेत्र न डूबे।

श्री लहरी सिंह मेहराः क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि सरकार के विचाराधीन ऐसी योजना है कि मारकंडा पर बांध बनाया जायेगा ?

श्री वीरेन्द्र सिंहः बांध का जवाब तो मैंने पहले ही दे दिया है। पानी को स्टौर करने के लिये दो बैराज बनाये जा रहे है जिनका काम 1980 मे हाथ मे लिया जायेगा।

चौधरी राजेन्द्र सिंहः मारकंडा और टांगड़ी नदियों बारि ाो के दिनो मे काफल बड़े क्षेत्र मे किसानो की फसल को तबाह कर देती है। क्या कोई योजना सरकार के विचाराधीन है कि इस फालतु पानी को इकट्ठा करके उस पानी को खेती के लिये इस्तेमाल किया जाये?

श्री वीरेन्द्र सिंहः मैंने जिक्र किया है कि पानी को स्टौर करने के लिये दो बैराज बनाये जा रहे है एक मारकंडा पर एक टांगड़ी पर।

चौधरी उदय सिंह दलालः स्पीकर साहब, मैं पहले भी मंत्री महोदय के नोटिस मे लाया था कि हर आदमी अपने इलाके मे बांध बंधवाना चाहता है। तो कहीं ऐसा न हो कि सारे का सारा पानी मेरे इलाके बादली मे आ जाये। जब तक दिल्ली सरकार जमना पर पुल बनाने का प्रबंध नही करती इस मारकंडा और टांगड़ी के पानी को वहीं का वहीं रखा जाये ताकियह आकर

बादली मे तबाही न करे। मैं मंत्री जी से यह भी कहूंगा कि ड्रेंज का काम चलते रहना चाहिए।

श्री वीरेन्द्र सिंहः मैं माननीयम मैंबर साहब को यकीन दिलाता हूं कि टांगड़ी और मारकंडा का पानी बादली मे बिल्कुल नही जायेगा।

डा. बृज मोहन गुप्ताः मारकंडा और टांगड़ी नदियों मे अम्बाला केंट के पहले ही बहुत से छोटे छोट नदी नाले मिल जाते है। सढ़ौरा मे यह नदी बहुंत खतरनाक हो जाती है और जगाधरी हल्का मे बहुत तबाही मचाती है, पिछले साल भी बहुत तबाही हुई है। क्या इसे ख्याल मे रखते हुए सरकार का इन ड्रेन्ज को पक्का बनाने का विचार है ?

श्री वीरेन्द्र सिंहः ड्रेन्ज के बारे मे इस समय कुछ नही बताया जा सकता।

मास्टर ि ाव प्र ाादः मारकंडा और टांगड़ी नदियों के अलावा घग्घर नदि पर बांध बनाने का कोई प्रोग्राम है ?

श्री वीरेन्द्र सिंहः इस समय नही है।

चौधरी भागमलः क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि जो बांध बनाये जा रहे है वे किस किस जगह बनाये जा रहे है?

श्री वीरेन्द्र सिंहः सरदारपुर मे टांगड़ी पर और घनोरा गांव मे मारकंड़ा पर पुल बनाये जा रहे है।

श्रीमती सुशमा स्वराजः आई.पी.एम. साहब ने जवाब मे बताया है कि रेलवे पुल की हिफाजत के लिये खाली जगह छोड़ी गई है परन्तु हकीकत यह है कि यही रेलवे पुल बांध बनाने मे आड़े आ रहा है । मंत्री महोदय क्या रेलवे मंत्री और पी.डब्ल्यू.डी. वालो से बात करके इस रेलवे पुल को ऊंचा करवायेंगे ताकि हम भी अपना बांध बनवा सके ?

श्री वीरेन्द्र सिंहः हम रेलवे मंत्री और पी.डब्ल्यू.डी. वालो से एप्रोच कर रहे है।

श्री देवेन्द्र भार्माः अध्यक्ष महोदय, अम्बाला जिले के लोगो की सढ़ौरा से मुलाना तक हर साल हजारो किल्ले जमीन ये नदिया तबाह कर देती है। क्या सरकार ने लोगो को इस तबाही से बचाने के लिये कोई इंतजाम किया है ?

श्री वीरेन्द्र सिंहः गैप्स इसीलिये छोड़े जाते है ताकि पानी से नीचे के लैवल के क्षेत्रों की तबाही न हो सके कुरूक्षेत्र मे बिल्कुल तबाही न हो उसक`लिये ये गैप्स जरूरी है।

Amount as Land Revenue

***982. Chaudhri Jagit Sing Pohloo:** Will the Minister for Revenue be pleased to state to total amount received as Laand Revenue in the State during the period from 1-4-78 to 31-1-79?

राजस्व मंत्री (श्री प्रीत सिंह): भू–राजस्व को समाप्त करने पर खरीफ 1973 से लैण्ड लागू किया गया है। दिनांक 1–4–78 से 31–1–79 तक कुल 40868639 रूपये लैण्ड होल्डिंग टैक्स के तोर पर वसूल किये गये।

चौधरी जगजीत सिह पोहलू: क्या वजीर साहब बतायेंगे कि वह जो प्रौमिस था, लोगो से वायदे किये गये थे कि सारे किसानो का मुकम्मल तौर पर मालिया माफ कर दिया जायेगा उसका क्या हुआ? तो क्या हरियाणा के किसानो का मालिया माफ करने की कोई प्रपोजल सरकार के विचाराधीन है ?

श्री अध्यक्ष: ऐसी तो कोई बात नही है। कोई प्रौमिस नही किया गया था कि सारा मालिया छोड़ दिया जायेगा।

चौधरी देस राज: क्या वजीर साहब बतायेंगे कि हरियाणा मे सबेस ज्यादा लैण्ड रेवेन्यू किस जिले से आता है ?

श्री प्रीत सिंह: जिला हिसार से सबसे ज्यादा मालिया आताा है जो 71 लाख 95 हजार 707 रूपये है।

चौधरी हरस्वरूप बूराः अध्यक्ष महोदय, टैक्सिज लेने चाहिए लेकिन तब तक जब तक वे इकनौमिक हो और सरकार को फायदा हो। 1970 के बाद से किसानो से आबियाने पर भारी टैक्स लिये जा रहे है। क्या सरकार के विचाराधीन कोई प्रपोजल है कि 1970 से पहले जो टैक्स लगे हुए थे उन्ही टैक्सिज को दोबारा लागू किया जाये ?

श्री प्रीत सिंहः अब तक ऐसी कोई योजना सरकार के विचाराधीन नही है।

Purchase Centres

***1161. Sardar Tara Singh:** Will the Minister for Food and Supplies be pleased to state—

(a) the number of purchase centres recently sanctioned for the Kurukshetra district togetherwith the location and the time by which such centres are likely to be set up; and

(b) whether any centres as referred to in part (a) above are tobe set up in village Cumthala etc. in Kurukshetra district?

खाद्य तथ पूर्ति मंत्री (चौधरी गजराज बहादुर नागर):

(ए) कुरूक्षेत्र जिला मे वर्श 1978–79 मे भागल, ठोल तथा गुमथलागरू पर तीन खरीद केन्द्र खोलने के

आदे ा जारी किये गये थे। दो केन्द्रों पर इस वर्श गेहूं की खरीद की गई थी। गमथलागरू पर खरीद केन्द्र अगले वर्श चलने की सम्भावना है, जबकि मार्किट कमेटी द्वारा आव यक सुविधायें उपलब्ध की जायेगी।

(बी) हां।

सरदार तारा सिंहः स्पीकर साह, क्या मंत्री महोदय की जानकारी मे यह बात हे कि इस साल कुरूक्षेत्र जिले के बहुत सारी फसल पंजाब की मण्डियों मे बिकी है ? तो क्या मंत्री जी यह महसूस नही कर रहे कि परचेजिंग सैंटर कम होने के कारण हरियाणा की मण्डियों का अनाज हरियाणा के साथ लगने वाली पंजाब की मण्डियो मे बिका है?

चौधरी गजराज बहादुर नागरः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने यह नही बताया कि कौन सी मण्डी को वे रैफर कर रहे है?

सरदार तारा सिंहः अध्यक्ष महोदय, कुरूक्षेत्र जिले की फसल खसत करके पेहवा मण्डी के साथ लगने वाले इलाके की फसल पंजाब की मण्डियों मे बिकी है। क्या मंत्री महोदय के नोटिस मे यह बात है, अगर है तो क्या मंत्री जी इस पर विचार करेंगे कि हरियाणा की मण्डियो का अनाज पंजाब की मण्डियों मे जाकरन बिके और हरियाणा के किसानो को कोई नुकसान न हो?

चौधरी गजराज बहादुर नागरः अध्यक्ष महोदय, पिछली दफा सरकार को जितनी भी ऐसी सूचनाएं मिली है उनके अनुसार ऐसी तो कोई बात नही है लेकिन मेरे साथी मैंबर ने ही सूचना दी थी कि गुमथला मण्डी मे खरीद नही हो सकी। इसका कारण यह था कि पहले कुछ मार्किट कमेटियो ने सरकार को इस बारे मे सहयोग देना था जो कि वह इस साल नही दे पाई इसलिये वहां पर खरीद नही हो सकी। इसलिये उनका माल पंजाब की मण्डियों मे जा करके बिका था।

चौधरी राम कि ानः अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि यह परचेजिंग सटर खोलने का सरकार का क्या क्राइर्टरिया है?

चौधरी गजराज बहादुर नागरः अध्यक्ष महोदय, परचेजिंग सैंटरन खोलने के लिये पहले तो मार्किट कमेटी हमें कुछ जगह तैयार करके देती है। जहां पर परचेजिंग सैंटर खोले जायेंगे वहां पर सबसे पहली बात तो जगह की है दूसरे वहां पर कच्चे पक्के खाल बनेंगे और वहां मार्किट कमेटी बिजली पानी आदि का प्रबंध करेगी तथा वहां मार्किट कमेटी का स्टाफ होगा। जब इन बातों का प्रबंध हो जाता है तो हम वहां पर परचेजिंग सैंटर खोल देते है।

श्री भाम ोर सिंहः अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री महोदय बताने की कुपा करेंगे कि जिल जींद मे दमतान और दातासिंह, दो

गांव है क्या वहां पर परचेजिंग सैंटर खोलने की स्कीम सरकार के विचाराधीन है?

चौधरी गजराज बहादुर नागरः अध्यक्ष महोदय, मैं यह बात हाउस के नोटिस मे ला देता हूं कि बहुत बड़ी तादाद मे इस साल मण्डियों का हम निर्माण कर रहे है और परचेजिंग सैंटर भी खेल रहे है । उनकी लिस्ट तैयार हो रही है। इस समय इसके बारे मे नही बताया जा सकता क्योंकि लिस्ट मेरे पास नही है।

चौधरी गंगा रामः स्पीकर साहब, मैं मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि जिन गांवो की आबादी 12 या 15 हजारा की है क्या उन गांवो मे भी परचेजिंग सैंटर खोले जायेंगे और इसके साथ साथ मै यह भी जानना चाहता हूं कि जो नई मण्डियां बनेगी क्या उनमे किसानो को दुकाने खोलने के लिये कंसै ानल रेट पर जगह दी जायेगी ?

चौधरी गजराज बहादुर नागरः अध्यक्ष महोदय, हमारे मुख्य मंत्री चौधरी देवी लाल जी ने यह फैसला कर लिया है कि देहात मे बहुत बड़ी तादाद मे मण्डियां बनाई जायेगी और उनमे से बहुत सारी मण्डियां इसी साल एग्जीस्टैंस मे आ जायेगी तथा वह गांवों मे ही बनाएंगे भाहरों मे नही।

श्री मंगे राम गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री जी ने नोटिस मे यह बात है कि हरियाणा का गेहूं पंजाब की मण्डियों मे जाकर बिकता है ? उसका कारण यह तो नही कि पंजाब की

मण्डियों के भाव ज्यादा होने के कारण हरियाणा की मण्डियो का अनाज वहां पर जाकर बिकता है ?

(इस प्र न का उत्तर नही दिया गया)

श्री रधु नाथ गोयलः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से पूछना चाहता हूं कि मेरे हल्के मे एक गांव क्योड़क है जिसकी आबादी 16 हजार के करीब है क्या वहा पर मण्डी खोलने की कोई स्कीम सरकार के विचाराधीन है ?

चौधरी गजराज बहादुर नागरः अध्यक्ष महोदय, जैसे कि मैंने अभी एक सवाल के जवाब मे बताया कि इस दफा बहुत बड़ी तादाद मे मण्डियों खोलने जा रहे है और परचेजिंग सैंटर भी खोले जायेंगे जिनकी लिस्ट तैयार हो रही है अगर माननीय सदस्य किसी खास जगह के बारे मे पूछना चाहते है तो मुझे अलग से लिख कर करके दे दे इनको सूचना दे दी जायेगी।

श्री जगन नाथः अध्यक्ष महोदय मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि भिवानी जिले मे एक बवानीखेड़ा तहसील है वहां पर कोई मण्डी नही है लेकिन लोगो से चारे का टैक्स लिया जा रहा है। अगर वह चारा टैक्स नाजायज लिया गया है तो क्या वह चारा टैक्स वापित करने की कृपा करेंगे?

चौधरी गजराज बहादुर नागरः अध्यक्ष महोदय, इस सवाल का इससे कोई संबंध नही है। अगर मेरे साथी चाहते है तो लिख करके दे दे। इसके बारे मे इनको सूचना दे दी जायेगी।

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह): अध्यक्ष महोदय, यह चारा टैक्स कैनाल एक्ट के तहत म्यूनिसिपल कमेटियों द्वारा चार्ज किया जाता है। इस चारा टैक्स से संबंधित जो रूल है उसको कंसिडर किया जा रहा है भाायद हम इससे पीछा छुड़वा दें।

चौधरी उदय सिंह दलाल: अध्यक्ष महोदय, क्या मंत्री महोदय की जानकारी मे हे कि सैंट्रल गवर्नमैंट द्वारा जो गेहूं की क्वालिटी निर्धारित की जाती है उस वजह से कई बार किसानो की गेहूं रिजैक्ट कर दी जाती है और इससे उसे काफी परे ाानी का समाना करना पडता है ? हमारे पड़ोस मे पंजाब स्टेट वाले सब किसानो को उनकी गेहूं का पूरा भाव दे रहे है तो क्या हरियाणा मे भी इस पर अमल किया जायेगा ताकि किसानों को परे ाानी न हो?

चौधरी गजराज बहादुर नागर: अध्यक्ष महोदय, पिछली दफा ऐसी ि ाकायत आई थी कि गेहूं साफ नही है इस वजह से कोई ऐसा केस हो सकता है लेकिन इस बार हमने 12 मण्डियों के गेहूं साफ करने वाली म ाीनो का प्रबंध कर दिया है और मुझे मार्किट कमेटियों के चेयरमैनो ने आ वासन दिया हे कि इस बार ऐसी ि ाकायतों का मौका नही दिया जायेगा।

श्री भले राम: अध्यक्ष महोदय, जैसे मंत्री जी ने बताया कि बड़े बड़े गांवों मे मण्डियां खेली जायेंगी क्या मंत्री महोदय यह

भी बताने की कृपा करेंगे कि जिन गांवो के पास मण्डियों के लिये जमीन नही है वहां जमीन एक्वायर करेंगे या गांव वालों को देनी पड़ेगी ?

चौधरी गजराज बहादुर नागरः अध्यक्ष महोदय, मण्डी खोलते वक्त हर चीज का ध्यान रखा जाता है। जो मेरे साथी ने डिवैल्पमैंट की तरफ ध्यान दिलाया है, इसका भी ध्यान अव य रखा जायेगा।

स्वामी अग्निवे ाः स्पीकर साहब, मण्डियों की आमदनी पहले जनरल पूल मे डाल देते थे और वह कहीं पर भी खर्च की जा सकती थी, लेकिन अब मुख्य मंत्री जी ने फैसला किया है कि मण्डियों की आमदनी का 70 परसैंट रूपया मार्किट कमेटी के उसी इलाके की भलाई के लिये खर्च किया जायेगा। क्या मंत्री महोदय इस घोशणा पर 1 अप्रैल से अमल करना आरम्भ कर देंगे ?

श्री अध्यक्षः यह सवाल मार्किट कमेटियों का नही है, परचेज सैंटर खोलने का है।

चौधरी गजराज बहादुर नागरः जब लीडर आफ दी हाउस ने एक बात कह दी है तो उस पर जल्दी से जल्दी अमल किया जाएगा लेकिन किस तारीख से इस पर अमल होगा, इसके लिये तारीख फिक्स करने की पोजी ान मे मैं इस वक्त नही हूं क्योंकि इस प्र न का संबधं मूल प्र न से नही है।

चौधरी देस राजः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने कहा कि सारे हरियाणा मे परचेज सैंटर खोले जा रहे है। क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि करनाल डिस्ट्रिक्ट मे कहां कहां खोले जा रहे है?

श्री अध्यक्षः आप नोटिस दे दे, मंत्री जी जरूर बता देंगें

चौधरी लाल सिंहः क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि नारायणगढ़ और कालका मे भी किसी मण्डी खालने का विचार है?

श्री अध्यक्षः इसका नोटिस दे दे, बता देंगे।

चौधरी जगजीत सिंह पोहलूः स्पीकर साहब, मण्डियों मे दो दो हफ्ते तक अनाज बाहर पड़ा रहता है, अनाज बिकता नही है। इस तकलीफ को मद्देनजर रखते हुए और सरकार ने जो स्पोर्ट फिक्स किया है उसको ध्यान मे रखते हुए गांव गांव मे मण्डियां खोलने का विचार है ताकि किसान को स्पोर्ट प्राईस पूरी मिले ?

चौधरी गजराज बहादुर नागरः मण्डियां बनाने का विचार तो जरूर है लेकिन गांव गांव मे जाकर खरीदने की तजवीज सरकार के जेरेगोर नही है।

Roads constructed in Barwala Constituency

***976. Shri Jai Narain Verma:** Will the Minister for Public Works be pleased to state—

(a) the number alongwith the length of roads and the new roads which have been constructed during 1978-79 to date in Barwala Constituency; and

(b) the total number of roads proposed to be constructed in Barwala Constituency during the next financial year?

लोक निमार्ण मंत्री (श्री लछमन सिंह):

(ए) (I) पहले से निर्माणाधीन सड़के 2

लम्बाई जो बनाई गई 2.65

कि.मी.

(II) नई सड़के जो आरम्भ की गई 3

अर्थवर्क जो नई सड़कों पर किया गया 5.90

कि.मी.

(बी) उपरोक्त 5 सड़कों को मिला कर 9 सड़कों पर कार्य प्रगति मे होगा।

श्री जय नारायण वर्मा: अध्यक्ष महोदय, मंत्री जी ने बताया कि पुराने जमाने से निर्माणाधीन सड़कें 2 है, 3 नई सड़कें और बनाने के लिये हाथ मे ली है और 4 सड़कों पर अभी काम

भाुरू करना है। क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि उन 4 सड़कों के क्या क्या नाम है जिनको बनाना भाुरू कना है?

श्री लछमन सिंहः मेरे पास लम्बी लिस्ट है, अगर आप कहें तो मैं पढ़ देता हूं।

श्री अध्यक्षः उचित यही होगा कि आप लिस्ट मैंबर साहब को दे दें (व्यवधान) वैसे मंत्री जी ने जवा बदे दिया हे कि इतनी किलोमीटर सड़क बन गई है, कहां से कहां तब बनी है, इसमे रैस्ट आफ दी हाउस का इन्ट्रैस्ट नही है। (व्यवधान)

श्री जय नारायण वर्माः स्पीकर साहब, बरवाला से जींद की सडक मुद्दत से निर्माणाधीन है। क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि यह सडत्रक कितने सालों से पैंडिंग पड़ी हुई है और कब तक बनाकर पूरी करेंगे ?

श्री लछमण सिंहः बरवाला से जींद तक 19.61 किलोमीटर सड़क है। 16.61 किलोमीटर सड़क 31.3.79 तब बन जायेगी और जो बकी रहेगाी उसको बनाने की जल्दी से जल्दी कोि ा ा करेंगे । (विघ्न)

चौधरी हरस्वरूप बूराः स्पीकर साहब, गांव को सड़क से मिलाने के लिये जो सड़कें बनी हुई है, वे फिरनी के नजदीक जाकर छोड़ दी गई है और इस वजह से कहीं कहीं पर दो दो, तीन तीन किलोमीटर का रास्ता रह गया है। क्या मंत्री महोदय ऐसी सड़कों को फिरनी तक बनाने की कृपा करेंगें ?

श्री लछमन सिंहः फिरनी की सड़के मेरा महकमा नही बनाता, इनको बनाना पंचायत का काम है। हम तो गांव के साथ कुनैक्ट करते है, इसके आगै गांव की चौड़ी गलियां बगैरा गांव की पंचायत बनाती है।

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, लतानी और दूजनपुर गांवों मे 5 साल पहले सड़कें बनी थी लेकिन इनमे मिसिंग लिंक्स है। क्या सरकार की कोई ऐसी स्पीम है जिसके तहत इन मिसिंग लिंक्स को अनया जाये, अगर स्कीम है तो कब तक बनाया जायेग ?

श्री लछमन सिंहः इस लिस्ट मे इन गांवो के नाम नही है, मैं पता करके बता दूंगा।

सदरार सुखदेव सिंहः स्पीकर साहब,ख कंडल से खोरी वाया हरजीपुर सड़क पिछले 30 सालों से नही बनी। इस सड़क को बनाने की मंजूरी पहले तो दे देते है लेकिन बाद मे रद्द कर देते है। क्या मी महोदय इस सड़क को बनाने की कृपा करेंगे ?

श्री लछमन सिंहः इस वक्त तो बरवाला कांस्टीयूऐंसी का मामला अंडर कंसीड्रे ान है, इसके लिये अलग नोटिस दीजिए।

श्री जगन नाथः स्पीकर साअब, भिवानी जिले की बवानीखेड़ा तहसील पिछले पांच साल साल पहले बनी थी, इसके बारे मे सी.एम. साहब को भी पता है और दूसरे मंत्री साहेबान भी

जानते है कि तहसील हैडक्वार्टर पर काफी दफ्तर बन गए है, लेकिन इसके प ि चम की तरफ 50 किलोमीटर की पूरी तक लोगों को तहसील मे आने जाने के लिये सड़के नही है। कई सड़के बनी हुई है लेकिन बीच बीच मे कई टुकड़े नही बने है और लोगो को भिवानी से होकर तहसील मे आना पड़ता है। कुछ लोग हिसार और हांसी से होकर आते है। क्या सरकार ऐसी सड़कों को बनाने के लिये टौप प्रियारिटी देगी ?

श्री लछमन सिंहः स्पीकर साहब, सी.एम. साहब ने हाउस मे यह अ योरैंस दी थी कि 1982 के इलैक ान मे जो लोग वोट लेने के लिये किसी गांव मे पैदल आये तो उसको वोट मद दो (हंसी) स्पीकर साहब, अर्ज यह है कि बहुत सारी सड़के सिंगल लिंग की बनी है और बहुत सी डबल लिंक की है। यह पोजी ान सारी स्टेट मे है। हम पहले सिंगल लिंक को बनाने मे र्पफरैंस देते है और इकसे बाद डबल लिंग को बनाते हैं अगर कहीं पर सिंगल लिंक मिसिंग हो तो बता दे, हम उस को गौर करेंगे।

श्री अध्यक्षः देखिए, मैं मैंबर साहेबान का ध्यान फिर एक महत्वपूर्ण बात की और दिलाना चाहता हूं। में मानता हूं कि बड़े बड़े जरूरी सवाल होते है लेकिन यह आप मानंगे कि बरवाला और बवानी खेड़ा का आपस मे काफी फासला है। इस लिये मेन सवाल से संबंधित जो सप्लीमैंटरी हो उसी तक मैंबर साहेबान अपने आपको सीमित रखने की कृपा करें (ोर) आर्डर प्लीज, आर्डर।

श्री दीप चंद भाटियाः स्पीकर साहब, सदरार साहब 1982 की बात कर रहे है लेकिन आपके द्वारा मैं इनसे पूछना चाहता हूं कि 1982 किसने देखा है? पता नही 1982 तक हम जिन्दा रहेंगे, यह हाउस जिन्दा रहेगार या जिन्दा नही रहेगा (हंसी और भाोर)

श्री लछमन सिंहः कुछ होने वाला नही है । हम जिन्दा रहेंगे। (ाोर व व्यवधान)

(इस समय चौधरी लाल सिंह तथा कई अन्य सदस्य बोलने के लिये खड़े हुए।)

श्री अध्यक्षः चौधरी लाल सिंह जी आप बैठिये। (ाोर) देखिए, मैं मैंबर साहेबान से फिर रिक्वेस्ट करता हूं कि हाउस मे कृपया कोई ऐसी बात न कहे जो हाउस की भाान के खिलाफ हो। (विघ्न)

चौधरी लाल सिंहः स्पीकर साहब, कई गांव गवर्नमैंट की डायरैक्टरी मे नही हैं उनकी आबादी बहुत ज्यादा है लेकिन उनको अाी तक कोई सड़के नही मिली इसलिये मैं आपकी मारफत माननीय मिनिस्टर साहब से यह जानना चाहता हूं कि ऐसे गांव की सड़कों पर कब तक काम भाुरू होगा क्योंकि अफसरों से जब हम इसके बारे मे बात करते है तो वे कहते है कि उनके पास ऐसा करने के आर्डर नही है ?

श्री अध्यक्षः मेन प्र न से इस सप्लीमैंटरी का कोई संबंध नही है।

(इस समय बहुत से सदस्य प्र न पूछने के लिये खड़े हुए।)

Mr. Speaker: Last supplementary by Shri Jai Narain Verma.

स्वामी आग्निवे ाः अध्यक्ष महोदय, इस प्र न के बारे मे हाउस यह चाहता है कि इस पर आधे घंट की डिसक ान होनी चाहिए।

Mr. Speaker: Please give it to me in writing. I will consider it.

श्री जय नारायण वर्माः स्पीकर साहब, बरवाला से जींद सड़क पर एक पुल बनने को है, इसपुल की वजह से इस सडक का काम भी रूका पड़ा है। क्या मंत्री जी बतायेंगे कि इस पुल कारे बनवा कर इस सड़क को कब तक पूरा करवा देंगे ?

श्री लछमन सिंहः तारीख तो नही बताई जा सकती लेकिन मैं इसका पता करूंगा।

Block Development Officers

***1036. Dr. Brij Mohan Gupta:** Will the Minister for Development and Panchayats be pleased to state—

(a) the total number of Block Development Officers appointed after the formation of Janata Govt. in the State; and

(b) the criterion followed for the appointment of such Officers?

विकास मंत्री (ठाकुर बीर सिंह):

(ए) 19 (उन्नीस)

(बी) खंड विकास तथा पंचायत अधिकारियों की 70 प्रति ात रिक्तियां सीधी भर्ती द्वारा हरियाणा लोक सेवा आयोग की सिफारि ा पर तथा 30 प्रति ात समाज ि ाखा तथा पंचायत अधिकारियों को पदोन्नति भरी जाती है। भर्ती के लिये रखी योग्यता सदन के पटल पर रखी जाती है।

अनुबंध

हरियाणा लोक सेवा आयोग के माध्यम से खंड विकास तथा पंचायत अधिकारियों के पद पर सीधी भर्ती द्वारा लगाने के लिये योग्यताएंः–

किसी भी व्यक्ति की सीधी भर्ती नही की जायेगी यदि वह निम्नलिखित योगयताएं न रखता होः–

(ए) किसी मान्यता प्राप्त वि विद्यालय का स्नातक हो।

(बी) हरियाणा सरकार द्वारा समय समय पर निर्धारित किया गया हिन्दी का प्र्याप्त ज्ञान होना चाहिएं

(सी) कृशि फार्म पर बतौर परोगरैसिव फारमर दो वर्श का तजुर्बा रखता हो अथवा दो वर्श का कृशि का काम करने का अनुभव और खेलों मे रूचि अतिरिक्त योग्यता होगी।

नोटः–

(1) परोगरैसिव किसान के लिये ऊपर धारा (सी) मे दिये गये अनुभव के लिये उपायुक्त से प्रमाण पत्र लेना जरूरी है।

(2) ऊपर धारा (सी) मे दी गई भार्ते एक्स्टेन् ान आफिसर कृशि, सहकारिता, समाज ि ाक्षा

तथापंचायत तथा विलेज उद्योग मे 5 साल के तजुर्बा रखने वाले को छूट दी जा सकती है। भूतपर्व सैनिको को, यदि उन्हें कृशि का प्रैक्टीकल ज्ञान हो, इस योग्यता से छूट दी जा सकती है।

(3) खेलो मे रूचि का अर्थ है कि उम्मीदवार को हाई स्कूल कालेज या टीम या किसी दूसरी मान्यता प्राप्त टीका मैंबर होना चाहिए।

(4) भूतपूर्व सैनिकों का अर्थ केवल कमी ान्ड आफिसर से है तथा इसमे इसमे एन.सी.ओज. तथा कलैरिकल काम मे लगे व्यक्ति नही आते है।

उमरः— 25 से 35 साल होनी चाहिए। उमर मे डिजविंग केसों मे छूट दी जा सकती है और सरकारी कर्मचारियों को 40 साल तक व भूतपूर्व सैनिकों को 45 साल तक छूट दी जा सकती है।

विभाग के समाज ि ाक्षा व पंचायत अधिकारियां को खंड विकास तथा पंचायत अधिकारी के पद पर पदोन्नति करने के लिये योग्यताः—

पदोन्नती द्वारा भरे जाने वाले बी.डी.पी.ओ. के पद एस. ई.पी.ओ. की पदान्नति से भरे जाते है। एस.ई.सी.ओ. को बी.डी.पी. ओ. के पद पर पदोन्नति पाने के लिये स्नातक होना अनिवार्य है परन्तु इस भार्त मे उन एम.ई.पी.ओ. को ढील दे दी जाती है

जिनकी बतौर सो ाल एजुके ान आरगेनाईजर/पंचायत आफिसर/एस.ई.पी.ओ. पांच वर्श सेवा हो चुकी हो।

डा. बृज मोहन गुप्ताः अध्यक्ष महोदय, मेरे प्र न के पार्ट (ए) के उत्तर मे मंत्री जी ने 19 जवाब दिया है। मैं उनसे यह जानना चाहूंगा कि क्या ये 19 बेकैंसीज जनता सरकार बनने के बाद क्रिएट हुई या पहले से भी कुछ चली आ रही थी और दोनो मिल कर के 19 बन गई ?

ठाकुर बीर सिंहः अध्यक्ष महोदय, क्राइटेरिया तो जेसा मैंने अभी बताया 70 परसैंट और 30 परसैंट का हे लेकिन पिछली सरकार ने भर्ती सीधे करने की वजाय ऐडहौक बेसिज पर कर दी और 22 स्थान ऐडहौक बेसिज पर भर लिये। बाद मे 1975 मे 19 जगहें खाली हुई जिसके लिये पब्लिक सर्विस कमी ान ने जनवरी 1978 मे अप्वायंटमैंट करके कैंडिडेटस की लिस्ट पोस्टिंग के लिये डिपार्टमैंट के पास भेज दी । (विघ्न)

डा. बृज मोहन गुप्ताः स्पीकर साअ, 70 और 30 परसैंट के क्राइटेरिया के मुताबिक डायरैक्ट रिक्रकूटमैंट की 16 वेकैंसीज बनती है। क्या मंत्री जी बतायेंगे कि इनमे से उन्होंने कितनी वेकैंसीज डायरैक्ट रिक्रूटमैंट से फिलअप की और कितने कैंडिडेटस ऐम्पलायमैंट ऐक्सचेंज के थ्रू आए है?

ठाकुर बीर सिंहः स्पीकर साहब, मैंने जैसे अभी अर्ज किया कि ये 19 की 19 वेकैन्सीज पब्लिक सर्विस कमी ान के थ्रू फिलअप की गई है। इनमे से तीस परसैंट का सवाल नही हैं क्राईटेरिया के बारे मे जो मैंने अर्ज किया वह दूसरी बात थीं उसके हिसाब से पिछली गवर्नमैंट ने उन स्थानों को नही भरा था। 22 पोस्टें उन्होंने वैसे ही भर ली । ये 19 की 19 पोस्टे पब्लिक सर्विस कमी ान के थ्रू भरी गई है। उनमे 16 और 3 का सवाल नही है।

चौधरी भागमलः क्या मंत्री जी बतायेंगे कि इउनमे कितने ि ाडयूल्ड कास्टस लिये गये और कितने बैकवर्ड क्लासिज के लिये गये? अगर इस बार कोई कमी रह गई है तो क्या वह कोटा आयंदा पूरा किया जायेगा?

ठाकुर बीर सिंहः स्पीकर साहब, ि ाडयूल्ड कास्टस की सैपरेट लिस्ट तो मैने तैयार नही करवाई है। लेकिन मैं प्रिज्यूम करता हूं कि रिजर्वड कोटे को ध्यान मे रखते हुए ही पब्लिक सर्विस कमी ान ने सिलैक ान की होगी। फिर भी मैं सदन को यह बता देना चाहता हूं कि जैसा आर्य जी ने कल एक प्र न के जवाब मे बताया था, ि ाडयूल्ड कास्टस के कोटे के बारे मे रोजस्टर सिस्टम जारी कर लिया गया है। पहले सरकार मे ऐसा नही था। जितने ि ाडयूल्ड कास्टस कंडिडेटस लिस्ट पर होंगे उनका नम्बर नैचुरली आयेगा। इस सिस्टम के अनुसार अब ऐसा है कि 2 परसैंट कोटे के मुताबिक जितने कैंडिडेटस का नम्बर

पड़ता हो, वे ले लिये जाते है। बाकी जो रह जाते है वे नैक्सट टाईम मे लिये जाते है। अब सिकी का हक नही माना जायेगा। (प्र ांसा) मिसाल के तौर पर 19 सीटों मे से चार सीटें ि ाडयूल्ड कास्टस को मिलनी चाहिए। पहले ऐसा होता था कि खाली वेकैंसीज के अगेन्सट अगर उन्हें नही लिया जाता है तो उनका हक खत्म हो जाता था और नई पोस्टिंग के वक्क उनका फिर हक बनता था लेकिन अब जो रोस्टर सिस्टम बनाया गया है इसके मुताबिक उनका हक खत्म नही होगा। सरकारी पालिसी के मुताबिक जिनका हक बनता जायेगा उनको वह मिलता जायेगा।

कंवर रामपाल सिंहः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने अभी बताया कि 70 परसैंअ डायरैक्ट रिक्रूटमैंट से आते है और 30 परसैंट प्रमो ान से आते है। मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि इन 19 पोस्टस मे प्रमो ान वालों का कितना कोटा है? क्या प्रामो ान वालो को कोई सीट मिली है या नही मिली है ?

श्री अध्यक्षः इसका जवाब ये दे चुके है। If the Hon. Minister still wants to clarifiy any point be may do so.

ठाकुर बीर सिंहः मैं इसको थोड़ा क्लीयर कर देता हूं ताकि कोई गलत फहमी न रह जाये। ये तो 19 की 19 पोस्टस पब्लिक सर्विस कमीशन के थ्रू भरी गई है। मैंने यह बताया था कि 70 और 30 का जो क्राईटेरिया था इसे पिछली सरकारने पूरा नही किया थां 14–11–78 तक जो पोजी ान थी वह यह थी कि

डासरैक्ट रिक्रूटमैंट तो 36 की थी और प्रमोटिड 53 रह गये । इसमे 66 परसैंट जो है वह डायरैक्ट रिक्रूटमैंट के जरिऐ से हो गये और 34 परसैंअ प्रमो ान से हो गये । यह जो 4–4 का गैप है इसको पूरा कर दिया जायेगा।

चौधरी राजेन्द्र सिंहः अध्यक्ष महोदय, एक ब्लाक मे एक ही बी.डी.ओ. लगता है परन्तु आजकल कई ब्लाकों मे दो दो बी. डी.ओ. लगे हुए है जिसके कारण से काम सुचारू रूप से नही चल रहा है। मैं मिनिस्टर महोदय से जानना चाहता हूं कि दो लगाने का क्या कारण है और कितने समय तक एक ब्लाक मे एक ही बी. डी.ओ. के आर्डर कर दिये जायेंगे ?

ठाकुर बीर सिंहः यह बात बिल्कु ठीक है। 19 बी.डी.ओ. की रिक्रूटमैंट पब्लिक सर्विस कमी ान के जरिये हुई। इन की जगह पर जो 17 बी.डी.ओ. एडहोक पर लगे हुए थे उनको रिवर्ज कर दिया गया। उन मे से 15 ने हाई कोर्ट मे रिट दायर कर दी। वहां से रिट खारिज हो गई और उनके रिव ान के आर्डर हो गये लेकिन फिर उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से स्टे हासिल कर लिया। अब एक तो जो हमने अप्वायंट किये, वे चले गये और दूसरे जो वहां एडहोक पर लगे हुए थे वे भी सुप्रीम कोर्ट के स्टे के मुताबिक जा बैठे । इस तरह से यह कम्पलीके ान पैदा हो गई। इस बारे मे हमरने एल.आर. के और एडवोकेट जनरल के दफतर से भी सलाह ली है। हमारे एडवोकेट जनरल ने जो हमारी सुप्रीम कोर्ट मे वकील है उसको कहा है कि जल्दी से जल्दी स्टे वैकेंट कराओ

ताकि दो की जगह पर एक ही लगाया जा सके। हम इस बारे मे पूरी कोि ा ा कर रहे है।

श्री जय नारायण वर्माः स्पीकर साहब, अभी मिनिस्टर साहब ने आरिक्षत कोटे की सुरक्षा की बात कही है, मैं उसके लिये उनको बधाई देता हूं लेकिन मैं मिनिस्टर महोदय से जानना चाहता हूं कि जिस प्रकार से ि ाडयूल्ड कास्ट के लिये 20 परसैंट रिजर्वे ान है इसी प्रकार से सरकार ने बैकवर्ड क्लासिज की भी रिजर्वे ान 2 परसैंट से पांच परसैंट कर दी है। क्या वही रोस्टर सिस्टम बैकवर्ड क्लासिज के लिये अपनाया गया है, यदि अपनाया गया है तो ये कौन से नम्बर पर आते है ?

ठाकुर बीर सिंहः अब नम्बर क्या बताऊं । रोस्अर बना हुआ है उसके मुताबिक नम्बर आ जायेगां

श्री अध्यक्षः मिनिस्टर साहब ठीक फरमा रहे है कि अगर 20 ऐम्पलाई लेंगे तो एक बैववर्ड का भी नम्बर भी जरूर आयेगा।

डा. बृज मोहन गुप्ताः अभी मिनिस्टर ने जवाब दिया है कि 19 पोस्टस तो पब्लिक सर्विस कमी ान के द्वारा भरी गई है परन्तु मैं मिनिस्टर साहब से यह जानना चाहता हूं कि इनमे से कितनी पोस्टस एम्पलायमैंट ऐक्सचेंज के थ्रू भरी गई और कितनी डायरेक्ट भरी गई ?

ठाकुर बीर सिंहः सारी की सारी पोस्टस पब्लिक सर्विस कमी ान से भरी गई है।

चौधरी हरस्वरूप बूराः मैं मिनिस्टर महोदय से जानना चाहता हूं कि तजन लोगो को रिवर्ट लिया था और उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से स्टे ले लिया है यानी रिट एक्सैपट हो गई तो क्याउनको नये ब्लाक खोल कर एडजैस्ट किया जायेगा?

ठाकुर बीर सिंहः स्पीकर साहब, जो जयादतियां पिछली सरकार ने की है, उनको देखते हुए हमारे लइडर आफ दी हाउस ने हयूमन कंसिड्रे ान दी है। (ाोर व विघ्न)

श्री अध्यक्षः मंत्री जी जवाब दे रहे है इसलिये भाान्तिपूर्वक सुनना चाहिए।

ठाकुर बीर सिंहः स्पीकर साहब, पिछली सरकार ने उस क्राइटेरिया को तोडत्र कर एडहोक पर भर्ती कर ली और इधन सन् 1975 मे पब्लिक सर्विस कमी ान ने 19 पोस्टें एडवरटाइजमैंअ करके भर ली। गवर्नमैंट के पास पोस्टर केवल 17 थी जबकि एडहोक पर 22 पहले ही लगाये हुए थे। इस तरह से यह झगड़ा पड़ गया लेकिन फिर भी हमारे लीडर आफ दी हाउस ने हयुमन कंसीड्रे ान रखी कि जो एडहोक पर दो साल काम कर चुके है उनको भी एडजैस्ट कर दिया जाये। उन को म्युनिस्पिल कमेटियों मे डिमिनिस्ट्रेटर की आफर दी गई परन्तु उन्होंने साफ इंकार कर दिया। जहां तक उनको एडजैस्ट करने का सवाल है, पहले एडहोक वालो की रिव ार्न के आर्डर हुए है इसलिये वहां एडजैस्ट

करने का ता सवाल ही नही है। ज्यो ज्यो पोस्टस आयेगी उनको प्रमोट कर दिया जायेगा।

श्री बलदेव तायलः स्पीकर साहब, मैं मंत्री महोदय का ध्यान इस सवाल के 'ख' भाग की और दिलाना चाहता हूं। उन्होंने उत्तर मे फरमाया है कि खंड विकास तथा पंचायत अधिकारियों की 70 परसैंट रिक्तियां सीधी भर्ती द्वारा हरियाणा लोक सेवा आयोग की सिफारि ा पर तथा 30 परसैंट ि ाखा तथा पंचायत अधिकारियों की पदोन्नति द्वारा भरी जाती है। भर्ती के लिये रखी योग्यता सदन के पटल पर रखी जाती है। मंत्री महोदय ने केवल एजैन्सी बताई है कि पब्लिक सर्विस कमी ान की मार्फत चुने गये है लेकिन नियुक्ति के लिये क्या योग्यता या माप दण्ड अपनाया गया है उसके बारे मे एक भी भाब्द नही कहा है। क्या उनकी योग्यता के बारे मे भी बतायेंगे ?

ठाकुर बीर सिंहः मेरे लायक दोस्त इस बात को जरूर जानते होंगे कि पब्लिक सर्विस कमी ान जब पोस्ट एडवरटाईज करता है तो उसमे क्वालिफिके ानज भी दी हुई होती है लेकिन फिर भी मैंने सदन के पटल पर सारी इंफर्मे ान रखी है।

Creation of additional post of Insector General of Police

***1136. @Lala balwant Rai Tayal:** Will the Minister for Irrigation and Power be please to state whether two additional posts in the rank of Inspector General of Police

have been created on the transfer of the former Inspector General of Polic; if so, the justification therefor?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह):

(क) यह ठीक है कि भूतपूर्व पुलिस महा निरीक्षक के स्थानान्तरण पर राज्य मे पुलिस महानिरीक्षक के रैंक मे दो अतिरिक्त पद बनाए गये है।

(ख) यह दोनों अतिरिक्त पद प्र ाासकीय कारणो से बनाए गये है।

श्री मांगे राम गुप्ताः मंत्री जी ने सवाल के जवाब मे बताया है कि प्र ाासन के कार्य को सुचारू रूप से चलाने के लिये दो एडी ानल आई.जी. बनाये गये है। मैं मिनिस्टर महोदय से जानना चाहता हूं कि अब जो एडी ानल आई.जी. को आई.जी. जेल लगाया है, क्या प्र ाासन का काम ठीक तरह से निभा सकेंगे ?

श्री वीरेन्द्र सिंहः अगर अपको नजर आती है तो बताये।

श्री भाम ोर सिंहः क्या मंत्री महोदय बतायेंगे कि ती आई.जी. लगाने के बाद ला एंड आर्डर की स्थिति मे सुधार आया है ?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, मैं आपके द्वारा सदन को बताना चाहता हूं कि आई.जी. पुलिस की एक ही पोस्ट है और

हमे ाा से एक ही रही है। दो आई.जी. जो प्रमोट किये है वे एक्स कैंडर पोस्टस पर प्रमोट किये है। जहां तक ला एड आर्डर की स्थिति है उसके बारे मे अभी खुद मेरे से तारीफ करके गये है कि आपका इंतजाम कमाल का था।

श्री सुमेर चंद भट्ठः स्पीकर साहब, आई.जी. की एडी ानल पोस्ट क्रिएट करने के बारे मे इरीगे ान एडं पावर मिनिस्टर साहब की और से जवाब दिया जा रहा है। मैं आपके थ्रू यह जानना चाहता हं कि क्या होम का महकमा इरीगे ान डिपार्टमैंट मे मर्ज हो गया है? क्या यह अनोमलैंस सी बात नही लगती है कि होम डिपार्टमैंट का ताल्लुक तो होम मिनिस्टर से है लेकिन जवाब आई.पी.एम. साहब दे रहे है ? इसी तरह से हैल्थ मिनिस्ट साहिबा प्रिंटिंग एंड स्टे ानरी का जवाब देती है, तो यह अनोमलैस पोजी ान क्यों है, इसका इलाज क्यों नही किया जाता है?

श्री वीरेन्द्र सिंहः स्पीकर साहब, नोमिनक्लेचर फिक्स करना चीफ मिनिस्टर साहब का काम है कि किस मिनिस्टर को क्या विभाग देना हे और किस लान से जाना जाये ? अगर प्र न पूछने वाला सदस्य होम मिनिस्टर कह करके भी पूछेगा तो भी मैं जवाब दे दूंगा।

***1101. Chaudhri Shiv Ram Verma:** Will the Minister for Cooperation and Dairy Development be pleased to state whether there is any proposal unde consideration of the govt. to provide veterinary facilities to the people in the State of Haryana; if so, the steps so far taken or proposed to be taken in this behalf?

सहकारिता तथा दुग्ध विकास मंत्री (चौधरी भजन लाल): जी हां, हरियाणा राज्य के लोगों को प ाुधन केन्द्रो, स्थिर एवं चलती फिरती वैटनरी डिस्पैंसरियां/हस्पतालों के माध्यम से प ाु चिकित्सा की सुविधाएं दी जा रही है। वर्श 1978–79 मे 30 नई वैटनरी डिस्पैंसरियां खाली गई है और वर्श 1979–80 मे 20 और ऐसी डिस्पैंसरियां खोलने का प्रस्ताव है। वर्श 1978–79 मे 10 वैटनरी डिस्पैंसरिया और 10 प ाुधन केंद्रों को वैटनरी हस्पतालों एंव प्रजनन केंद्रों, जिनमे प ाु चिकित्सक कार्यरूढ है, मे परिवर्तित किया गया है और वर्श 1979–80 मे ऐसी 20 और डिस्पैंसरियों को हस्पतालो एंव प्रजनन केन्द्रों मे अपग्रेड किया जायेगा। इसके अतिरिक्त वर्श 1978–79 मे राज्य सघन प ाु विकास प्रयोजना अम्बाला, जीद, कुरूक्षेत्र तथा भिवानी जिलो मे 59 प ाुधन केन्द्र बढ़ाए गये है और इन केन्द्रों मे भी प्रथम प ाु चिकिस्सा सुविधांए दी जा रही है।

चौधरी ि ाव राम वर्मा: अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने बड़ा लम्बा जवाब पढ़ कर हमे सुना दिया है। मैं उनसे यह पुछना चाहूंगा कि पिछले साल तो इन्होंने 30 डिसपैसरियां खोली, उससे

अगले साल इन्होंने 20 डिसपैंसरियां खोलने का प्रोवीजन रखा है। इस रफतार से प ाुओं का इलाज किस तरह से सुविधाजनक हो सकेगा क्योंकि आदमी अगर बीमार हो तो उसको तो साइकिल पर या किसी और चीज पर बिठाकर ले जाया जा सकता है लेकिन यदि यह प ा बीमार हो तो एक गांव से दूसरे गांव मे ले जाना भी मु ाकल होता है? क्या मंत्री महोदय हर गांव मे प ा चिकित्सालय खोलने का प्रबंध करेगें ?

चौधरी भजल लालः अध्यक्ष महोदय वैसे तो हमने पिछले साल भी 20 डिस्पैंसरियां ही खोलनी थी लेकिन फ्लडज की वजह से हमने 10 डिस्पैंसरियां और खोलने के लिये फाइनैंस डिपार्टमैंट से रूप्या मांगा। इन्होंने रूप्या दिया इनकी बड़ी मेहरबानी । हर साल हम 20 डिस्पैंसरियां खोलते है। लेनिक अगर हमे फंडज और ज्यादा मिल जायेंगे तो हम और जयादा डिसपैंसरियां खोलेंगे। मैं वित मंत्री जी से प्रार्थना भी करूंगा कि हमें कुछ फंडज और ज्यादा अलाट करें ताकि हम और डिसपैंसरिया खोल सकें।

चौधरी हरस्वरूप बूराः स्पीकर साहब, मंत्री महोदय ने नी डिस्पैंसरिया भी खोली है और कुछ अपग्रेड भी की है। मैं मंत्री महोदय से यह पूछना चाहता हूं कि क्या जो वे नयी डिस्पैंसरियां खोलते है या कोई अपग्रेड करते है, उनके लिये उनके पास पूरा स्टाफ अवेलेबल है या नही ?

चौधरी भजल लालः अध्यक्ष महोदय जब हम डिस्पैंसरी खोलते है या किसी को अपग्रेड करते है तो स्टाफ का इंतजाम करने के बाद ही करते है।

श्री मूल चंद जैनः क्या मंत्री महोदय यह बतायेंगे, जैसे कि उन्होंने यह बताया कि दूसरे जिलों मे तो इन्होंने काफी डिसपैंसरियां खोली है, गुड़गांव जिले मे, जो कि हरियाणा का सबसे बड़ा जिला है, एक भी डिसपैंसरी इन्होंने नही खोली है। वह जिला ऐसा है जहां पर बाढ़ भी आती रहती है जिसकी वजह से प ाुओं को बीमारियां लगती रहती है, कया वहां पर कोई नयी डिस्पैंसरी खोलने पर विचार करेगें ?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, मैं मैंबर साहेबान की जानकारी के लिये यह बताना चाहता हूं कि गुड़गांव जिले मे हमने सबसे ज्यादा डिस्पैंसरियां खोली है। भारत सरकार की एक स्कीम है जिस के तहत हमने 1966 से लेकर आज तक के 100 के करीब डिस्पैंसरियां अकेले गुड़गांव जिले मे खोली है।

श्री अध्यक्षः मैंबर साहेबान की अपने अपने जिले के बारे मे जो एनग्जायटी है, उसको तो मैं एप्री ीियेट करता हूं लेकिन कम से कम फैक्टस और फिगर्ज के आधार पर यहां पर सवाल पूछने चाहिये । मंत्री जी ने जैसे बताया है कि गुड़गांव जिले मे ज्यादा से ज्यादा डिस्पैंसरियां खोली है तो इस तरह से हाउस का टाईम जाया नही करना चाहिए।

स्वामी आग्निवे I: अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूं कि जैसे उन्होंने बताया है कि फंडस बड़े सीमित है इसलिये हर जगह अभी डिसपैंसरी खोली नही जा सकती क्या जब तक स्टाकमैन सैंटर या डिस्पैंसरी हर गांव मे नही बनाई जाती, तब तक कोई मोबाईल डिस्पैंसरी बगैरा खोलने का विचार है या विचाराधीन है जिससे कि गांव के लोगो को रोज नही तो दूसरे तीसरे दिन उनके प ाुओ के इलाज के लिये सुविधा हो सके ?

श्री अध्यक्षः बहुत अच्छा सुझाव है।

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, 19 चलते फिरते हमने खोल रखे है। तकरीबन हर जिले मे ऐसे चलते फिरते हस्पताल है। यह हस्पताल है। यह हस्पताल बहुत अच्छी तरह से काम कर रहे है।

चौधरी हरि चन्द हुड्डाः मैं मंत्री महोदय से यह पूछना चाहता हूं कि जो प ाु डिस्पैंसरियां इन्होंने खोली है, इनके खोलने का क्या क्राइटेरिया है ? क्या यह लोगो की आजादी के ऊपर या प ाुओ की आबादी के ऊपर खोली जाती है ? (हंसी) अगर प ाुओं की आबादी के ऊपर खोली जाती है तो मेरे यहां खंडवाली गांव है, उसमे प ाु ााला है जिसमे लगभग 3–4 हजार प ाु हे, क्या वहां पर खंडवाली मे एक हस्पताल खोलने पर विचार करेंगे ?

चौधरी भजन लालः पहले तो हुड्डा साहब को एक बात मैं बताऊं कि आदमियों के लिये हस्पताल खोले जाते है आदमियों के आधार पर और प ा चिकित्सालय प ाओ की गणना के आधान पर। अगर कोई आदमी बीमार पड़ जाये उये क्या प ाओ के डाक्टर के पाल इलाज के लिये ले जायेंगे ? जहां तक इन्होंने क्राइटेरिया पूछा है और उसका ताल्लुक है, कोई गांव वाले बिल्डिंग वगैरा बनाकर दे दें तो हम वहां पर डिस्पैंसरी खोल देते है यदि प ाओं की गणना ज्यादा हो और बहुत ही नजदीक और कोई दूसरी डिस्पैंसरी खोल देते है यदि प ाओं की गणना ज्यादा हो और बहुत ही नजदीक और कोई दूसरा अस्पताल न हो तो।

चौधरी देस राजः क्या मंत्री महोदय यह बतायेंगे कि हरियाणा मे कितने प ा है, कितने दूध देते है, उनमे कितनी गायें है और कितनी भैंसे है।

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, स्टेट मे कुल 69 लाख 50 हजार प ा है जोकि 1977 की जनगणना के आधार पर है। इनमे से 49 लाख 70 हजार दूध देने वाले है। इनमे 24 लाख 50 हजार गायें है और 25 लाख 20 हजार भैंसे है।

चौधरी उदय सिंह दलालः स्पीकर साहब, मैं आपकी मारफत मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंग कि जो फलड अफैक्टिड एरियाज है, वहां पर 4–5 महीने तक तो आने जाने के

रास्ते बंद रहते है, क्या उन इलाकों मे प्रायरिटी बेसिज पर अस्पताल खोलने पर सरकार विचार करेगी?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, जैसे कि मैंने हाउस मे पहले बताया है कि 20 डिस्पैंसरियां हमारा खोलने का पिछले साल प्रोग्राम था। लेकिन फलड की वजह से 11 डिसपैंसरियां हमने और खोली है जोकि फलड अफैक्टिड एरियाज मे ही खोली है।

चौधरी हुक्म सिंहः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने यहां पर यह फरमाया है कि जो गांव बिल्डिंग बनाकर देंगे, हम वहां पर डिस्पैंसरी खोल देंगे, क्या सरकार के कोई ऐसी प्रोपोजल विचारधीन है कि जो गांव बिल्डिंग बनाकर नही दे सकते है, वहां पर बिल्डिंग सरकार बनाये?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, सरकार के विचाराधीन इस किसम की कोई प्रोपोजन नही है। जैसे स्कूल खुलवाने के लिये गांव मे भवन बनाकर गांव वालों को बनाकर देना पड़ता है वैसे ही डिस्पैंसरी खुलवाने के लिये भी वहां पर भवन बनाकर गांव वालों को देना पड़ेगा।

श्री जगत नाथः अध्यक्ष महोदय, मैं मंत्री जी ने यह पूछना चाहता हूं कि इनकी नौलेज मे क्या यह बात है कि हिसार के अंदर संजय गांधी अपने कुत्ते का इलाज करवाने के लिये आये थे ? अगर आये थे तो क्या उनके कुत्ते का इलाज हुआ या नही

हुआ ? इलाज होने के बाद क्या उन्होंने युनिवर्सिटी मे भी एड्रैस किया था ?

श्री अध्यक्षः कुत्ते का इलाज करवाने के लिये कोई आया था या नही इसका इस सवाल से कोई संबंध नही है।

चौधरी भजन लालः इसके बारे मे तो होम मिनिस्टर साहब ही बता सकते है कि संजय गांधी आये थे या नही आये थे।

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह): स्पीकर साहब, जहां तक संजय गांधी के आने का सवाल है, मै बतौर होम मिनिस्टर यह बताता हूं कि वह आया जरूर था जहां तक कुत्ते के इलाज करवाने का सवाल है, वह ये बतायेंग ? (हंसी) (व्यवधान व भाोर)

कैप्टन मांगे रामः मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि क्या उनका किसी फलड अफैक्टिड एरिया मे कोई नयी डिसपैंसरी खोलने का विचार हे अगर है तो मेरे हल्के मे भिंडावास मे जहां पर मंत्री महोदय अभी अभी एलान करके आये है कि वहां पर डिस्पैंसरी बनाएंगे वहां पर कब तक स्टाफ भेज देंगे ?

चौधरी भजन लालः अप्रैल के दूसरे हफ्ते मे वहां पर स्टाफ भेज दिया जायेगा।

चौधरी ि ाव राम वर्माः स्पीकर साहब, पिछले कुछ दिनों से हम यह सुनते आ रहे है कि अगर किसी जगह इतनी

जनसंख्या होगी तो वहां पर स्कूल खोल दिया जायेगा, अगर इतनी जनसंख्या होगी तो हस्पताल खोल दिया जायेगा। क्या मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि प ा चिकित्सालय खोलने के बारे भी कोई सीमा निर्धारित करके हर जगह पर प ा चिकित्सालय खोलने के बारे मे कोई विचार किया जायेगा ?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, सारी बात फाइनैंस पर डिपेन्ड करती है। अगर धन की उपलब्धि हो गई तो पूरी कोि ा ा करेंगे कि ज्यादा से ज्यादा प ा चिकित्सालय खोले जाये। यह बात ठीक है कि आदमी अगर बीमार हो जाये तो दूसरी जगह जाकर इलाज करवा सकता है लेकिन प ा के बारे मे ऐसा करना बड़ा कठिन है। हमारी पूरी कोि ा ा है कि ज्यादा से ज्याद प ा डिस्पैंसरियां खोली जायें लेकिन सारी बात फाइनैंस पर डिपैंड करती है।

Mr. Speaker: Question Hour is over.

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गये तारांकित प्र नों के लिखित उत्तर

Upgradation of Food and Supplies Departement

***1112. Shri Devender Sharma:** Will the Minister for Food and Suplies be pleased to state with reference to the reply to Starred Question No. 296 given on the 28th February,

1978, whethe the Govt. order declaring the Food and Supplies Deptt. as 'A' Class Office has been implemneted, if not, the reasons therefor?

खाद्य तथा पूर्ति मंत्री (चौधरी गजराज बहादुर नागर): जी हां, श्रीमान जी। आदे ा कार्यान्वित किये जा चुके है।

Taking over for Schools

***1068. Chaudhri Jagjit Singh Pohloo:** Will the Minister for Education be pleased to state—

(a) the names of the schools whichy were taken over during the Emergency period;

(b) the steps taken or proposed to be taken to compensate the management of said schools; and

(c) the steps taken or contemplated to be taken to compensate the employees who suffered on this score?

ि ाक्षा मंत्री (श्री हीरा नंद आर्य):

(ए) एमरजैंसी के दौरान जो विद्यालय सरकार द्वारा टेक ओवर किये गये थे, वे निम्नलिखित है:—

(1) बी.एल.हाई. स्कूल, खोल (नारनौल)।

(2) बाल आश्रम जनता प्राईमारी स्कूल, जींद।

(3) कैंट बोर्ड हाई स्कूल अम्बाला छावनी तथा इसकी छः प्राईमरी ब्रांचे।

(4) हरियाणा भोखावती ब्रह्मचर्य आश्रम, भिवानी।

(बी) कोई कम्पैंसे ान नही दिया जाता क्योंकि सरकार द्वाराये स्कूल उनकी प्रबंध कमेटी की प्रार्थना पर टेक ओवर किये गये थे।

(सी) उपरोक्त पैरा 'बी' मे वर्णित स्थिति के आधार पर प्र न उत्पन्न नही होता।

Appointment of Naib Tehsildars

***1037. Dr. Brij Mohan Gupta:** Will the Minister for Revenue be pleased to state—

(a) the number of Naib Tehsildars appointed in the State after the formation of Janata Govt. upto 31&1&1979;

(b) the number of appointments out of those referred to in part (a) above which have been made though the Subourdinate Service Selection Board; and

(c) the number of such appointments as have been made with consulation of the S.S.S. Board?

राजस्व मंत्री (श्री प्रीत सिंह):

(ए)	नियमित	84
	तदर्थ	2
	कुल	86
(बी)	42	
(सी)	42	

Sales Tax Tribunal

***1137. Lala Balwant Rai Tayal:** Will the Minister for Excise and Taxation be please to state—

(a) the yearwise number of appeals recived by the Sales Tax Tribunal since its inception of date;

(b) the number of case out of those referred to in part (a) above in which the decisions have been announced so far;

(c) whether the judgements in the cased referred to in part (b) above have been communicated to the concerned parties; and

(d) if not, the reasons therefor?

आबकारी तथा कराधान मंत्री (चौधरी भोर सिंह):

(ए) तथा (बी) सूचना (स्टेटमैंट) विधान सभा पटल पर रखी जाती है।

(सी) जी, हां।

(डी) प्र न उत्पन्न नही होता।

स्टेटमैंट

	(ए)	(बी)
वर्श	न्यायाधिकरण की स्थापना होने से अब तक प्राप्त अपीलों की संख्या	भाग (ए) मे वर्णित किये गये केसों मे से निर्णय लिये गये केसों की संख्या
1	2	3
31—3—68 तक	107	
1968—69	309	416
1969—70	249	249
1970—71	224	223
1971—72	251	251

1972–73	284	275
1973–74	289	175
1974–75	362	224
1975–76	341	103
1976–77	307	64
1977–78	295	33
1978–79 (28–2–79 तक)	142	2
1–3–79 से 7–3–79	4	7
कुल जोड़:	3064	2025

Provision of Drinking Water

***1102. Chaudhri Shiv Ram Verma:** Will the Minister for Public Works be plaesed to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to provide drinking water under the water supply scheme to the villages where drinking water is injurious to health due to water logging; and

(b) if so, the detail thereof?

लोक निर्माण मंत्री (श्री लछमन सिंह):

(ए) नहीं जी।

(बी) प्र न पैदा नही होता।

Promotion as Deputy Superintendent in the Eudcation Departement

***1134. Captain Mange Ram:** Will the Minister for Education be pleased to state whether any person belonging to the Scheduled Castes has been promoted as Deputy Superintendent in the Education Directorate on the basis of "Reservation for Scheduled Castes" after coming into being of the State of Haryana; if so, the number thereof ?

िक्षा मंत्री (श्री हीरा नंद आर्य): नही।

Re-employment of J.B.T. Teachers

***1010. Shri Jai Narain:** Will the Minister for Education be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Govt. to provide Govt. jobs in the State to those J.B.T. Teachers who passed their training course in the last years, if so, the details thereof ?

िक्षा मंत्री (श्री हीरा नंद आर्य): जी नही।

Posting of Works Managers in Haryana Roadways Depot

***1156. Shri Mange Ram:** Will the Chief Minister be pleased to state—

(a) whether it is a fact that Works Managers in all Haryana Roadways Depots are posted in the State; and

(b)if reply to part (a) above be in the negative, the names of the Depots whee the Works Managers have not been posted and the reasons therefor in each case?

मुख्य मंत्री (चौधरी देवी लाल):

(क) नही।

(ख) हरियाणा राज्य परिवहन गुड़गांवा के सब डिपो देहली, सिरसा, चण्डीगढ़, कैथल तथा भिवानी मे एक एक कार्य प्रबंधक के पद यानी 5 पद खाली है। इन पदों को पदोन्नति द्वारा भरने के केस सरकार के विचाराधीन है।

Provision of Drinking Water in the State

***1139. Shri Fateh Chand Vij:** Will the Minister for Public Works be pleased to state the district wise number of villages where the facility of drinking water has been provided during the period from 1-4-77 31-3-78 and 1-4-78 to 31-12-78, separately?

लोक निर्माण मंत्री (श्री लछमन सिंह): जिन गांवो मे 1—4—77 से 31—3—78 तथा 1—4—78 से 31—12—78 तक पीने के पानी की सुविधा प्रदान की गई है, का जिलेवार ब्यौराः—

क्र.	जिले का	1—4—77 से 31—3—78 तक जिन गांव मे पीने	1—4—78 से 31—12—78 तक जिन गांव मे पीने

	नाम	के पानी की सुविधा प्रदान की गई।	के पानी की सुविधा प्रदान की गई।
1.	अम्बाला	20	7
2.	भिवानी	6	2
3.	गुड़गांव	20	—
4.	हिसार	29	2
5.	जींद	5	1
6.	करनाल	2	—
7.	कुरूक्षेत्र	—	—
8.	महेन्द्रगढ़	30	32
9.	रोहतक	4	—
10.	सिरसा	8	11
11.	सोनीपत	1	—
	कुल जोड़:	125	55

Audit of the Cooperative Sugar Mills in the State

***1118. Rao Dalip Singh:** Will the Minister for Cooperation and Dairy Development be pleased to state—

(a) whether the accounts of the Cooperative Sugar Mills in the State have been audited during the year 1978-79;

(b) whether any embezzlement case have been detacted in the Cooperative Sugar Mills during the year 1978-79; and

(c) if so, a copy each of the Audit Reports be laid on the Table of the House?

सहकारिता तथा दुग्ध विकास मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) राज्य की सहकारी चीनी मिलों के लेखो के वर्श 1978—79 मे अभी तक आडिट नही हुए है क्योंकि ये 30—6—79 के पश्चात ही आडिट के लिये देय होंगे।

अपितु सोनीपत, करनाल और रोहतक सहकारी चीनी मिलों के वर्श 1976—77 के लेखे वर्श 1978—79 में आडिट किये गये है। रोहतक चीनी मिल का वर्श 1977—78 का आडिट कार्य प्रगति पर है। पानीपत सहकारी चीनी मिल के वर्श 1976—77 के लेखों का आडिट चल रहा है ओर आडिट जल्दी पूर्ण हो जायेगा।

(ख) नही जी।

(ग) ऊपर (ख) के उत्तर के कारण प्र न नही उठता।

Abolition of English languages as compulsory subject in the Schools

***1127. Swami Agnivesh:** Will the Minister for Education be pleased to state whether the Government is considering to abolish English langauge as a comulsory langauge in the Schools in the State as recommended by the Haryana School Education Board; if so, the steps, if any, taken or proposed to be taken in this respect ?

ि ाक्षा मंत्री (श्री हीरा नंद आर्य): नहीं प्र न ही पैदा नही होता।

Land for Sehgal Paper Mills as Dharuhera

***1083. Rao Ram Narain:** Will the Minister for Agriculture be pleased to state—

(a) the total are in aces in possession of Sehgal Paper Mills at Dharuhera at present;

(b) the number of lots in which the said area of land has dbeen aquired by the State Government for Sehgal paper Mills giving Nos. of notifications under sections 4 & 6 of tha land Acquisition Act;

(c) the area in their possession when Janata Party Government come into power;

(d) the are thy got possession, after assumption of office by Janata Party Government; and

(e) whether it is a fact what they have applied for getting more area?

कृशि मंत्री (ब्रिगेडियर रण सिंह):

(ए) 178.50 एकड़।

(बी) मैं0 सहगल पेपर मिल्ज लि0 को धारूहेड़ा मे 4 भिन्न भिन्न लाटों मे भूमि नियतन की गई है जिसका ब्यौरा निम्ललिखित है:–

क्र.	नियतन की गई भूमि	अधिसूचना की क्रंमांग तथा तिथि		अवार्ड की तिथि
		धारा–4	धारा–6	
1	69.68 एकड़	एल.ए. ओ/74/3314, 22–10–74	एल.ए.ओ. (पी)–75/5390, 2–12–75	29–1–76
3	11.60 एकड़	एल.ए. ओ/74/3314,	एल.ए.सी.–75/6904, 26–5–75	17–9–75

		22—10—74		
4	22.97 एकड़	एल.ए. ओ / 74 / 3314, 22—10—74	एल.ए.सी. (पी)—77 / 146, 13—1—77	11—10— 77
5	24.25 एकड़	एल.ए. ओ / 74 / 3314, 22—10—74	एल.ए.सी. (पी)—77 / 4433, 17—10—77	6—7—78

(सी) 69.68 एकड़।

(डी) 108.82 एकड़।

(ई) हां। सहगल पेपर मिल्ज लि0 ने अपने कर्मचारियों के आवास के लिये रिहाय ी प्रयोग हेतु 121 एकड़ भूमि नियतन करने के लिये प्रार्थना की है।

Extension to the Chairman/Members of the Haryana State Electricity Board

***1151. Shri Kanwal Singh:** Will the Minister for Irrigation and Power be pleased to state—

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to give extension to the present Chairman or any

Member of the Haryana State Electricitiy Board, and

(b)if the reply to part (a) above be in the affirmative, the reasons therefor?

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह):

(क) इस समय ऐसा कोई प्रस्ताव नही है।

(ख) प्र न नही उठता।

वैयक्तिक स्पश्टीकरण

श्री बलदेव तायलः अध्यक्ष महोदय, आन ए पर्सनल ऐक्सप्लेने ान। मेरे प्र न के उत्तर मे विकास तथा पंचायत मंत्री महोदय ने फरमाया था कि भाायद सदस्य को यह पता न हो कि पब्लिक सर्विस कमी ान के क्या फंक ांज है। स्पीकर साहब, इस बारे मे मैं मंत्री महोदय को कुछ तथ्यों से अवगत कराना चाहता हूं । पहली बात तो यह है कि मंत्री महोदय को विदित होना चाहिए कि हर पोस्ट को क्वालिफिके ांज सरकार निर्धारित करके पब्लिक सर्विस कमी ान को भेजती है। पब्लिक सर्विस कमी ान कोई भी क्वालिफिके ांज खुद निर्धारित नही करता। पोस्ट भी सरकार ही निर्धारित करती है और क्वालिफिके ांज भी फलां पोस्ट की मिनियम क्वालिफिके ांज क्या होगी। मेरे विचार से

क्वालिफिके ांज के बारे मे मेरे प्र न का जो उत्तर उन्होंने दिया था वह ठीक नही था.....

Mr. Speaker: I have not understood the point. The qualifications etc. prescribed for a post is a public document which a accessible to every one.

विकास मंत्री (ठाकुर बीर सिंह): स्पीकर साहब, मैंने यह कहा था कि जो क्वालिफिके ांज मुकर्रर की गई है, वह सदन की पटल पर रखी हुई है (ाोर)

Shri Baldev Tayal: But that reply should have been given in reply to the question.

Mr. Speaker: We shold leave to it the Minister how he gives a reply.....

Shri Baldev Tayal: My point arised because he said that the member does not know the working of the Public Service Commission....

श्री अध्यक्ष: ऐसा कैटेगरीक्ली उन्होंने नही कहा है।

ठाकुर बीर सिंह: मैंने तो यही कहा था कि क्वालिफिके ांज सदन की पटल पर रखी हुई है। (ाोर)

श्री बलदेव तायल: स्पीकर साहब, पब्लिक सर्विस कमी ान क्वालिफिके ांज मुकर्रर नही करता, सरकार मुकर्रर करती है (ाोर) And that fact is not known to the Minister.

श्री अध्यक्षः फैक्ट तो यह होगा कि गवर्नमैंट इन कंसलटे ान विद पब्लिक सर्विस कमी ान क्वालिफिके ांज निर्धारित करती है। (ाोर)

Shri Baldev Tayal: It is normally the Government which fixes the qualifications and not the Public Service Commission. The Minister does not know this fact. (Interruptions)

ठाकुर बीर सिंहः स्पीकर साहब, मैंने अपने लायक दोस्त के सवाल के जवाब मे यह कहा था कि पोस्ट के साथ उसकी प्रैसक्राब्ड क्वालिफिके ांज पब्लिक सर्विस कमी ान को इंटिमेंट कर दी जाती है जिसको वह ऐडवरटाइज करता है और जो इन पोस्टो के लिये मिनिमम क्वालिफिके ांज थी उनकी लिस्ट पटल पर रखी हुई है और वे पढ़ सकते है। मैंने यह नही कहा था कि माननीय सदस्य को पब्लिक सर्विस कमी ान को फंक ांज के बारे मे पता नही है। मैंने सिर्फ यह कहा था कि मेरे लायक दोस्त क्वालिफिके ांज की लिस्ट जो पटल पर रखी गई है वह पढ़ सकते है। (Interruptions)

Mr. Speaker: I would like to close this controversy. Nothing more on it.

Shri Baldev Tayal: I bow before you.

Mr. Speaker: Think you.

श्री भाम ोर सिंहः स्पीकर साहब, आन ए पर्सनल ऐक्सप्लेने ान । अभी होम मिनिस्टर साहब ने एक सवाल के जवाब मे बातया था कि मैंने जाकर बधाई दी थी। मैं इस अवसर का फायदा उठाने मे कोई संकोच नही करूंगा। स्पीकर साहब, कल जब, ** * * * (हंसी व ाोर)।

Mr. Speaker: It has got no relevance at all. (Interruptions) Nothing should be recorded.

उद्योग मंत्री (डा. मंगल सैन): स्पीकर साहब, मैं आपकी रूलिंग चाहूंगा। हमारे रूल्ज मे जो प्रोविजन है वह यह है कि अगर किसी ने किसी के ऊपर आक्षेप लगाया होक तो पर्सनल ऐक्सप्लेने ान के जरिऐ उसे उसका जवाब देने या स्पश्टीकरण का अवसर प्रदान करना चाहिए। मेरे लायक दोस् अपने कार्यक्रम के लिये इस फौरम का दुरूपयोग करना चाहते है। इसलिये मेरी प्रार्थना है कि उनके भाब्द कार्यवाही से निकाल दिये जायें (ाोर)।

श्री अध्यक्षः वे बता रहे थे कि होम मिनिस्टर ने बहुत अच्छा इंतजाम किया.....

डा. मंगल सैनः वे आगे बढ़ रहे थे। वे और भी कुछ कहना चाहते थे कि लोगों ने नाराजगी जाहिर की। (ाोर)

स्थानीय भाासन मंत्री (चौधरी राम लाल वधवा): स्पीकर साहब, आज सुबह हमने अखबारों मे पढ़ा है कि हरियाणा मे काले झण्डे दिखाए गये (ाोर)।

चौधरी उदय सिंह दलाल: स्पीकर साहब, अगर पुलिस फोर्स नही होती तो सिर्फ काले झण्डों से ही काम नही चलता, लोग पकड़ कर वापिस दिल्ली छोड़ आते (ाोर)।

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह): स्पीकर साहब, जो ऐप्रीसिए ान दी है उसके लिये बड़ी मेहरबानी और जो कुछ साथियों ने बताया है वह भी अखबारों मे आया है। लेकिन इनकी नजाकत नही गई। कुत्तों का इलाज कराने अब भी हिसार आते है (ाोर)।

Mr. Speaker: I would request to the hon, Members to take their seats. This is an irelevent constroversy which has nothing to do with the proceedings of the House.

प्रस्वात–

लोकनायक श्री जयप्रका ा नारायण की भीघ्र अरोग्यता के लिये प्रार्थना करने संबंधी

श्री अध्यक्ष: मैंबर साहेबा, मेरे पास स्वामी आग्निवे ा का एक मो ान आया है जो हमारे लोग नायक श्री जय प्रका ा नारायण की अस्वस्था यानी कि बहुत सीरयस कंडी ान के विशय

मे है। मैं उसको एडमिल करता हूं और स्वामी अग्निवे ा अब अपना मो ान पढ़े।

स्वामी आग्निवे ा: अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्वात करता हूं–

कि यह सदन लोकनायक श्री जयप्रका ा नारायण के स्वास्थ्य की गम्भीर स्थिति पर भारी चिंता तथा सहानुभूति प्रकट करता है तथा उनके स्वास्थ्य मे सुधार तथा उनकी भीघ्र अरोग्यता के लिये ई वर से प्रार्थना करता हूं।

Mr. Speaker: Motion moved—

That this House expresses deep concern and have symkpathy on the serious condition of health of Lok Nayak Shri Jayaparakash Narayan and pray God to improvement in his health as well as his early recovery.

स्वामी अग्निवे ा (पुंडरी): अध्यक्ष महोदय, हम सब आज सारे दे ा के अंदर इस बात से भाोकाकुल है, चिन्तित है कि हमारे राश्ट्र नायक, लोक नायक जिन्दगी और मौत के बीच संधर्श कर है। बम्बई के जसलोक हस्पताल मे आज वे संकट से गुजर रहे है। उनके प्रति दे ा के बच्चे बच्चे को सहानुभूति है और सारे का सारा दे ा इस बात के लिये हृदय से प्रार्थना कर रहा है कि परमात्मा उनके जीवन की रक्षा करे और उन्हें भीघ्र ही रोग मुक्त करे। अध्यक्ष महोदय, उन्होंने जोसेवा की, वह किसी पार्टी के लिये अथवा किसी दल वि ोश के लिये नही की बल्कि सारे राश्ट्रा को अंधकार से निकालकर प्रका ा की ओर ले जाने मे उनका बड़ा

योगदान रहा है। अध्यक्ष महोदय, यह एक ऐतिहासिक महत्व है कि चाहे उन्होंने अपना संघर्श अंग्रेजो के खिलाफ छेड़ा, साम्राज्यवादी ताकतों के खिलाफ छेड़ा या दे ा के अंदर जो अन्याय हो रहा था उसके खिलाफ छेड़ा लेकिन उनके नेतृत्व मे सारे दे ा ने लड़ाई लड़ी। यही कारण है कि आज सारा दे ा उनके पीछे है और उनके स्वस्थ होने की कामना दे ा का बच्चा बच्चा कर रहा है। अध्यक्ष महोदय, आज वे वृद्धावस्था के कारण कुछ बीमारी के कारण, जिन्दगी और मौत के बीच संघर्श कर रहे है। उनकी सेवाओं के प्रति हम मत मस्तिक है और मैं समझता हूं कि सारे सदन की तरफ से उनके जीवन की मंगलकामना के लिये परमात्मा से प्रार्थना की जानी चाहिये (ाोर)

चौधरी जगजीत सिंह पोहलू: अध्यक्ष महोदय, इस प्रस्ताव से अभी सहमत है तो फिर इतनी लम्बी स्पीचें करने का क्या फायदा है (ाोर)।

स्वामी अग्निवे ा: अध्यक्ष महोदय, यह कोई विवाद का विशय नही है जिस पर किसी प्रकार का विवाद खड़ा किया जाये। आज हम सब को लोकनायक श्री जयप्रका ा नारायण के स्वास्थ्य के लिये ई वर से प्रार्थना करनी चाहिए कि ई वर उनको दीर्घ आयु प्रदान करे ताकि वे इस दे ा का और उपकार करने मे समर्थ हो सके। इन भाब्दों के साथ मैं ज्यादा न बोलता हुआ एक बार फिर सारे हाउस से प्रार्थना करता हूं कि हम सब की तरफ से परमात्मा को प्रार्थना की जानी चाहिये कि इस क्रांतिकारी नेता की

दीर्घ आयु हो और वे भीघ्र ही स्वास्थ्य हो। इन भाब्दों के साथ, मैं समाप्त करता हुआ आपका धन्यवाद करता हूं।

उद्योग मंत्री (डाक्टर मंगल सैन): स्पीकर साहब, स्वामी जी ने लोकनायक श्री जयप्रका ा नारायण जी के स्वास्थ्य के संबंध मे जो प्रस्ताव सदन मे प्रस्तुत किया है, मैं उसका समर्थन करता हूं। पटना मे वे कुछ दिनों से अकस्मात बीमार हो गये है और वहां समर्थन करता हूं। पटना मे वे कुछ दिनों से अकस्मात बीमार हो गये और वहां से उन्हें यान द्वारा बम्बई लाया गया है, जहां पर उनका उपचार हो रहा है। स्पीकरसाअ, जसलोक हस्पताल मे उनको पहले भी कई मरतबा रखा गया है और अब वहां का सारा स्टाफ पूरे प्रयत्नों के साथ इस राश्ट्र के महान नेता, एक क्रांति के अग्रदूत, महान समाजवादी और दे ा के स्वाधीनता संग्रामियों के सेनापतियों मे से एक महान सपूत के जीवन सरंक्षण के लिये, उनका जीमन बचाने के लिये संघर्श कर रहा है, इसके लिये हम सब उन भाईयो के बड़े अभारी है। स्पीकर साहब, इस दे ा की बाल, वृद्ध, नर नारी सभी उस महान सपूत, महान क्रांतिकारी नेता की बीमारी से चिन्तित है और सभी उनकी मंगलकामना के लिये भगवान से प्रार्थना करते है। इस महान नेता ने अपने यौवन काल मे अंग्रेजों की जेलें काटीं, 'भारत छोड़ों आंदोलन' के दिनो मे भूगत आंदोलन का नेतृत्व किया। स्पीकर साहब, हम भी जेलो मे गये और हम कल्पना कर सकते है कि जेलों से भागना कोई आसान बात नही है। हजारी बाग भूगत

आंदोलन का भी उन्होंने नेतृत्व किया। इस दे ा मे जब एक दिन निरा ाा छा गई, हाथ को हाथ हनी दिखता था, उस वक्त इन्होनें छात्र आंदोलन जैसे आंदोलन खड़े किये। अपातकाल की घोशणा हुई, दुर्भाग्यव ा उन्हे चण्डीगढ़ के हस्पताल मे ही रखा गया। उसी वक्त से उनकों किडनी ट्रबल है। उनकी किडनी खराब हुई है, यह उन्ही दिनों की मुसीबत उनको दी हुई है जिसके साथ वे इस समय संघर्श कर रहे है। मैं अधिक न कहता हुआ परमपिता परमात्मा से यह प्रार्थना करूंगा कि उस महान नेता की दीर्घायु हो। चाहे भगवान हमारे जीवन का भोश भाग भी ले ले, पर वे भाीघ्र ही स्वस्थ हो जाये। स्पीकर साहब, जब ज्यादा न कहता हुआ अपने सदन से मैं प्रार्थना करूंगा कि हम सब को मिलकर उनकी जीवनरक्षा की मंगलकामना करनी चाहिए और इस प्रस्ताव को जो स्वामी जी ने प्रस्तुम किया है, सर्व सम्मति से से पारित किया जाना चाहिए।

श्री भाम ोर सिंह (नरवाना): अध्यक्ष महोदय, अभी स्वामी जी ने लोकनायक श्री जयप्रका ा नारायण जी के स्वास्थ्य लाथ के लिये जो प्रस्ताव इस सदन मे प्रस्तुत किया है, उसका मैं अपने साथियों की तरफ से समर्थन करता हूं। श्री जयप्रका ा नारायण जी 1942 की क्रांति के हीरो थे और उसके बाद उनका सारा जीवन इस दे ा के लिये और इस दे ा की जनता के लिये ही बीता। वे पिछले तीन चार रोज से गम्भीर रूप से जसलोक हस्पताल मे बीमार है। अध्यक्ष महोदय, सारा दे ा उनके स्वास्थ्य

के बारे मे बहुत चिंतित है और परमात्मा से यह प्रार्थना करता है कि भगवान उनको दीर्घायु प्रदान करे। भिन्न भिन्न पार्टियों और संस्थाओं की ओर से उनके स्वास्थ्य लाभ के लिये परमात्मा से प्रार्थना की जा रही है कि वह उनको लम्बी आयु प्रदान करे। इसके साथ साथ में इस सारे सदन के जरिये अपनी सरकार से यह कहूंगा कि इस सदन की तरफ से एक रेजाल्यू ान पास करके केन्द्र सरकार को भेजा जाये कि लोकनायक जी के स्वास्थ्य लाभ के लिये चाहे जितना भी रूप्या खर्च क्यों न आये, उनके इलाज के लिये किसी की कोई कमी न दोडी जाये,हर तरह से उनकी मदद जिससे कि वे भीघ्र ही स्वस्थ हो सके। कि ई वर उनको दीर्घायु दे और वे लम्बे अर्से तक इस संसार मे जीवित रहें और इस दे ा की सेवा करते रहे।

मुख्य मंत्री (चौधरी देवी लाल): स्पीकर साहब, आज के दिन लोकनायक बाबू जयप्रका ा नारायण जी की बीमारी के कारण सारा दे ा चिन्तित है कि एक ऐसा भाख्स जिसने बगैर कसी स्वार्थ के जीवन भर सेल्फलैस सर्विस की हो, वह आज मौत और जिन्दगी के संघर्श मे मुबतला है जिस पर आज पूरे दे ा को चिंता है। 1942 की क्रांति मे जो पार्ट उन्होंने अदा किया, वह सब को याद है लेकिन इनकी ऐसी हालत को देखते हुए भी हम सिवायें परमात्मा से उनके लिये प्रार्थना करने के, बेबस है। हम तो परम पिता परमात्मा से केवल यही प्रार्थना करते है कि भगवान उनकी दीर्घायु करें ताकि वह इस दे ा की ओरसेवा कर सके। इन

भाब्दों के साथ मैं स्वामी जी के इस प्रस्वाव का समर्थन करता हूं जोकि उन्होंने इस हाउस मे पे ा किया है। हाउस की यह कामना है कि ई वर उनको जिंदगी दे और उनको इलाज मे भाफा मिले।

Mr. Speaker: Hon. Members leaving politics aside, there is no doubt that Lok Nayak Jayparkash Naryana is one of the most outstanding personalities that this country has ever produced. I would like to associate myself with the deep concern whown by all sections of this House in his present predicament and serious illness. We can at this stage only pray to God Almighty to give him strength in the battle that he is waging between life and death, and I join the House in praying the Almightly for given him strength and courage to win the battle that he is fighting. And, taking the sense of the House, I take it that this resoluion moved by Swami Agnivesh is unanimously passed.

(Vices: Yes)

Mr. Speaker: Thank you. The motion is unamiously passed.

नियम 30 के अधीन प्रस्ताव

श्री अध्यक्ष: अब मंत्री महोदय नियम 30 के अधीन प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे।

वित्त मंत्री (श्री मूल चंद जैन): अध्यक्ष महोदय, मैं प्रस्ताव करता हूं–

कि हरियाणा विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों के नियम 30 को निलम्बित किया जाये तथा वीरवार 22 मार्च, 1979 को सरकारी कार्य किया जाये।

श्री अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत किया हुआ–

कि हरियाणा विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों के नियम 30 को निलम्बित किया जाये तथा वीरवार 22 मार्च, 1979 को सरकारी कार्य किया जाये।

श्री अध्यक्षः प्र न है–

कि हरियाणा विधान सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन संबंधी नियमों के नियम 30 को निलम्बित किया जाये तथा वीरवार 22 मार्च, 1979 को सरकारी कार्य किया जाये।

प्रस्ताव स्वीकृत हुआ

मेज पर रखे गये कागज–पत्र

उद्योग मंत्री (डा. मंगल सैन): अध्यक्ष महोदय, हरियाणा तथा पंजाब कृशि वि ववविद्यालय अधिनियम, 1970 की धारा 39(3) के अंतर्गत मैं आपकी अनुमति से हरियाणा कृशि वि ववविद्यालय, हिसार की वर्श 1976–77 की वार्शिक रिपोर्ट सदन के पटल पर रखता हूं।

चौधरी हरस्वरूप बूराः स्पीकर साहब, मेरा एक काल अटैन्‍ ान मो ान था उसका जवाब 19 तारीख को आना था लेकिन अभी तक नही आया है।

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह): स्पीकर साहब, उसका जवाब मैं 23 तारीख को दूंगा।

वर्श 1979–80 के बजट पर आम चर्चा (पुनरारम्भ)

श्री अध्यक्षः अब साल 1979–80 के बजट पर फिर से चर्चा भाुरू होगी। श्री राम कि ान जी अपनी स्पीच जारी करें।

चौधरी राम कि ान (सफीदों): स्पीकर साहब, कल मैं कह रहा था कि जैन साहब ने जो बजट सदन के सामने रखा है वह बहुत अच्छा बजट है। अपोजी ान के भाइयों ने भी इस पर हुई बहस मे हिस्सा लेते हुए काफी चर्चा की।

स्वामी आदित्यवे ाः अयक्ष महोदय, मेरा व्यवस्था का प्र न है। पिछले दिनों हाउस मे आ वासन दिलाया गया था कि यह पूरा प्रयास किया जायेगा कि जितनी रिपोर्ट सदन मे प्रस्तुत की जायेंगी वे हिन्दी और अंग्रेजी दोनो भाशाओं मे दी जायेगी। लेकिन मुझे दुख के साथ कहना पड़ता है कि हिसार कृशि वि वविद्यालय की जितनी भी रिपोर्ट है ये सारी अंग्रेजी मे ही है, हिन्दी मे नही है। क्या इसके बारे मे मे कोई प्रबंध किया जायेगा ?

श्री अध्यक्षः इस संबंध मे गवर्नमैंट ने आर्डर कर दिये है लेकिन उनको इम्लीमैंट करने मे अभी कुछ टाईम लगेगा। यह रिपोर्ट पिछले पीरियड से संबंधित है। अगली रिपोर्ट के बारे मे मैं गवर्नमैंट से रिकवैस्ट करूंगा कि वह दोनो भाशाओं मे होनी चाहिए।

चौधरी राम कि ानः स्पीकर साहब कुछ अपोजी ान के साथियों ने कहा कि यह बजट ऐंटी किसान बजट है और 85 प्रति ान देहात मे रहने वाले लोगों के खिलाफ है लेकिन ऐसी बात नही है। यह बजट बाबू जी ने बहुत तैयारी करके यहां पर प्रस्तुत किया है। बाबू जी इस मामले मे बहुत ज्यादा अनुभव रखते है। मैं इसका हृदय से समर्थन करता हूं। इसके साथ साथ मै हाउस के लीडर को तथा वित्त मंत्री को यह प्रार्थना करता हूं और हाउस की भी यह सैंस है कि गरीब किसानों पर और गरीब आदमियों पर जो दस परसैंट आबियाना लगाया है और जो 33 प्रति ात लैंड होल्डिंग टैक्स परसरचार्ज लगाया है इस पर पुनर्विचार किया जाये। (इस समय सभापतियों की सूची मे से एक सदस्य, चौधरी प्रताप सिंह ठाकरान, पदासीन हुए) इसके अलावा गरीब आदमियों पर जो रजिस्ट्रे ान का खर्चा बढ़ाया गया है इस पर भी पुनर्विचार किया जाये। कल राव दलीप सिंह जी ने अपने भाशण मे भ्रश्टाचार की चर्चा की। जो आदमी किसी को रि वत लेते पकड़वाएगा उसे पांच सौ रूपया ईनाम मिलेगा लेकिन चेयरमैन साहब मैं आपके द्वारा मुख्य मंत्री जी प्रार्थना करूंगा कि

यह जो पांच सौ रूप्ये की रा ि ा है यह बहुत कम रा ि ा है यह बहुत कम है। इसी वजह से आज तक रि वत लेने वाले को पकड़वाने के लिये कोई आगे नही आया इसलिये अगरइस रा ि ा को पांच सौ रूप्ये की बजाये पांच हजार कर दिया जाये तो अच्छा होगा। इसके अलावा मैं मुख्य मंत्री जी को इस बात के लिये भी बधाई देता हूं कि उन्होंने हमारे जींद जिले की तरक्की की तरफ भी ध्यान दिया है । इस सरकार के वजूद मे आने से पहले किसी भी सरकार ने जींद की तरक्की की तरफ ध्यान नही दिया था। अब तक वहां पर कोई मिनि सैक्रेटेरिएट नही बनाया गया था लेकिन हमारे मुख्य मंत्री ने परसो कहा कि जींद से सारा काम चलेगा। इस बात के लिये मैं मुख्य मंत्री जी का अभिनन्दन करता हूं और आ ाा करता हूं कि भाायद वे जींद को ही हरियाणा की कैपिटल बनाने पर विचार कर रहे है?

मुख्य मंत्री (चौधरी देवी लाल): हमारी राजधानी चण्डीगढ़ ही रहेगी।

चौधरी राम कि ानः जब हरियाणा बजूद मे आया था तो उस वक्त जींद को जिला बनाया गया था लेकिन आज वहां पर मिनी–सैक्रेटेरिएट नही बनाया गया। अबं मेरे एक सवाल के जवाब मे यह बताया गया है कि इस साल वहां पर मिनी–सैक्रेटेरिएट बन जायेगा। मैं मंख्य मंत्री जी से कहूंगा कि वे अगले महीने ही उसका उद्घाटन करें। चेयरमैन साहब, हमारी जनता सरकार को वजूद मे आए अभी दो साल हुए है लेकिन तभी से हमारे प्रांत के

ऊपर भगवान का प्रकोप है। कभी बाढ़ आ जाती है तो कभी ओले पड़ जाते है। पिछले साल बाढ़ के मौके पर हमारे मुख्य मंत्र ीजी ने बहुत समझदारी से काम लिया। वे खुद बाढ़ग्रस्त इलाकों मे गये और सभी मंत्री तथा एम.एल.एज. ने भी वहां परी जाकर लोगो की सेवा की। इस बात को सब जानते है कि मुख्य मंत्री जी ने सभी सदस्यो को यह कहा था कि वे भी आकर श्रमदान के काम मे भाग ले लेकिन विपक्ष की ओर से किसी भाई ने आकर काम नही किया। भाई पोहलू जोकि हमारे काम की सराहना करते है, हो सकता है ये कहीं पर गये हुए हो, इसलिये न आ सके हो। जिन गांवो को फलड ज्यादा आता था वहां पर मुख्य मंत्री जी ने रिंग बांध बांधने का अभियान चलाया। जींद जिले मे बहुत से गांव हर साल बाढ़ की लपेट मे आते थे लेकिन रिंग बांध बांधने की वजह से हमं बहुत फायदा हुआ हैं इसलिये सह भी बहुत सराहनीय कदम है। इसके आलवा बिजली के बारे मे मै। यह कहना चाहता हूं कि आज से दो साल पहले बिजली बादलों मे ही दिखा करती थी और जब कभी किसान को बिजली मिलती थी तो रात को ही मिलती थी। उन दिनों किसान जब अपने ट्यूबवैल पर पहुंचता था तो वहां पहुंचते ही बिजली गायब हो जाती थी लेकिन जब से हमारी जनता सरकार वजूद मे आई है तब से किसान को 24 घंटे बिजली मिलती है। चेयरमैन साहब, मैं यजह कहरना चाहता हूं कि इस सरकार से पहले किसी सरकार ने भी देहात केक लिये दिन खोल कर काम नही किया लेकिन मैं अपनी सरकार को बधाई देना चाहता हूं कि इसने इस बजट मे 90 प्रति ात पैसा देहात पर खर्च

करने के लिये रखा है। इसके अलावा सरकारने एक और भी बढ़िया काम किया है कि इसने बिजली की मीटर सिस्टम को खत्म करके फलैट रेट सिस्टम लागू कर दिया है पहले किसानो को बहुत परे ाानी थी लेकिन अब इस सिस्टम के लागू होने से किसान खु ा है। लेकिन मैं सरकार से एक प्राथ्रना करूंगा कि वह इस सिस्टम को पंजाब और यू.पी. पैट्रन पर इम्पलीमैंट करवाये। इसके अलावा चेयरमैन साहब, जब से यह सरकार आई है तब से अनाज की पैदावार बढाने मे भी हमने बहुत तरक्की की है। पहले जब हरियाणा बना था तो हमारी पैदावार कम थी और आज हालत यह है कि यहां पर इतना अनाज पैदा होता है कि हम देसरी स्टेटों मे भी अनाज भेजते है। हरियाणा का किसान बहुत मेहनती है लेकिन खेती मे काम आने वाली जो चीजें है वे उसे बहुत महंगे भाव पर मिलती है। जितने भी गरीब किसान है, हरिजन है या बैकवर्ड क्लास के आदमी हे, ये बेचारे हमे ाासे ही पिटते आए है। इसलिये मै। सरकार से प्रार्थना करूंगा कि वह किसान को सस्ते भाव पर चीजें मुहैया करवाये। आज आप ट्रैक्टर को देख सकते है। इसकी कीमते आप आका ा को छू रही है। इसलिये मैं चाहूंगा कि जिस भापर पर ट्रैक्टर पहले मिलतेथे उसी भाव पर किसानो को ट्रैक्टर दिलाये जाये। इसके आवाला चेयरमैन साहब, प ा पालन की जहां वतक इस बजट मे चर्चा की गई है, इसकू बारे मे सरकार का बहुत ही सराहनीय पक्ष है। हरियाणा मे मुराह भैंस और गायें, जिसकी अच्छी नसल का हरियाणा घर समझा जाता है, मुर्गी पालन, भेड़ पालन और मछली पालन का भी

बजट का जिक्र किया गया है। पहले लोग दर दर मारे मारे फिरते थे कि हमें कर्जा दिया जाये लेकिन उनको कर्जा नही मिलता था। आज मुख्य मंत्री जी ने सरकार की तरफ से यह एलान किया है कि चाहे आप गांव के अंदर इंडस्ट्री लगाओ, भेड़ पालन का काम करो, मुर्गी पालन का का काम करो, हरेक को कर्जा मिलेगा। इसमे कोई दो राय नही हो सकती कि प ाु पालन का महकमा जब से चौधरी भजन लाल जी के पास आया है, इस महकमे के अंदर बहुत ज्यादा काम हुआ है और जगह जगह पर स्टाकमैन सैंटर और वैटर्नरी डिस्पैंसरी खोलने का प्रबंध किया गया हैं यह भील एक सराहनीय पग है। इसके अलावा मैं यह कहना चाहता हूं कि जिस तरह से आदमी के लिये अस्पताल जरूरी है, मैं यह समझता हूं कि प ाुधन की रक्षा के लिये हर गांव के अंदर फैसिलिटीज देना बहुत ही जरूरी हैं अगर कोई आदमी बीमार हो जाये तो वह भाहर मे जा सकता है, उसके जबान है वह बोलकर बता सकता है लेकिन अगर प ाु बिमार हो जाये तो बोल नही सकता। उसको किसी चीज मे रिक्ा ा मे या गाड़ी मे डालकर दूसरे किसी भाहर मे ले जाया नही जा सकता। इसलिये मैं अपनी सरकार से यह प्रार्िना करूंगा कि ज्यादा से ज्यादा धनरा ि ा की उपलब्धि इस महकमे को कराई जाये ताकि गांवो मे और भी ज्यादा स्टाकमैन सैंटर ओर प ाुओं के अस्पताल खोले जा सके। इसके अलावा चेयरमैन साहब, बजट के अंदर जहां तक सहकारिता यानी कोआप्रे ान डिपार्टमैंट का ताल्लुक है उसके बारे मे भी चर्चा है। सरकार ने ब्याज की दर 14 प्रति ात से घआकर 11

प्रति ात की है। इससे भी किसान को काफी राहत मिलेगी। पहले जो नोमीने ान का सिस्टम था वह भी सरकार ने खत्म कर दिया है।

म्यूनिसिपल कमेटियो के जो इलैक ान होने वाले है, सरकारने यह भी एक नई प्रथा डाली है। डैमोक्रेसी को बहाल करने का सरकार का यह भी एक बहुत ही सराहनीय प्ए है। चेयरमैन साहब, इसके अलावा बजट पंचायतों का भी जिक्र आया है। पहली सरकार कभी भी ि ाडयूल टाईम के अंदर पंचायतों के इलैक ान नही करवा सकी। वह घबराती थी कि भाायद हमारे आदमी पंचायतों मे इलैक ान होने की वजह से न आ पायेंगे लेकिन इस सरकार ने वजूद मे आते ही पंचायतों के इलैक ान कराये और लगभग 54 लाख रूपये की धनरा ि ा उन पंचायतों को दी जहां पर यूनैनीमस इलैक ान हुए थें यह भी सरकार का बहुत ही ज्यादा सराहनीय पग है।

बजट के अंदर जंगलात का भी जिक्र किया गया है। चेयरमैन सहाब, मैं यह कहता हूं कि जंगलात भी रेगिस्तान की तरफ उतनी ही जरूरी है जितनी कि और कोई चीज। किस वक्त वहां पर आंधी चलती हे तो रेत उड़ करके गांव के गांव दबा लेती हैं जंगलात के महकमे ने इस रेत को रोकने के लिये जो काम किया है वह भी बहुत सराहनीय पग है। इंडस्ट्री का भी बजट मे जिक्र आया हे मैं इस बारे मे इंडस्ट्री मिनिस्टर डा. मंगल सैन जी को बधाई देना चाहता हूं। जैसे उनके टैलीफोन के खर्चे का,

गाड़ी के खर्चे का और उनके बिलों का जिक्र आया, यह हो सकता है कि उन्होंने यह खर्चा केन्द्र की सरकार से काम करवाने के लिये खर्च किया हो, जिसकी वजह से करोड़ों रूपया केन्द्र से हरियाणा को मिला हो। (व्यवधान)

Mr. Chairman: No interruptions please.

चौधरी राम कि ानः चेयरमैन साहब, जैसा कि मुझे ज्ञात हुआ ळै, हो सकता है गलत भी हो, लेकिन मैं अपने ज्ञान की वजह से यह कहता हूं कि 50–50 करोड़ रूपये की लागत का टैलीफोन का सामान बनाने का एक प्लाट जो पंचकूला मे लगना था वह अभी तक नही लगा। मैं माननीय इंडस्ट्रीज मिनिस्टर डा. साहब से यह प्रार्थना कंरूगा कि हमें यह सुनते हुए कि मामला विचारधीन है, दो साल हो गये है, लेकिन अभी तक नही लगा। क्यों आज तक वह प्लांट नही लग सका ? क्यों इतनी देर हुई है ? जहां तक इंडस्ट्रीज लगाने का ताल्लुक है, मुख्य मंत्री जी की यह मं ाा और चेश्आ हे कि यहां पर बेरोजगारी की समस्या छोटी छोटी इंडस्ट्रीज लगा कर दूर की जाये। लेकिन मेरी एक प्रार्थना है कि इंडस्ट्रीज मिनिस्टर साहब केन्द्र के साथ बातचीत करके बड़े प्लांटों की मंजूदरी लाये जिसे लोने मे वे अब तक कामयाब नही हुए । मेरी प्रार्थना यह है कि 'बड़े प्लांट हरियाणा मे स्थापित करवायें जैसे कि जींद के अंदर, सफीदों के अंदर। इससे हजारो आदमियों को रोजगार मिलेगा। इसके अलावा मैं यह कहना चाहता हूं कि जहां तक सड़कों का ताल्लुक है जब हरियाणा का गठन

हुआ उस वक्त केवल 1386 गांव ऐसे थे जो पक्की सड़कों से मिले हुए थे। उसके बाद 6 हजार किलोमीटर लम्बी सड़कें बनी है। जब से यह महकमा सरदार लछमन सिंह जी के पास आया है, इस महकमे ने काफी काम किया है। मुख्य मंत्री जी ने यह एलान भी किया है कि सन् 1982 मे इलैक्शन से पहले कोई भी ऐसा गांव नही होगा जो पक्की सड़क से नही मिला हुआ होगा। जिस रफ्तार से ये सड़के बनाई जा रही है उससे तमाम जिन्दगी भर सड़कों की समस्या दूर हो जायेगी। सरदार साहब ने जो यह सड़के, बनाने का काम इतनी तेजी से भाुरू करवाया है, मैं यह कहता हूं कि इसके लिये वे भी मुबारकबाद के पात्र है। इसके अलावा हमारे मुख्य मंत्री चौधरी देवी लाल से पहले अगर कोई आदमी इस 82 प्रति ात पिछड़े वर्ग यानी किसानों की तरफ ध्यान देता तो आज किसी को मांग रखने की जरूरत नही होती। आज यह जो विपक्ष के भाई कह कर बावेला मचाते है कि उनकी कांस्टीच्यूंसी मे कोई काम नही हो रहा है। मैं यह बात दावे के साथ कह सकता हूं कि 90 के 90 हलको के बारे मे मुख्य मंत्री जी के दिल मे डिस्क्रिमिने ान नही है। पिछले महीने की 22–23 तारीख को इनका दौरा 14–14 गांवों मे था। मेरे जिले के उचाना हलके के अंदर उन्होंने कई पब्लिक मीटिंग एड्रैस की। वहां पर मै। यह कहता हूं कि यह इतना काम देकर आये है कि उतना दूसरी किसी कांस्टीच्यूएंसी ने नही दिया होगा। इन भाईयो का यह कहना कि हमारे हल्के के अंदर डिस्क्रिमिने ान किया जा रहा है, भाोभा नही देता। मैं यह कहता हूं कि जिस हल्के से वे आये

है वहां पर हमारे हल्के से ज्यादा काम हो रहा है। इसके अलावा चेयरमैन साहब, वाटर सप्लाई स्कीमों का भी वजट मे जिक्र आया है । इस सरकार ने पीने के पानी की जो समस्या है वह दूर की है। जहां पर खराब पानी होगा वहां पर मीठा पानी दिया जायेगा। मैं यह कह सकता हूं कि इतनी तेजी से इस डिपार्टमैंट का काम चला हुआ है कि भाायद ही 1982 तक कोई ऐसा गांव या बैल्ट रहा जायेगा जहां पर वाटर सप्लाई की स्कीम न जा सके। सरकार साहब और इनका महकमा दोनो बधाई कं पात्र है। जहां वाटर सप्लाई से पानी अवेलेबल होगा वहां अच्छे अच्छे पार्क और फव्वारे बनेंगे। ऐजुके ान का भी बजट मे जिक्र आया है। मैने यह सुना है कि प्राईवेट कालेजिज को जो एड पहले 75 प्रति ात दी जाती थी वह बढ़ाकर 84 प्रति ात कर दी है। पहले यह एड 30 प्रति ात होती थी, इसे बढ़ाकर पहले 75 प्रति ात किया था और अब इसे 84 प्रति ात कर दिया गया है। चेयरमैन साहब, देखिये कितना सराहनीय पग है। आपको पता हे कि प्रांत के अंदर प्राईवेट कालेजिज की स्थिति कितनी खराब थी। सरकार ने इनको एड देकर बचा लिया। लेकिन मेरी सरकार से यह प्रार्थना है और सुझाव है कि जिस तरह से इन्होंने कालेजिज की एड बढ़ाई, इसी तरह से कुछ प्राईवेट हाई स्कूल भी देहात के अंदर है, खासकर फल्ड के एरिया मे इन स्कूलों की हालत इतनी खराब हो गई है कि वे मास्टरों को तनख्वाह भी नही दे सकते । मेरे सफीदों हल्के मे भंभेवा गोंव है, बहुत बड़ा गांव है, जितना सुन्दर उसके पास भवन है और काफी तादाद मे लड़के वहां पर पढ़ते है लेकिन आज

वह गांव उन मास्टरों की तनख्वाह देने मे असमर्थ है इसलिये मैं अपनी सरकार से यह प्रार्थना कंरूगा कि कोई भी स्कूल टेक ओवर करते वक्त मेरे हलके सफीदों मे खासकर भंभेवा जो किसानो का एक बहुत बड़ा गांव है, चारो तरु पानी आने की वजह से वहां के लोगो की हालत खराब हो गई है, अगर यह सरकार उस स्कूल को भी टेक ओवर करा ले, तो बड़ी कृपा होगी।

Mr. Chairman: Please wind up now. The time is over.

चौधरी राम कि ानः चेयरमैन सहाब, मैं दो मिनट और लूंगां इसके अलावा चेयरमैन साहब, पिछड़े वर्ग के लोगो की पापुले ान 20–22 प्रति ात होते हुए भी इसके लिये सर्विसिज मे 2 प्रति ान आरक्षण रखा गया था। यह पिछड़े वर्ग पर एक बड़ा भरी धब्बा था। मुख्य मंत्री जी ने इस आरक्षण को 2 प्रति ात से बढ़ाकर 5 प्रति ार कर दिया है ओर इसकी चर्चा बजट मे भी आई है इसके लिये मैं उसको अपनी तरफ से मुबारकबाद देता हूं क्योंकि वे वाकई मुबारकबाद के पात्र है। यह रिजर्वे ान पिछड़े वर्ग के पापुले ान को देखते हुए कम है। हो सकता है कि मुख्य मंत्री जी ने अपना मन बना रखा हो, अगर न बना रखा हो तो भी मेरी यह प्रार्थना है कि अगर इस आरक्षण को 5 प्रति ात की बजाये 10 प्रति ात कर दे तो उनकी बड़ी कृपा होगी। इसके अलावा चेयरमैन साहब, मैं मार्किट कमेटियों का जिक्र करूंगा। मेरी सरकार से यह प्रार्थना है कि मार्किट कमेटी से जो आमदन होती

है, उसे उसी कांस्टीच्यूएंसी मे, उसी हलके मे, उसी जिले मे लगा दिया जाये तो डिवैल्पमेंट के काफी काम हो सकेंगे और लोगो को राहते मिल सकेगी। इसके अलावा अंत मे मैं मुख्य मंत्री जी से और वित्त मंत्री जी से यह प्रार्थना करूंगा कि इस बजट के अंदर जो किसानो के ऊपर 10 प्रति ात आबियाना, 33 प्रति ात लैण्ड होल्डिंग टैक्स का जो प्रस्ताव है इस पर वे पुनर्विचार करके 82 प्रति ात देहात मे रहने वाले गरीब किसानो को अगर किसी तरीके से बचाया जा सके तो उनकी बड़ी भारी कृपा होगी और इसकी बजाये ये जो बड़े बड़े सिनेमा वाले है, जिनके पास बहुत बड़ी बड़ी इंडस्ट्रीज है उनके ऊपर यह टैक्स लगा दिया जाये तो कोई बुरी बात नही होगी। चेयरमैन साहब, मैं बजट का समर्थन करते हुए अपनी जगह लेता हूं। धन्यवाद।

श्री भाम ोर सिंह (नरवाना): चेयरमैन साहब, मैं 1979–80 के बजट के बारे मे जो वित्त मंत्री जी ने विधानसथा मे पे ा किया हे और जिसमे नान प्लान के लिये 257 करोड़ रूपये स्कीम के लिये 227 करोड़ रूपये के खर्चे का प्रावधान किया गया है उसके बारे मे अपने विचार पे ा करना चाहता हूं। चेयरमैन साहब, 37 करोड़ रूपये के घाटे का यह बजट जिसमे से 14 करोड़ रूपये भारत सरकार से ग्रांट के रूप मे हरियाणा सरकार को मिलेगा और 10 करोड़ रूपये के लगभग टैक्सों का प्रावधान इस बजट के किया है इसके बावजूद भी 13 करोड़ रूपये का घाटा इस बजट मे खुला छोड़ दिया गया है। चेयरमैन साहब, इस

13 करोड़ रूपये के घाटे को कवर करने के लिये वित्त मंत्री जी ने बजट प्रस्तावों मे यह ठीक कहा है कि फरीदाबाद और दिल्ली के आसपास जो हरियाणा के इंडस्ट्रियल टाउन्ज है, वहां के जो कारखानेदार है उन्होंने अपने दफ्तर दिल्ली मे बनाए हुए है इसलिये करोड़ों का टैक्स घाटा हरियाणा को होता है। हर साल टैक्स की भाक्त मे, एक्साइज की भाक्ल मे या और किसी रूप मे। यह बात ठीक सोची जा रही है कि सरकार उनके ऊपर एक टैक्स इस बात का लगाये कि जो माल वहां पर बन कर हरियाणा से बाहर जायेगा उसके ऊपर उन्हें सरकार को टैक्स देना पड़ेगां चेयरमैन साहब, मैं आपके माध्यम से वित्त मंत्री जी से यह कहना चाहता हूं कि अच्छा होता अगर वह इसी बजट प्रस्तावों मे उस टैकस को ले करके आते ताकि हाउस को उस पर बहस करने का मौका मिलता। चेयरमैन साहब,यह भी सम्भव हो सकता कि जनता पार्टी की सरकार भाायद उस बीच मे उन कारखानेदारों के दबाव मे आकर बाद मे हाउस से बाहर प्रैस मे यह कह दे कि वह टैक्स हम नही लगा रहे (ाोर)।

वित्त मंत्री (श्री मूल चंद जैन): चेयरमैन साहब, श्री भाम ेर सिंह जी को गल्तफहमी है वह बिल हम इसी सै ान मे ला रहे है।

श्री भाम ेर सिंहः जैन साहब, गल्तफहमी की बात नही है। इस बजट प्रस्तावों मे इस टैक्स को इसी सै ान मे लाने का कोई जिक्र नही है। चेयरमैन साहब, इस हाउस से बाहर मुख्य

मंत्री जी और दूसरे मंत्रियों द्वारा यह कहा गया है कि सरे हरियाणा का जो बजट है इसका 80 या 90 प्रति ात जो भाग है वह देहात की तरक्की पर और खेतीबाड़ी परया कृशि पर खर्च करने जा रहे है। इन्होंने इस बात का देहात मे प्रचार किया है। चेयरमैन साहब, अगर आप सही तौर से देखे तो मैं यह कहूंगा कि यह बात बिल्कुल गल्त है और यह बात सही नही है । इस बजट मे 171 करोड़ रूपया, जो सारे बजट का 70 या 75 परसैंअ बनता है वह कृशि, सिंचाई और बिजली के लिये रखा गया है। चेयरमैन साहब, अगर आप उन सारे आंकड़ों को अलाहिदा अलाहिदा देखे तो कृशि जो हे या खेतीबड़ी जो हे और उससे संबंधित जो सैक्टर है जिसके अंदर पंचायत कम्युनिटी और प्राईवेट सैक्टर भी भाामिल है उनके लिये सिर्फ 25 करोड़ का प्रावधान किया गया है जोकि इस सरे बजट का 11 परसैंट बनता है। अगर हमारी वित्त मंत्री जी बा बात का दावा करें कि जो सिंचाई तथा बिजली की मद मे 60–62 करोड़ रूपये रखे गये है वह कृशि और खेतीबाड़ी के लिये है तो यह बात सही नही है। अगर आप आंकड़े देखे तो इन 60–62 करोड़ रूपये मे से केवल 12 करोड़ रूपये का कृशि के लिये या खेतीबाड़ी के लिये तथा किसानों को गांवो मे बिजली की एक्सटैं ान के लिये प्रावधान है बाकी इसका 90 परसैंट भाग इंडस्ट्रीज और भाहरों के लिये बिजली उत्पादन पर खर्च होना है। इस प्रकार से सिंचाई के आंकड़े 60 करोड़ के करीब है। चेयरमैन साहब, यह जो एस.वाई.एल. स्कीम को पूरा करने के लिये पैसा रखा गया है इससे हरियाणा के लोगो को पानी मिलने वाला नही

और न ही उनको कोई लाभ होने वाला है। इसी से जुड़ती हुई बात एक और है कि जब तक पंजाब के भाग मे एस.वाई.एल. कैनाल का हिस्सा बन करके तैयार नही हो जाता तब तक हरियाणा मे उसका पानी नही आ सकता। चेयरमैन साहब, मैं तो कहूंगा कि यह सारे का सारा डैड मनी हे हतससे हरियाणा के किसानो को कोई लाभ नही पहुंचना है। इसके साथ ही इस बजट मे जिन दूसरी बातो का जिक्र किया गया हे उनके बारे मे मैं तो यह कहूंगा कि खेती को प्राथमिकता देने की बात हो बहुत बढ़ा चढ़ा करके कहा गया है। चेयरमैन साहब, मैं आके माध्यम से मुख्य मंत्री जी और वित्त मंत्री जी से यह नम्र निवेदन करना चाहता हूं कि खेती को जो प्राथमिकता देने की बात है वह बहुत सी बातो से जुड़ी हुई है जैसे किसानो को उनकी जिन्स के पूरे भाव मिलने की है। सरकार ने इस बजट मे सबसिडी के लिये चाहे वह फर्टिलाइजर, बीज और दूसरी चीजों पर है, के लिये जो पैसा रखा गया है उसमे किसान को इतना फायदा होने वाला नही है जब तक कि उसको उसकी पलज का पूरा भाव न मिले। इस स्कीमों से किसानो को कोई लाभ होने वाला नही है इससे किसानों की हालत को सुधारा नही जा सकता है। उदाहरण के तौर पर हरियाणा मे किसान को एक क्विंटल गेंहू की पैदावार पर 120 रूपये के करीब खर्च करना पड़ता है और उनको एक क्विंटल गेहूं का भाव 110 रूपये भी नही मिलता है। इस प्रकार मैं चाहे गन्ने की बात कहूं, गुड़ की बात कहूं, चाहे कपास की बात कहूं, चाहे बाजरा की बात कहूं, सरसों की बात कहूं और चाहे आलूओं की

बात कहूं, किसान को जिन्स का जितना भाव मार्केट मे मिलता है उससे दोगुना, अढ़ाई गुना या तीन गुना खर्चा एक क्विंटल पैदा करने के लिये खर्च करना पड़ता है। इसका सीधा मतलब यह हुआ कि किसान जितना ज्यादा अनाज मार्किट मे लेकर जाता है उतना ही टोटा अपने कंधों पर लेकर आता है, उसको फायदे की बजाये नुक्सान उठाना पड़ता है। इस सिस्टम से किसान के सिर पा लाखों करोड़ो रूपया, मिनी बैंक्स और दूसरे बैंकों के जरिए कर्जे के रूप मे चढ़ता जा रहा है। अगर खेत की पैदावार की नीति इसी तरह चलती रही तो वे दिन दूर नही जब हरियाणा के प्रत्येक किसान की सारी की सारी भूमि, जितनी भी जमीन किसान के पास है वह बिक जायेगी और वह अगले चार पांच सालो मे इस जमीन का मालिक नही रहेगा। किसान अपनी मलकीयत खो बैठेगा। चेयरमैन साहब, मैं आपके द्वारा सरकार से कहना चाहता हूं कि किसान का पेट महज प्रचार करने से नही भर सकता। बजट के अंदर जो आंकड़े दिये गये है, वह इस तरह की जादूगरी है, एक जगलरी है, इनसे किसान का पेट नही भर सकतां अगर सरकार किसान की हितैशी है तो सरकार को यह फैसला करना होगा कि किसान को नुक्सान न होने दिया जायेगा। उसकी प्रोडयूस उचित दामों पर बिकनी चाहिए। यह नीति जिससे किसान को करोड़ों रूपये का नुक्सान होता है, बदलनी चाहिए।

चेयरमैन सहाब, इसके साथ ही साथ मैं सरकार से कहना चाहता हूं कि आज हिसान की दोहरी लूट होती है। एक

तरफ तो किसान को जिन्स का भाव पूरा नही मिलता और दूसरी तरफ उसके इस्तेमाल की चीजें महंगी है। जिसके कारण उसे पैदावार करने के लिये ज्यादा खर्च करना पड़ता है, चाहे म ीनरी है, चाहे डीजल है, चाहे खाद है, चाहे वह बीज है, चाहे सीमेंट है, चाहे ईंट है, चाहे लोहा है। हर चीज की कीमत पिछले दो सालो से निरंतर बढ़ती जा रही है और खेतीबाड़ी करने के लिये किसान को बहुत ज्यादा कीमत देनी पड़ती है। चेयरमैन साहब, कई आईटम्ज ऐसी है जो मार्किट मे मिलती नही है, जैसे डीजल, सीमेंट और ईंटे। ये चीजे आज मार्किट मे उपलब्ध नही है और किसान को ब्लैक मे खरीदनी पड़ रही है। यही खाद की पोजी ान है। चेयरमैन साहब, कोआप्रटिव सोसायटीज द्वारा जो खाद किसान को दी जाती है, मैं इसका जिक्र करना चाहता हूं। खाद पर जो सबसिडी दी जाती है, हरियाणा मे खाद की सबसिडी के नाम पर बड़ा भारी स्कैंडल है। सरकार ने किसान को सबसिडी देने के लिये जो रकम रखी है, इसके बारे मे अगर मैं यह कहूं कि इस मे से एक भी पैसा किसान को नही मिलता तो इसमे कोई झूठ नही है। मैं उदाहरण देकर सदन को बताना चाहता हूं कि खाद तीन किस्म की है। जिन खादों पर सरकार ने सबसिडी दी है वह एन.पी. खद जिस पर प्रति कट्टा 13 रूपये सबसिडी है, एन.ए. पी. पर 17 रूपये और हीदा खाद पर 12 रूपये है। यूरिया खाद पर कोई सबसिडी नही है। आप सब जानते है कि हैफड खाद बांटने का मेन सोर्स है और इसकी ब्रांचें सब जगह है। किसी खास एरिया मे या सब डिवीजन मे मिनी बैंक्स भी खाद देते है।

जो लोग यूरिया खाद ले जाते है वे अपने रिकार्ड मे हेराफेरी करे यूरिया के कट्टो पर हीरा खाद या एन.ए.पी. खाद का नाम लिख देते है और सारी सबसिडी उनकी जेब मे चली जाती है और बाद मे सबसिडी वाली खाद को पंजाब मे जाकर बेचदेते है जहां पर उकसा रेट हरियाणा के मुकाबले मे ज्यादा है और तकरीबन 15–20 रूपये फी कट्टा ब्लैक मे बिकती है। हरियाणा के किसान को सबसिडी का ऐ पैसा भी नही मिलता । चेयरमैन साहब, मैंने ग्रिवैंसिज कमेटी की मीटिंग मे अलग अलग जगहों का नाम ले कर बताया था, लेकिन इसके बावजूद भी मेरी बात पर अब तक कोई ऐक ान नही हुआ। चेयरमैन साहब, मैं आपकी मारफत सरकार से कहना चाहता हूं कि कि फौरन ऐक ान लिया जाये ताकि किसानो को सबसिडी का फायदा हो सकें चेयरमैन साहब, मिनी बैंकों की मारफत किसानो को कर्जे दिये जोते है जिकसा प्रचार सरकार एजेंसियों से किया जाता है। मिनी बैंक मे बड़ा भारी स्कैंडल मौजूद है जिसका पता मिनिस्टर कंसर्न्ड को भी है ओर सरकार के नोटिस मे भी है और हरियाणा मे लाखो करोड़ों रूपये की हेराफेरी छोटे छोटे किसानो के साथ हो रही है। जिस आदमी ने मिनी बैंक से कर्जा नही लिया है उसका नाम रजिस्टर मे दर्ज है, परनोट पर अगूंठा लगा हुआ है.....

श्री मूल चंद जैनः आप तो कांग्रेस के जमाने की बात कर रहे है। (व्यवधान)

श्री भाम ोर सिंहः नही, मैं नही जनतार गवर्नमैंट के जमाने की बात कर रहा हूं।

श्री सभापतिः आपका टाईम हो गया है, आप वाइंड अप करें।

श्री भाम ोर सिंहः अच्छा जी। जिन लोगो ने कर्जा नही लिया है उनके खिलाफ आर्बिट्रे ान ने डिग्रियां दे दी है, सैंकड़ों आदमी परे ाान हो रहे है, करोड़ों रूपयों की हेराफेरी हुई है। चेयरमैन साहब, जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद, किसान की बार बार लूट और पिटाई हो रही है। सबसिडी भी नही मिल रही और उसको उसकी जिनस के भाव भी पूरे नही मिल रहे है। चेयरमैन साहब, हरियाणा का किसान एक नै ानल मेन स्ट्रीम है, इसको जनता पार्टी के राज मे काटा जा रहा है और इसके दूसरी तरफ सरकार ने इस बात का प्रचार माउंट किया है कि सरकार किसान के लिये सब कुछ कर रही है।

चौधरी देवी लालः यही बात तो आपको दूखती है ? (व्यवधान)

श्री भाम ोर सिंहः किसान के लिये सरकार ने कुछ नही किया और किसान दूसरे लोगों की आंखों मे कांटे की तरह चुभता है।

चौधरी लाल सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर । मैं अपने दोस्त को बताना चाहता हूं जो कुछ जनता सरकार ने

जमींदारों के लिये किया है भाायद ही किसी दूसरी सरकार ने किया हो। पिछली सरकार ने किसानो के ऊपर टैक्स लगाया था लेकिन जनता सरकार ने आते ही वह टैक्स मुआफ कर दिया।

श्री भाम ोर सिंहः चेयरमैन साहब, मैं कह रहा था कि सामाजिक तौर पर किसान एक प्रिविलेज्ड सैक ान है लेकिन यह सैक ान सामज की मेन स्ट्रीम से कटआफ हो गया है।

श्री सभापतिः अब आप वाइंड अप करें।

श्री भाम ोर सिंहः चेयरमैन साहब, बजट मे इस बात का जिक्र किया गया हे कि हरियाणा की जनता आर्थिक और सामजिक न्याय से पीड़ित है और सहायता के लिये पुकार रही है। चेयरमैन साहब, वित्त मंत्री साहब श्री मूल चंद जैन को मैं जाती तौर पर जानता हूं, ये बड़े प्रोग्रैसिव और सामाजवादी विचारधारा के व्यक्ति है। चेयरमैन साहब, मैं आपके माध्यम से इनसे एक सवाल करना चाहता हूं। सरकार ने लिखा है कि जनता सामाजिक और आर्थिक न्याय के लिये पुकार रही है, क्या इससे यह जाहिर नही होता कि जनता, पार्टी को पुकार रही है कि हमे न्याय दो। अगर जनता पार्टी को जनता पुकार रही है, तो मैं पूछना चाहता हूं कि सरकारने हरियाणा के लोगो पर बस का किराया बढ़ा दिया है, उनको न्याय नही दे सकी। आज हरियाणा की बस सर्विस हिन्दुस्तान मे तो क्या, सारी दुनियां से वर्स्ट है, मैं यह बात जाति तजुर्बे के साथ कह रहा हूं, मैं बसों मे सफर करता हूं। छोटे से

छोटे डिस्ट्रिक्ट मे भी बस अपने डैस्टिने ान पर नही पहुंचती, पहुंचने से पहले कम से कम दो तीन बार ब्रेक डाउन होता है। तब कहीं जाकर पहुंचती है और यात्रियों को बड़ी कठिनाई का सामना करना पड़ता है। इतनी रद्दी और इन एफि ाएंट बस सर्विस हरियाणा की है जिसका तोफा साढ़े 12 परसैंट बस भाड़े मे वृद्धि करके दिया है। छोटे तबके के लोग बसों मे सफर करते है, उनको यह तोहफा दिया है। हलवाई लोग जो सुबह से लेकर रात के 12 बजे तक भट्ठी के सामने तपते है, उनकी 40 हजार से जयादा सेल पर सरकार ने टैक्स लगा दिया है। क्या हरियाणा सरकार यह समझती है कि हलवाई बहुत अमीर तबका है? चेयरमैन साहब, इन्होंने बजट प्रपोजल्ज मे करियाना का काम करने वाले हमारे जो व्यापारी है उनकी टैक्स की लिमिट 40 हजार रूपये से रेज करके 1 लाख रूपये कर दी है। मैं इससे गुरेज नही करता लेकिन दुख की बात यह है कि उनसे भी ज्यादा गरीब और पीड़ित जो वर्ग है, हलवाई, चाय या इसी तरह का दूसरा करने वालो का, उन पर बहुत ज्यादा टैक्स लगायेंगे।

श्री मूल चंद जैनः चेयरमैन साहब, इनसे यह पूछा जाये कि वह टैक्स हलवाई पर है या कंज्यूमर्ज पर है ?

श्री भाम ोर सिंहः चेयरमैन साहब, कहने को तो टैक्स कज्यूमर्ज के ऊपर है लेकिन असल बात यह है कि दुकानदार को इससे बिजनैस मे बहुत बड़ा सैट बैक होता है। इस पे ो मे

मार्किट मे कम्पीटी ान इतना ज्यादा है कि उसको टैक्स मिलने का सवाल ही नही है।

चेयरमैन साहब, रहन और बै की जो रजिस्ट्रिया होती भी इन्होंने 25 परसैंट टैक्स लगाया है। चेयरमैन साहब, रहन और बै आदि की रजिस्ट्रियां चूंकि ज्यादातर छोटे छोटे किसान और दूसरे लोग कराते है इसलिये यह टैक्स बढ़ाया जाना उनके साथ अन्याय है। चेयरमैन साहब, यही नही, सीमेंट जैसी आम इस्तेमाल की चीजों के ऊपर भी, जिसका कंट्रोल टैक्स लगाएंगे। इससे हरियाणा मे मकान आदि बनाने की जो ऐक्टिविटी है उसको बड़ी भारी सैट बैक पहुंचेगा।

चेयरमैन साहब, खेती बाड़ी का जहां तक संबंध है, उसके बारे मे अर्ज यह है कि सवा छः एकड़ से फालतू जो जमीन है उसके ऊपर इन्होंने सवा तेतीस परसैंट टैक्स लगाया है। यह भी बड़ी ज्यादती वाली बात है। (विघ्न) किसी प्रकार की जस्टिफिके ान इसकी नही है।

श्री सभापतिः अब आप वाईंड अप कीजिए।

श्री भाम ोर सिंहः चेयरमैन साहब, मैं स्पीकर साहब से मिल था। उन्होंने यह कहा था कि मुझे ज्यादा टाईम दे दिया जायेगा क्योंकि अपोजि ान के बाकी साथियों को ज्यादा टाईम नही मिला है। (विघ्न)

श्री सभापतिः आपको काफी टाईम मिल रहा है। अब आप कृपया वाईंड अप कीजिए।

श्री भाम ोर सिंहः चेयरमैन साहब, नहरी पानी के ऊपर भी जो टैक्स लगा है उसकी भी कोई जस्टिफिके ान नही है। जब हर सरकार पंजाब से पानी लेकर नही आती है और हरियाणा के किसान को पूरा पानी नही मिलता है तब तक आबियाना बढ़ाने का कोई सवाल ही नही है।

सभापति जी, मैं एक बात ओर कह कर अपना स्थान ग्रहण कर लूंगा। आज हरियाणा मे ला एडं आर्डर की पोजी ान बड़ी खराब है। मैं असैंबली मे कल दिये गये एक प्र न के उत्तर मे रैफर करना चाहूंगा । चेयरमैन साहब, इसमे 1–4–78 से 31–1–79 तक की और 1–4–76 से 31–1–77 तक की ला एंड आर्डर की पोजी ान का मुकाबला किया गया है। कत्ल जो है वे 147 पहले पीरियड मे थे और अब 247 हुए है। कहने का मतलब है कि 100 ज्यादा हुए है। इसी तरह से इरादा कत्ल के 103, रायटिंग के 130 रौबरी के 14, डकैती के 30, चोरियों के 1600 और किडनैपिंग के 80 केसिज ज्यादा है। इसी तरह से हरिजनों के ऊपर अत्याचारों की फिगर जो इन्होंने असैंबली क्वै चन मे जवाब मे एक साल की दी है वह 63 है। इनमें से तीन केसिज मे कत्ल हुए, 10 मे रेप हुए, 4 आर्सन के है, 1 ग्रिवियस हर्ट का है, 18 असौल्ट के है, किडनैपिंग के 9 है, इव टीजिंग के 19 है और अनटचेबिलिटी के 4 है। यही नही 11 आदमी और भी पुलिस के

अत्याचार के ि ाकार हुए है । 7 आदमी तो पुलिस की गोलियों से मारे गये और 4 आदमी जख्मी हुए। इसके अलावा चेयरमेन साहब, मैं तीन चार बातों का और जिक्र करना चाहता हूं। अम्बाला भाहर के हरि मंदिर के पास रहने वाली एक विधवा श्रीमती भाान्ती देवी के घर पर 4 मार्च 1979 को डाका पड़ा,उसका रेप किया गय और कत्ल किया गया। लेकिन आज तक मुलजिम का पता नही लगा। इसी तरह से अलीपुर गांव, जो उचाना मे है, मे भी 17—2—79 को डाका पड़ा। 40 हजार रूपये का धन गया लेकिन मुजलिम पकड़े जाने के के बाद भी पुलिस ने छोड़ दिये। घरौंडा मे भी पिछले महीने के आखिर मे एक डाका पड़ा था लेकिन आज तक उसमे भी कोई मुलजिम गिरफतार नही हुआ। इसी प्रकार बेरी मे, आपने अखबार मे पढ़ा होगा, हरिजनों पर गैर हरिजनों ने किस तरह हमले किये। ईंटो और हथियारो का इस्तेमाल किया गया। इस तरह के हमले निहायत भार्मनाक है और ये चेतावनी देते है कि इनका प्रबंध बहुत जल्दी से जल्दी होना चाहए। 15 मार्च को कुरूक्षेत्र के एक ही इंसिडैंस मे 6 आदमियो का कत्ल कर दियसाग या जिसमे एक बाप और उसके तीन लड़कें भी भाामिल थे। 16 मार्च को डाक्टरों ने काले बिल्ले लगा कर प्रोटैक्ट किया और कहा कि उनके बीवी बच्चो की जान सुरक्षित नही है। कालनवाली, किलोई, फरीदाबाद, खेड़ी कलां, मदीना और झज्जर मे डाक्टरों के ऊपर हमले हुए । नोलथा मे दो नन्हें बच्चों का कत्ल किया गया । पुलिस मे केस दर्ज हुआ है। लेकिन पुलिस ने असली मुजलिम को कुछ नही कहा लेकिन दूसरे लोगो पर रूपया

ऐंठने के लिये जुल्म करने भुरू कर दिये। मेरे पास सारे गांव के लोगों, पंचों और सरपंचों की दरख्वास्त मौजूद है। इसमे कहा गया है कि पुलिस इस घोटाले मे भागिल है। जगाधरी मे गांव मौथूवाला के बारू राम हरिजन को एक बिस्वेदार ने मार दिया लेकिन मुलजिम का पता होने के बावजूद भी आज तक कोई मुकदमा दर्ज नही किया गया। पानीपत के पास चार मजारों को न केवल बेदखल कर दिया गया बल्कि उनका कत्ल कर दिया गया। यह पुलिस की भाह से हुआ। इस बाम का सबूत मौजूद हैकं इसके अलावा चेयरमैन साहब, आपने देखा कि पिछले दो साल मे कितनी बार ट्रैफिक जाम हुआ। जरा सी बात के ऊपर बस और गाड़ियां सड़क के ऊपर खड़ी कर दी जाती है। ऐसा लगता है कि सरकार का किसी तरह का कोई कंट्रोल नही है। चेयरमैन साहब, हरिजनो पर कारखाने के मजदूरों पर, विद्यार्थियों पर और सरकारी कर्मचारियो पर दफा 144 लगा करके अत्याचार किये जा रहे है। फरीदाबाद और दूसरी जगहों मे कारखानेदारों से मिल कर हजारों की संख्या मे मजदूरों की छांटी की गई । आज बड़ा रिप्रै ान का वातारण सारे हरियाणा के अंदर बना हुआ है।

Mr. Chairman: Please sit down. Your time is over. Chaudhri Shiv Ram Verma.

श्री भाम ोर सिंहः चेयरमैन साहब, मैं अपनी बात खत्म करना चाहता हूं और इंडस्ट्रीज डिपार्टमैंट के बारे मे भी केवल एक बात कहना चाहता हूं।

Mr. Chairman: No please. Your time is over. Please take your seat now.

चौधरी ि ाव राम वर्मा (नीलोखेड़ी): चेयरमैन साहब, दो दिन से 1979–80 के बजट प्रस्तावों पर चर्चा चल रही है। इसके बारे मे मैं भी थोड़ा सा कहना चाहूंगा। विरोधी पक्ष के बारे मे हमारे साथी यह समझते है कि वह भी सरकार की तारीफ करे, लेकिन मैं समझता हूं कि यह गलत बात है। हम क्यों इनकी राह देखे कि ये हमारी तारीफ करे। हमें तो अपना काम अपने आप देखना चाहिए। अगर ठीक हे तो ठीक है लेकिन अगर किसी काम को कोई गलत बताता है तो उसे हमें सुधारने का प्रयत्न करना चाहिए।

वाक आउट

श्री भाम ोर सिंहः चेयरमैन साहब, स्पीकर साहब से हमारा यह फैसला हुआ था कि चूंकि हम पहले दिनों मे नही बोले है इसलिये हमारे साथियों को बोलने का ज्यादा मौका दिया जायेगा। अगर इस त4रह से हमें पूरी बात भी नही कहने दी जाती तो as a protest we walk out of the House.

(At this stage Sarvshri Shamsher Singh, Jagjit SinghPohloo, Dalip Singh Surender Singh and Narain Singh staged a walk out.)

वर्श 1979–80 के बजट पर आम चर्चा (पुनरारम्भ)

चौधरी भिाव राम वर्मा: चेयरमैन साहब, सात तारीख को, जिस दिन वित्त मंत्री जी का बजट भाशण हुआ था, सदन मे अपने ही सदस्यों की ओर से ऐसा वातावरण पैदा हो गया था, जो हमें भाोभा नही देता था, परंतु उन सदस्यों के बारे मे मैं यह समझता हूं कोइ यह कह सकता है कि वे नए थे, जो ा मे थे क्योंकि नौजवान थे, लेकिनल हमारे वित्त मंत्री जी ने जिस ढंग से अपनी बात कही और उन नौजवान साथियों को कुलक कह कर पुकारा वह भी कोई अच्छी बात नही थी। वे तो पुराने आदमी है, पुराने लैजिसलेटर है और उमर मे भी काफी बड़े है। इन्हें तो संभल कर बात करनी चाहिए थी। कुलक किस को कहते है मैं यह नही समझ पाया हूं। उनको इस भाब्द के बारे मे स्पश्टीकरण करना चाहिए कि वे इस को कहां से लाये है ? कुलकर क्या होते है और इस समय हरियाणा मे कितने कुलक है। वे इस समय इस स्थिति मे हे कि हर प्रकार की जानकारी प्राप्त करके बता सकते है। वे चिड़ कर कर रहे है मुझे एंटी किसान कहा गया है इसलिये मैंने कुलक कहा हे तो मैं इसको ठीक नही समझता । वे आज किसान को कुलक कहते है ? यदि उन पर एंटी किसान का दोश लगाया गया हे तो वे ये भाब्द कह कर साबित करना चाहते है कि वे एंटी किसान है। किसानो के बारे मे ऐसा कहना कोई अच्छी बात नही हैं आज तक सब से ज्यादा किसान को ही रगड़ा गया है और किसान ही आज सब से गरीब हालत मे है। जब जमीन पर सीलिंग हो गई कि कोई भी किसान 18 एकड़ से ज्यादा नही रख सकता हे तो फिर वह बड़ा जमींदार कैसे रह गया? कानून के

अंदर उसकी जमीन आ गई हे और वह आज उसके पास से नही निकली है तो कल को निकलने वाली है, उसको बड़ा जमींदार कैसे कह सकते है? इसलिये वित्त मंत्री जी की भावना किसानो के प्रति ठीक होनी चाहिएं उनको किसानो की स्थिति को समझना चाहिए। किसानो की स्थिति को समझे बिना हरियाणा का भला नही हो सकता। हरियाणा मे 70 परसैंअ से अधिक लोग कृशि पर गुजारा करते है। कई किसान भाई तो ऐसे है जिनके पास एक एक एकड़ जमीन है। कुछ लोग जो 18 और 20 एकड़ जमीन के मालिक है, वे भी बड़े जमींदार नही हो सकते। अगर हम किसान का भला करते है तो सारे हरियाणा का भला करते है। किसान की जेब मे पैसा जायेगा तो सारे वर्ग के लोगो कमे बंट जायेगा अगर किसान के पास पैसा नही है तो सारा हरियाणा गरीब रहेगा। हम चाहे कितनी ही योजनायें बना लें किसान का भला होने वाला नही हैं किसान की हालत को समझना बहुत आव यक है। मैं यह बात पहले भी कहा करता था और यह बात सब के सामने भी है कि सरकार दो बातें किसानों के लिये कर दे तो उनका भला हो सकता हैं एक तो उनके खेत पानी से भलें नही और दूसरे पानी बिना खेत सूखें नही। ये दोनो बातें हो जाये तो किसान इतना अनाज पैदा कर देगा कि बाहर के दे ाों से मंगाने की बजाए बाहर भेजना भाुरू कर देंगे मैं पहले भी यह बात कहता रहा हूं लेकिन पिछले कई साल मे मेरी बात सुनी नही गई। पहले इन दोनो चीजों का प्रबंध करना तो बड़ा भारी प्रोग्राम बताया जाता रहा हैं पिछली सरकार इस बारे कहती रही थी कि इसको कैसे

किया जा सकता है, यह कुदरत की बात है कि बाढ़ आ गई या सुखा पड़ गया लेकिन मैं कहता रहा हूं कि सरकार करे तो काफी कुछ किया जा सकता हैं मैं यह कहे बगैर नही रह सकता कि अब सरकार ने काफी योजनाबद्ध तरीके से काम करना आरम्भ किया है। बाढ़ नियंत्रण का काम पिछली सरकार ने उतना तीस साल मे नही किया जितना जनता सरकार ने पिछले दो सालों मे किया है। इस तरह से काम करने पर सरकार की नियत का पता लगता है कि सरकार इदस दि ाा मे प्यत्न कर रही है कि बाढ़ न आये। अगर फिर भी बाढ़ा आती है तो बेबसी की बात है। इसका पूरा प्रबध करने मे समय तो लगेगा ही परंतु रास्ता ठीक पकड़ा है।

इसके साथ साथ मैं यह भी कहूंगा कि जहां पर बाढ़ आ गई थी वहां पर बाढ़ को रोकने के लिये तुरंत कदम उठाये गये । वहां लोगों को उचित सहायता भी सरकार की तरफ से भाीर्घता से दी गई। जिसकी सहायता इस सरकार के टाईम पर दी गई है इतनी पहले कभी नही दी गई। इस बात को सभी मानेंगे चाहे वे विरोधी पक्ष के भाई है या सरकार के पक्ष के है। मैं यह बात पहले भी कहता रहा हूं कि जिस तरह से पहले सरकार प्रबंध करती थी उस तरह से लोगा का भला नही हो सकता था। हर साल बाढ़ आ जाती थी और छः महीने के प चात् चार चार धड़ी अनाज बांट दिया जाता और चालीस रूपये बाढ़ के नाम से मकान मुरम्मत के लिये दे दिये जाते थे। इस तरह से हर साल सरकार का काफी रूपया खर्च हो जाता था । जनता सरकार के आने के

प चात् तुरींत बाढ़ के पानी को निकालने का प्रबंध किया गया ओर जो जमीन बाढ़ के कारण खराब हो गई थी उसको तुरंत ठीक करवाया गयाचाहे वह ट्रैक्टर भेज कर किया या किसी अन्य तरीके से किया । सारी जमीन को ठीक करके बीजाई की। यह इससे साफ जाहिर है कि बाढ़ आने के बाद भी हरियाणा मे पैदावार बढ़ी है क्योंकि सरकान ने भीघ्रता से कदम उठाये औरजमीन को ठीक करवाया ताकि लोग बीजाई समय पर कर सकें।

चेयरमैन साहब, बाढ़ नियंत्रण की जितनी परियोजनायें जनता सरकार के आने के बाद अगले वर्शो के लिये बनाई गबई है वह भी किसी से छुपी हुई नही है। मैंने पहले वाली सरकार के समय पर यह कहा था कि सारे हरियाणा के बारे मे बाढ़ नियंत्रण का एक बार प्रोग्राम बना ले फिर आहिस्ता आहिस्ता काम करते चले जाये लेकिन उस सरकार ने इस बात पर पूरी तरह से ध्यान नही दिया। जनता सरकारने 138 करोड़ रूप्ये की योजना बनाई हैं उसमे अगले वर्श के लिये चालीस करोड़ की योजना बनाई है। इस बारे मे मैं निवेदन करूंगा कि इस बारे मे चौकस रहना आव यक है क्योंकि इसमे से कुछ रूप्या इधर उधर हो सकता है, गलत जगह पर ड्रेने बनाई जा सकती है। कहीं पर ऊंची जमीन से भी ड्रेन निकाली जा सकती है, इस किस्म की हेराफेरी हो सकती हैं पिछले दिनों एक क्वै चन के जवाब मे सिंचाई मंत्री जी ने कहा था कि रेअर केसिज मे ऊंची जगह से भी ड्रेन निकाली जा

सकती है। इस बारे मे मेरा निवेदन हे कि सरकार एक असूल बना ले कि जहां से पानी का कुदरती बहाव है वहां से ही ड्रेन को निकाला जाये चाहे किसी की कितनी ही भूमि आये। ऐसा करने से कोई झगड़ा नही हो सकता। अगर ऐसा नही कियाग या तो जो लोग ऐजैंट बने फिरते है, कुछ वकील भी है, वे दूसरे लोगो को उकसा कर कहेंगे कि मैं इस ड्रेन को वहां की बजाए यहां से निकलवा दूंगा। इस तरह से लोगो के साथ हेराफेरी करेंगे। इसलिये इन ठेकेदारो को खत्म करने के लिये एक असूल बना ले कि जहां से पानी का बहाव हो, वहां से ही ड्रेन बनाई जाये चाहे कोई कितना ही एतराज करे। ऐसा करने से पानी निकालने की समस्या हल हो जायेगी और ड्रेन भी खराब नही होगी। दूसरे भ्रश्टाचार भी खत्म हो जायेगा। इस तरह से अगर बाढ़ नियंत्रण का काम सरकार ने किया जात उसके लिये सभी लोग सरकार को बधाई देंगे।

चेयरमैन साहब, ओलावृश्टि से भी किसानो को बहु हानि हुई है उसके लिये भी सरकार भीघ्रता से सहायता के लिये आई है। मैंने सदन मे मांग की थी कि सरकार को उन्हें जल्दी से जल्दी मुआवजा देने का प्रयत्न करना चाहिए क्योंकि किसानों पर पहले से जो कर्जा हे जब तक वह वापिस नही किया जायेगा तब तक आगे कर्जा नही मिलेगा इसलिये जितनी जल्दी से जल्दी उनकी सहायता की जा सके करनी चाहिए ताकि लोग अपने पैरो पर खड़े हो सके और अगली फसल की बीजाई कर सके।

चेयरमैन साहब, जनता सरकार के आने के बाद छोटे किसानो को भी राहत देने का प्रयत्न किया गया है। छोटे किसानों का सवा छः एकड़ तक का मालिया सरकार ने माफ किया है, यह बहुत ही अच्छा कदम उठाया है। ट्रैक्टरों पर टोकन टैक्स माफ कर दिया, बिजली के फलैट रेट कर दिये और बैंकों के जो कर्जे की ब्याज दर थी वह 14 प्रति ात से घटाकर 11 प्रति ात कर दी है। यह बहुत ही अच्छे कदम सरकार ने उठाये है। लेकिन बिजली की फलैट रेट के बारे मे मैं यह कहना चाहूंगा कि 20 रूपये जो प्रति हौर्स पावर का फलैट रेट लेते है, यह बहुत ज्यादा लगता है। इसलिये इसको 12 रूपये प्रति हौर्स पावर कर दिया जाये तो ज्यादा अच्छा रहेगा। अब मैं सरकार को कुछ सुझाव भी देना चाहता हूं क्योंकि मैं समझता हूं कि मैं जल्दी जल्दी समाप्त करूं, और सदस्यों ने भी बोलना है। मैं यह कहना चाहता हूं कि जो ट्रैक्टरों के मूल्य है, वे बहुत ज्यादा है। पहले के मुकाबले अब वे कम से कम दुगने हो गये है। पहले ट्रैक्टर 22 हजार मे मिलता था वह अब 45,60 हजार मे मिलता है। जो दरमियाने ट्रैक्टर या छोटे दरमियाने ट्रैक्टर है, उनको हमें किसान को मुहैया करवाने का प्रयत्न करना चाहिए। जो दो रि ायन ट्रैक्टर एक तो बाई लार्स ओर दूसरा डी.टी. 14 है, इनमे से डी.टी. 14 ट्रैक्टर तो जो बिल्कुल छोटे किसान है उनके लिये ओर जो बाई लार्स ट्रैक्टर है, यह मीडियम किसान के लिये मंगवाने के लिये हमारी सरकार को भारत सरकार से आग्रह करना चाहिए ताकि खेती का काम अच्छी तरह से हो सके। आज किसान यह समझता है कि हल से जोतना

इतना सफल नही है। वह यह समझता है कि बैलों के हल से खेती पूरी सफलता से नही की जा सकती। मैं इस बारे मे एक और समस्या जो आम तौर पर किसानों को आती है, वह बताना चाहता हूं। वह यह है कि कृशि मजदूर समय पर नही मिलते। बहुत मु ाकल रहती है। किसानो को जब जरूरत होती है, उन्हें मजदूर नही मिलते। इसलिये मेरा कहना यह है कि कम्बाईन थ्रै ार्ज का भी जितना ज्यादा से ज्यादा और तरीके से मंगाये, लेकिन मेरा कहना यह है कि किसानो की दिक्कत को दूर करने के लिये कम्बाईन थ्रै ार्ज ज्यादा से ज्यादा मंगाये जाये। फसल पैदा होने के बाद एक दाना भी खराब न हो, इसके लिये यह जरूरी है कि कम्बाईन थ्रै ार्ज हो। जब फसल पुराने ढंग से ही काटकर उसको गाहते है तो इस के मुकाबले कम्बाईन थ्रै ार्ज से प्रति एकड़ एक क्विंटल या दो क्विंटल के करीब फसल ज्यादा निकलती है। एक दाना भी बेकार नही जाता। भूसे के अरेंजमैंट के लिये हरे चारे का प्रबंध हो सकता है। साईंसदान भी यह कहते है कि जानवरों के लिये भेसा नही हरा चारा बारह मास मिलना चाहिए। इसके अलावा एक सुझाव मै और देना चाहूंगा। अपने भूमि के ऊपर की सीलिंग तो कर दी लेकिन अनुत्पादक जोत के बोर मे अभी तक हमने विचार नही किया। कम से कम गुजारे के लिये कितनी जमीन एक व्यक्ति के पास होनी चाहिए, इस बारे मे मैं यह सुझाव दूंगा कि 4 हैक्टेयर तक की जोत उचित है। अगर किसी व्यक्ति क`पास इससे कम जमीन हो तो उसका आगे के लिये बंटवारा समाप्त किया

जोयं यह बात इस नयी सरकार को तो कम से कम चोचनी चाहिए। हम आज तकसीम पर तकसीम करते जा रहे है। एक किल्ला अगर किसी के पास है ओरउसके दो लड़के है तो आधा आधा किल्ला बंटता है, अगर चार लड़के है तो एक चौभाई होगा। इस छौटे से जमीन के टुकड़े से किसी का भी गुजारा नही होता । मैं यह चाहूंग कि 4 हैक्टेयर के बारे किसी भी तरह से उसके टुकड़े नही किये जाये। अगर किसी के चार लड़के है और उसके पास 4 हैक्टेयर जमीन है तो एक लड़के को जमीन देकर बाकी के लड़को को सरकार जैसे फैक्ट्रियां लगा रहा है, उनके लिये इस प्रकार का कोई न कोई रोजगार का प्रबंध किया जाये। आप देखिये, आजकल हो क्या रहा है कि 4 हैक्टेयर से कम जमीन वालो का गुजारा नही हो रहा है।

श्री सभापतिः अब आप वाइंड अप कीजिये। आपने काफी समय ले लिया है।

चौधरी ि ाव राम वर्माः मैं तो सभापति जी, पहले ही जल्दी जल्दी कर रहा हूं। मैं यह भी कहना चाहूंगा कि लड़कियो का हिस्सा उनके बाप की जायदाद मे से नही, उसके पति की जायदाद मे से होना चाहिए। इसके गांव मे बहुत से झगड़े समाप्त होंगे। आज सारे के सारे किसान इस बात का इंतजार कर रहे है कि कब यह सरकार घोशणा करेगी कि इस किस्म का कानून बन गया है। मैं सरकार से यह प्रार्थना करना चाहूंगा कि सरकार किसानो के भले के लिये बहुत ठीक से काम कर रही है, इसलिये

इस तरफ भी सरकार के भले के लिये बहुत ठीक से काम कर रही है, इसलिये इस तरफ भी सरकार को गोर करना चाहिए । एक बात ओर मैं सरकार का और ध्यान दिलाना चाहता हूं। मैं सरकार से यह कहना चाहता हूं कि किसानों की उपज का उचित भाव आज तक भी उन्हे नही मिला। दूसरे लोगो के बारे मे तो मैं कुछ कहूं तो अच्छा नही लगता लेकिन एक किसान ही ऐसा वर्ग है जो न तो अपनी चीज का उचित भाव ले सकता है और न ही जो चीज वह खरीदता है उसका भाव वह कम करवा सकता है । दोनो तरफ से वह पिस रहा है। इसलिये सरकार को किसान को उसकी उपज का उचित भाव दिलाने के लिये प्रयत्न करना चाहिए। पिछले सै ान मे जब असैंबली का सै ान हुआ था, तो मेरेा एक प्र न का उत्तर मे सरकार की ओर से यहां पर यह बताया गया था कि गेहूं की लागत खर्च पिछले साल 1978 मे 127 रूपये 50 पैसे निकलता था। सरकार आज भी किसानों को उसकी उपज का मूल्य जो दे रही है वह 112 रूपये 50 पैसे है। अगर हम इस 112 रूपये 50 पैसे के मूल्य को ऐसा मूल्य मान ले जो कि सब किसानों को मिल जाता है तो भी उसको 15 रूपये क्विंटल का घाटा है। इसके अलावा उसको गुजारा चलाने के लिये कम से कम 10 प्रति ात और ज्यादा मिलना चाहिए था। मेर कहने का मतलब यह है कि उसको 140 रूपये प्रति क्विंटल मिलना चाहिए था। अगर हम उसे 140 रूपये का भाव कम से कम दिलवाये तो उसका कुछ भला हो सकता है। यह जितने टैक्स आप लगाते हो, यह इनडायरैक्टली किसान के ऊपर ही तो पड़ते है। क्येांकि वह अपनी

जिंस का ज्यादा भाव ले नही सकता ओर जो चीज वह खरीदता है उसका वह कम भाव करवा नही सकता। पिछले दिनो सन् 1973 मे चौधरी देवी लाल जी के नेतृत्व मे हमने एक आंदोलन किया था और इस वजह से हम कई बार जेलो मे भी गये हैं उस समय उस आंदोलन के कारण अगले साल कुछ भाव बढ़ाया गया था। गेहूं का कुछ भाव बढ़ने की वजह से उन्हें कुछ फायदा भी हुआ था। लेकिन उसके एकदम बाद खाद के भाव बढ़ गये। पहले जो यूरिया का एक बैग 53 रूपये का था वह एकदम बढ़कर 104 रूपये का हो गया इसी तरह से डी.ए.पी. का कट्टा जो पहले 66 रूपये का आता था वह भी 152 रूपये का हो गया। इधर उसकी फसल 105 रूपये क्विंटल बिकी थी तो उसको खाद के भाव भी बहुत ज्यादा देने पड़ गये थे। एक तरफ से जो उन्हें राहत दी गयी थी, वह दूसरी तरफ से निकाल ली गयी। इसलिये मैं यह कहना चाहता हूं कि किसान को आत भ लाभकारी मूल्य नही मिल पा रहा है। इसका कारण मैं यह समझता हूं कि हमारा नेतुत्व कमजोर हैं वे बेचारा घाटा खाते हुए भी पैदा करता रहता है। कभी हड़ताल नही करता, कभी बंद नही करता। अगर वह बोना बंद कर दे तो फिर खाने के लिये, उसके अपने गुजारे के लिये भी उसके पास गुंजाइ ा नही है। मैं चौधरी देवी लाल जी को वह दिन याद दिलाना चाहता हूं जब हम जेलो मे थे और वे सी क्लास मे भी रहे है। सरदार प्रका ा सिंह बादल जो आज पंजाब के मुख्य मंत्री है वे भी जेलों मे रहे है और चौधरी चरण सिंह भी केंद्र मे वित्त मंत्री है। यदि अब किसान को लाभदायक भाव न मिले तो कब

मिल पायेंगे ? मैं सरकार से किसानों के लिये कोई अन्यायोचित बात नही मांग रहा हूं। मैं तो यह कह रहा हूं कि किसानो को न्याय दिलाया जाये। जो उनका अधिकार है। वह उन्हें मिलना चाहिए। इसलिये आपको लड़ाई करनी चाहिए, नही तो किसान की हालता बुरी से बदत्तर होती जायेगी। मैं आपको एक सुझाव और रखना चाहता हूं कि किसान जो खेत मे बसना चाहते है, उनके लिये मकान बनाने के लिये बिना ब्याज के कर्जा दिया जाये। जो खेत मे किसान रहते है, उसकी ज्यादा नही तो सवाई पैदावार हो सकती है। 20–25 प्रति ात तक तो डैफिनेट बढ़ सकती है। इसलिये सरकार से मैं यह निवेदन करूंगा कि आवास की समस्या को गांवों मे हल करने के लिये किसानो को जो खेत मे रहना चाहते है, उनको वहां पर मकान बनाने के लिये बिना ब्याज के ऋण दिया जाये। इससे एक तो आवास की समस्या खत्म होगी और दूसरे पैदावार बढ़ेगी। अगर बहुत से किसान खेतों मे जा बसेंगे तो आपको तथा दे ा को इस तरह से दो दो फायदे है।

श्री सभापतिः अब आप वाइंड अप कीजिये।

चौधरी ि ाव राम वर्माः मैंने तो अभी कुछ ही मिनट बोला हूं। मुझे कृप्या और बोल लेने दीजिये।

श्री सभापतिः आपको बोलते हुए 25 मिनट हो चुके है। (व्यवधान व भाोर)

चौधरी ि ाव राम वर्मा: इसलिये जो लोग खेती पर बैठे हुए उनको सरकार वि ोश ध्यान रखे। उनको बिना ब्याज के कर्जा दिया जाये। वह पेसा आपको अव य मिलेगा क्योंकि जिसके पास दो एकड़ जमीन भी हे वह पैसा वापिस आने मे कोई कठिनाई नही है। सरकार का पेसा मरेगा नही। चेयरमैन साहब, आपने देखा होगा कि कभी बाढ़ आ जाती है, कभी ओले पड़ जाते है और कभी किसी और तरह का नुक्सान हो जाता है। इसलिये मेरा सरकार को सुझाव है कि सरकार कृशि के लिये नुक्सान हो जाता है। इसलिये मेरा सरकार से सुझाव है कि सरकार कृशि के लिये बीमा योजना लागू करे। जिस तरह एक अभूतपूर्व ढंग से इस समय सरकार ने ओलो से फसल नश्ट होने पर 100, 200, 300 रूपये प्रति एकड़ सहायता किसान को देने की घोशणा की है जिसका एक हजार या आठ सौ रूपये का नुक्सान हो गया उसको सरकार तीन सौ रूपया दे देगी तो इससे किसान की पूरी सहायता होकर उसे संभलने का अवसर तो मिलेगा परंतु इस प्रकार उसकी हालत पूरी तरह से सुधरेगी नही। अपनी हालत किसान खुद सुधारने की कोि ा ा तो करता है लेकिन जितनी सुधरनी चाहिए उतनी नही सुधरती है। अगर सरकार वाकई उनकी हालत सुधारना चाहती है। तो बीमा योजना लागू करे। चेयरमैन साहब, मैं एक बात और कहना चाहता हूं और वह यह है कि अब तक जो रिजर्वे ान है यह जात पात के आधार पर है उसकी वजाये जात पात के आधार बदलकर आर्थिक आधार पर किया जाये। इससे जातपात का नाम भी मिटेगा और चाहे किसी भी वर्ग के कमजोर

लोग होंगे उनकी सहायता हो सकेगी। इसलिये मेरी सरकार से प्रार्थना है कि वह चार या पांच हजार रूपये प्रति वर्श आय की कोई सीमा निर्धारित कर दे कि जिन लोगों की आमदनी इतने से कम होगी उनको नौकरियों मे रिजर्वे ान दिया जायेगा तथा अन्य प्रकार की सुविधायें दी जायेगी। इससे हर गरीब आदमी का भला होगां चेयरमैन साहब, मैं एक और बात कहना चाहता हूं। एक तो सरकार ने भूमि कर बढ़ाया है उसको समाप्त करना चाहिए। इस बारे मे विचार भी नही आना चाहिए। मैं चौधरी देवी लाल जी को याद दिलाना चाहता हूं कि एक बार कांग्रेस की सरकार ने इसको बढ़ाने की बात की थी तो उस समय इसके खिलाफ आंदोलन करने की बात सोची गई थी। अगर हम इसको बढ़ाते है तो यह उचित बात नही है और लोग कहेंगे के पहले तो इस बढ़ौतरी के खिलाफ आंदोलन करते थे और अब खुद ही उस टैक्स को बढ़ा रहे हैं दूसरा टैक्स इस सरकार ने आबियाने पर बढ़ाया है। पता नही कि हमारे वित्त मंत्री श्री मूल चंद जैन किस लाइन परसोचते है। 1967 मे ये वित्त मंत्री बने थे और उस समय भी आबियाना बढ़ाने का प्रस्ताव लाए थे। उस वक्त भी उनको बताया गया था कि किसानो की हालत को समझिये और किसान के ऊपर टैक्स नही लगाना चाहिए। आप जो टैक्स किसान पर लगायेंगे वह किसान को ही देना पड़ेगा। वह किसी दूसरे से वसूल नही कर सकता। अगर आप किसी दूसरे पर टैक्स लगायेंगे तो वह दूसरे पर पड़ता है लेकिन किसान पर लगाया हुआ टैक्स किसान को ही देना पड़ता है। हलवाइयों पर जो टैक्स आपने लगाया है वह तो

अपने ग्राहकों से वसूल कर लेगा। चेयरमैन साहब, मैं आपको इसकी मिसाल देना चाहता हूं । एक दफा एक आदमी एक हलवाई के पास लड्डू खरीदने गयां उस हलवाई ने कहा कि भई अपना पल्ला फला । ग्राहक ने कहा कि मेरा कपड़ा चिकना हो जायेगा। हलवाई कहने लगा कि अगर तेरा कपड़ा ही चिकना होने लगा तो फिर मैंने क्या कमाया। मतलब यह है कि हलवाई ने निरी खांड लपेट रखी थी। चेयरमैन साहब, मेरा कहने का मतलब यह है कि हलवाई तो उस टैक्स को ग्राहक से पूरा कर लेगा। वह घी कम लगायेगा या घटिया घी लगायेगा, चीनी ज्यादा लगा देगा लेकिन किसान के ऊपर लगा टैक्स तो किसान को ही देना पड़ेगा।

श्री सभापतिः वर्मा जी आपको बहुत समय हो गया है। अब आप खत्म करे।

चौधरी ि ाव राम वर्माः चेयरमैन साहब, अब मैं ि ाखा के बारे मे कहना चाहता हूं । ि ाक्षा मिडिल स्कूल और हाई स्कूल तक तो ि ाघ्रता से बढ़ानी चाहिए और खास तौर से लड़कियों की ि ाक्षा को खूब बढ़ाना चाहिए। तकनीकि ि ाक्षा को भी काफी प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए। इस समय जहां पर भी तकनीकी ि ाक्षा दी जा रही है वहां पर दुगनी सीटस पर देनी चाहिए। इस समय स्टेट मे जो पोलिटेक्नीक चल रहे है उनकी तादाद दुगनी कर देनी चाहिए और उनमे जो विद्यार्थी प्रवे ा के लिये जाते है उनकी तादाद भी निर्धारित सीटस से दुगनी कर देनी चाहिए।

श्री सभापतिः वर्मा जी, अब आप खत्म करें। जितना टाईम आपको दिया जाना चाहिए था वह आपको मिल चुका है। अब आप बैठ जायें। श्रीमती भाान्ति देवी ।

चौधरी ि ाव राम वर्माः चेयरमैन साहब, अब मैं ला एंड आर्डर की बात कहना चाहता हूं (ाोर).....

श्री सभापतिः आप बैठ जाइयें आपका समय समाप्त हो गया है।

चौधरी ि ाव राम वर्माः ला एंड आर्डर की पोजी ान यह है कि मंत्री का भय एस.पी. को नही है। एस.पी. का भय थानेदार को नही है और थानेदार का भय बदमा ाो को नही है। इसलिये ला एड आर्डर की स्थिति खराब है.....

श्री सभापतिः वर्मा जी अब आप बैठ जाइये। मैंने दूसरे मैंबर को काल अपौन कर लिया है (व्यवधान) I am on my legs. Kindly sit down.

चौधरी ि ाव राम वर्माः बस मैं एक मिनट और बोलना चाहता हूं...

श्री सभापतिः नही, अब आप बैठ जाइये।

चौधरी ि ाव राम वर्माः अच्छा जी, मैं बैठ जाता हूं। आपा धन्यवाद।

श्रीमती भाांति देवी (कैलाना): चेयरमैन साहब, मैं आपके माध्यम से श्री मूल चंद जैन जो हमारे प्रदे ा के वित्त मंत्री है, ने जो बजट सदन के सम्मुख रखा है उसके बारे मे अपने विचार रखना चाहती हूं । चेयरमैन साहब, कई दिनो से इस बजट पर चर्चा चल रही है और हमारे जनता विधायक बड़े जोरो से इसका समर्थन कर रहे है और इसके बारे मे कुछ सुझाव भी दे रहे है। चेयरमैन साहब, जैसे ही बजट की कापी हमारे हाथों मे आई, प्रैस गैलरी की ओर से एक बात सुनाई दी कि यह बड़ा साहसिक बजट है। चेयरमैन साहब, यह गौर करने की बात है कि किसी कारण उन्होने इस बजट को साहसिक बजट कहा है। उसके दिमांग मे यह बात कैसे आई, यह सोचने वाली बात है। सब मानते हे कि हरियाणा के अंदर किसान और मजदूर की सरकार है, उनका राज्य है। चेयरमैन साहब, मैं यह मानती हूं कि बजट का अधिका ां भाग आज बिजली और सिंचाई के ऊपर और किसानो के ऊपर खर्च किया जा रहा है इसमे कोई दो राय नही है किंतु जैन साहब से बड़ी अपेक्षाएं थीं। चेयरमैन साहब, जब ये विधायक थे, मंत्री बनने से पूर्व बड़ी बड़ी बातें किया करते थे और अधिकारो के लिये बड़ा बोला करते थे। जब बजट पे ा हुआ तो प्रैस वालो को आ चर्य हुआ और मुझे भी यह देखकर आ चर्य हुआ कि उन्होने सब से पहले किसान के ऊपर टैकस लगाया है। क्यों लगाया है क्योंकि इनको पता है किसान मासूम है। चेयरमैन साहब, जैसा कि अभी वर्मा जी ने बताया है कि अगर किसान के ऊपर टैक्स लगता हे तो वह उसी को देना पड़ेगा और अगर किसी दूसरे पर टैक्स लगाता

है तो वह अपने ग्राहको को खांड का लौथड़ा बनाकर दे देता है लेकिन चेयरमैन साहब, किसान के साथ ऐसी बात नही है। पिछले साल जब चौधरी सतबीर सिंह ने बजट पे ा किया था तो उन्होंने भी जल के ऊपर दस प्रति ान अधिभार लगाया था लेकिन बाद मे उस दस प्रति ात अधिभार को वापिस लिया गया था और मैं समझती हूं कि हाउस की भावनाओं को देखते हुए जैन साहब इसको वापिस लेंने और हो सकता है कि इन्होंने ऐसा निपर्णय कर लिया होगा। अगर ऐसा निपर्णय नही किया है तो कर लेना चाहिए। यह बहुत अच्छी बात होगी। जैन साहब, दूसरी बात यह है कि बजट के पूर्व आपकी जो छवि थी वह बड़ी सुंदर छवि थी लेकिन बजट पे ा होने के बाद वह छवि धूमिल हो गई हैं मुझे पता नही कि आपने मुख्य मंत्री महोदय की सलाह ली थी या नही या स्वयं ही यह बोझा अपने ऊपर ले लिया। मैं सोचती थी कि सलाह ली थी या नही स्वयं ही यह बोझा अपने ऊपर ले लिया। मैं सोचती थी कि जैन साहब बड़ी सूझ बूझ के आदमी है, इंटेलीजेण्ट है, वे बहुत ही दूर अंदे ाी कर भार लगाएंगे लेकिन जैन साहब ने जो उन बड़े उद्योगपतियों को छोड़ा है जोकि दिल्ली और फरीदाबाद मे बड़े बड़े उद्योगो के मालिक है और मजे लूट रहे है, कारो मे चलते है, करोड़ो की सम्पति के मालिक है, जिनके कुत्ते भी दूध पीते है बल्कि उनके स्थान पर उन गरीब आदमियों को छेड़ा गया है जिनके पास रहने के लिये मकान नही है, खाने के लिये कुछ नही, पहनने के लिये कपड़ा नही है.....(ाोर).

.....

डा. वृज मोहन गुप्ताः चेयरमैन साहब, हमारी आदणीय बहन जी ने यहां हाउस मे इंडस्ट्रीयलिस्ट की बात कहीं है कि वे मजे लूट रहे है। मजे की परिभाशा मेरी बहन समझाने की कृपा करेंगी ?

श्रीमती भाांति देवीः चेयरमैन साहब, अगर डाक्टर बृज मोहन 'मजे' की परिभाशा जानते तो बड़े अफसोस की बात है। फिर इन को हरियाणा के अंदर नही रहना चाहिये। इनको तो दिल्ली और फरीदाबाद के अंदर जाकर रहना चाहिए। मैं कह रही थी कि जो बड़े बड़े इंडस्ट्रीयलिस्ट है, वे कारो मे घूमते हे, मजे लूटते है और उनके तो कुत्ते भी दूध पीते है लेकिन हमारे हरियाणा के अंदर बच्चो को लस्सी भी नही मिलती है, फिर डाक्टर बृज मोहन जी पूछते है कि मजे की परिभाशा क्या है ? चेयरमैन साहब, आज किसान की हालत बड़ी नाजुक है, वह कहीं तो पटवारी से पीड़ीत है.....(ाोर व व्यवधान)

श्री सभापतिः देखिये, मैं बिजिटर्ज गैलीरी मे बैठे हुए लोगा से प्रार्थना करूंगा कि वे यहां पर किसी किस्म का भाोर या तालियां न बजाये।

श्रीमती भाांति देवीः तो मैं कह रही थी कि कृशक आज बुरी तरह से पीड़ित है कहीं जिलेदार से पीड़ीत है, तावान से पीड़ीत है और दूसरी तरफ उनके इलाके को बेलदार काट देते है जिनका सीधा किसान पर पड़ता है और उनक चैन साहब ने सवा

छः एकड़ से ऊपर भूमि रखने वाले किसान पर सवा 33 परसैंट सरचार्ज लगा दिया है पर मुझे खु ाी होती है अगर सरकार कोई सीमा निर्धारित कर देती कि जिन के पास 15 या 18 एकड़ से ऊपर भूमि हो, उस पर यह टैक्स लगाया जायेगा। चेयरमैन साहब, पिछले दफा सरकारने सवा एकड़ तक का जो मालिया माफ किया था, वह भी किन्ही वि ोश परिस्थितियों के कारण ही किया था, इस समय मे उसके डिटेल मे हनी जाना चाहती कि वे कारण क्या थे ? किसानो को जो हमारी सरकार ने अपने घोशणा पत्र मे वि वास दिलाया था, उसको तो पूरा किया गया है।

श्री भाम ोर सिंहः चेयरमैन साहब, बहन जी ने जिन परिस्थितियों का जिकर किया हे, उन परिस्थितियों के बारे जरा एक्सप्लेन कर दे ताकि सदन को भी इस बारे जानकारी प्राप्त हो सके।

श्रीमती भाांति देवीः यह हमारी अपनी पार्टी का सवाल है, चौधरी भाम ोर सिंह जी को क्यों इस बात की चिंता हो रही है ? चेयरमैन साहब, सवा छः एकड़ तक जो मालिया सरकार ने साफ किया था वह है कोई लगभग 1 करोड़ 40 लाख और अब इन्होंने किसानो के ऊपर 1 करोड़ 30 लाख के करीब टैक्स लगाये है, पहले से यानि 10 लाख कम से टैक्सिज लगाये गये है। आप देख लीजिये कि हमारी जनता सरकान ने किसाना`को कितनी छूट दी है, मैं हैरान हूं कि जैन साहब ने पता नही किस भूल के कारण ऐसा कर दिया है, वरना तो मामला साफ था। चेयरमैन साहब,

इससे आगे मैं राज्य परिवहन के बारे मे कुछ कहना चाहती हूं। मेरे भाई बूरा साहब ने भी एक ध्यानाकर्शण प्रस्ताव रखाथा कि हमारे हरियाणा प्रांत मे परिवहन की हालत अच्छी नही है। चेयरमैन साहब, हमारे सभी भाई जानते है कि परिवहन की हमारे हरियाणा मे कैसे बुरी हालत है। रोहतक के अंदर सात बसिज खराब पड़ी है और वह वर्क ाप मे खड़ी कर रखी है। इसी प्रकार से मैं सोनीपत के अंदर भी खराब बसों के आंकड़े बता सकती हूं परंतु मुझे खेद है कि यहां पर चीफ पार्लियामैंटरी सैक्रेटरी साहब ने कितने गल्त आंकड़े दिये है।

चेयरमैन साहब, मैं आपको बताना चाहती हूं कि कांग्रेस सरकार ने 60 परसैंट के करीब भाड़े वृद्धि की थी और इसके इलावा हमारी जनता सरकार साढ़े 12 परसैंट भाड़ा और बढ़ाना चाहती है, इसलिये मैं जैन साहब से यह पूछना चाहती हूं कि ऐसा करने से क्या एक छोटे से छोटे आदमी पर, गरीग परिवारो पर जो कि बसों मे सफर करते है, इसका असर नही पड़ेगा ? मुझे खु ी होती आप अगर सरकार की आमदनी बढ़ाने के लिये कोई और तरह का तरीका निकालते। इसलिये मेरी जैन साहब और अपनी सरकार से अपील है कि कम से कम गरीबों को इससे राहत जरूर मिलनी चाहिये और मुझे आ ा भी है कि वे भविश्य मे कभी ऐसा नहीं होंने देंगे।

चेयरमैन साहब, इससे आगे मैं कर्मचारियो के बारे मे भी दो चार बातें यहां हाउस के सामने रखना चाहती हूं । इस

बारे मे एक बड़ा ही महत्वपूर्ण मामला यहां हाउस मे आया और हमारे मुख्य मंत्री महोदयने यह न देखते हुए कि कितने व्यक्ति इससे प्रभावित है, कह दिया कि मुझे कुछ रूचि नही है। यहां पर कर्मचारियों की सामान्य रिपोर्ट का जिकर चला रहा था जिसको एवरेज रिपोर्ट कहते है। जो कर्मचारी, अधिकारी है और बेचारे भारीफ व ईमानदार है और अपने कर्तव्य का पालन पूरी तरह से निभाना चाहते है, उनको तंग करने का करने का सामान्य रिपोर्ट का रास्ता बीच मे से निकाल लिया गया है ओर जब कभी उन बेचारो की बदकिस्मती से 15 या 20 सालो के बाद प्रमो ान वगैरह का चांस आता है तो सामान्य रिपोर्ट का हवाला देते हुए, उनको बीच मे ही लटकाया जाता है, देखिये। कितना बड़ा खिलवाड़ कर्मचारियो के साथ हो रहा है ? जो कर्मचाई ईमानदारी से काम करते है, अपने कर्तव्य का पूरी तरह से पालन करते है आप इंस्पैक ान करवा के देख लीजिये जो चम्चागिरी मे वि वास नही रखते, वे यूंही के यूंही बैठे रहते है। ऐसा होता है कि ऐसा कर्मचारियों को लटकाया जाता है। इसलिये मैं अपने चीफ मिनिस्टर साहब से यह प्रार्थना करूंगी कि यह सामान्य रिपोर्ट वाला सिलसिला खत्म किया जाये और जिन के विरूद्ध कोई बैड या सामान्य रिपोर्टस हो, उनको साफ तौर पर रिमार्कस कनबे किये जायें।

चेयरमैन साहब, अब मैं अध्यापकों के बारे मे यहां पर कहना चाहती हूं आप को पता ही है कि हरियाणा मे जनता राज्य को लाने का प्रमुख पार्ट अध्यापको ने ही अदा किया है.....।

डा. बृज मोहन गुप्ताः चेयरमैन साहब, आपने 20–20 मिनट सभी के लिये बोलने का समय रखा है। आधा आधा घण्टा अगर मैंबरों को बोलने की इजाजत दी जायेगी तो यह उचित नही रहेगा।

श्रीमती भाांति देवीः मैं अध्यपको के बारे मे जिकर कर रही थीं अगर पिछली बंसी लाल की सरकार के साथ किसी ने टक्कर ली थी तो वह हरियाणा के अध्यापकों ने ही ली थी चाहे आप इसको अपोजी ान कह लो या हरियाणा के अध्यापक का नाम दे दो। इस बात को स्वय बंसी लाल जी भी स्पीकार किया थ कि अगर कोई अपोजी ान है तो वह अध्यापक गर्व ही है। चेयरमैन साहब, एक और बड़ा अहम मसला है जोकि मैने पहले भी रखा था। वह था मकान के भते और मैंडीकल के बारे में। कई बार प्रयास करने के बावजूद भी गांवो के लोग इस प्रकार की सहूलियतो से वंचित रह जाते है और जो चण्डीगढ़ के अंदर कर्मचारी बैठ हुए है, आप आंकड़े मंगवा करके देख लीजिये । इस बात की इंकवारी के लिये मेरे भाई सतबीर सिंह जी ने पग उठाये थे लेकिन यह मामला आज तक लटक रहा है, वे तो महीने मे कई कई सौ रूपये मैडिकल भत्ते के ले जाते है और जो देहात मे बैठे है उनको कुछ भी नही मिलती है, इसलिये मैं चाहूंगी कि यह

सहूलियत चाहे आप चार चार या पांच पांच रूपये की भाक्ल मे दे लेकिन सब को मिलनी चाहिये। इस पर हर कर्मचारी का अधिकार होना चाहिये। होता यह है कि कुछ कर्मचारी तो दो दो सौ और अढ़ाई अढ़ाई सौ रूपये मैडिकल भत्ता ले जाते है लेकिन बाकियो को कुछ नही मिलता । इसी तरह से जो कर्मचारी भाहरो मे रहते हे उनको हाउस रैंट की भी सुविधा दी जाती है। मैं यह नही चाहती कि उनको यह सुविधा न दी जाये लेकिन मैं तो यह चाहती हूं कि जो कर्मचारी देहात मे काम करते हे उनको भी यह सुविधा दी जानी चाहिए। मुझे उम्मीद है कि जो यहां पर अध्यापक विधायक है वे मेरी इस बात का समर्थन करेंगे और इनके इलावा जो दूसरो विधायक है वे भी इसकी पुरजौर ताईद करेंगे। इसके बाद मैं एच.सी.एस. और आई.ए.एस. आफसरो के बारे मे कहना चाहती हूं कि इनको हर विभाग मे थोप दिया जाता है। मेरी प्रार्थना यह है कि 50 प्रति ात कोटा टैक्नीकल आदमियो के लिये रखा जाना चाहिये जिनको नीचे से लेकर ऊपर तक का तजुरबा होता है। आप रोड़वेज मे रेखे। डिपो का जो जनरल मैनेजर होता है वह भी एच.सी.एस. को लगा दिया जाता है । एक इन्होंने एक डी.एस.पी. लगाया हैं यह भी तजुरबा देख लेंगे कहां तक कामयाब होता है। पुलिस एक डी.एस.पी. लगाया है। यह भी तजुरबा देख लेंगे कहां तक कामयाब होता है। पुलिस के बारे मे हमे लोग जानते है कि ये लोग क्या करते है। कहीं बीमारी को दूर करते करते बीमारी और न बढ़ा ले । इसलिये मेरील प्रार्थना है कि जिन लोगो की इतनी इतनी सर्विस हो गई है उनका भी ध्यान रखा

जाये। यानी उनको मिलना चाहिए । चेयरमैन साहब, मैं सरकार से यह भी प्रार्थना करूंगी की प्राइमरी निदे ाालय को अलग कर दिया जाये ताकि जे.बी.टी. टीचरो के केसिज का जल्दी से निपटारा हो सके। इसके बाद मैं मुख्य मंत्री जी को कहूंगी कि हमारे सोनीपत जिले मे अब तक बस डिपो नही बना है। वहां पर 29 तारीख को बिल्डिंग तैयार हो जायेगी इसलिये मेरी प्रार्थना है कि अगला जो डिपो बनाया जाये वा सोनीपत मे ही बनाया जाये। एक छोटी सी बात मैं और कहना चाहती हूं कि हमारी जनता सरकार ने जितनी आजादी बहाल की है उतनी भाायर कांग्रेस वालो ने कभी सोची भी न हो। आज सब लोग सुख से सो रहे है। इसके अलावा मुख्य मंत्री जी से मैं थोड़ी से और उपेक्षा करूंगी और मुझे उम्मीद है कि मंत्रिगण तथा अन्य विधायक भी मेरे से सहमत होंगे। यह बात यह है कि हम लोग गरीब परिवारो से आये है और जो अब से पहले राज कर चुके है, वे बड़े परिवारो से ताल्लुक रखते थे। उनको यह नही पता था कि गरीबी क्या होती है। उनको तो एक ही लगन थी कि किसी तरह से धन बटोर लिया जाये। मेरे कहने का मतलब यह है कि हमें कोठियो, कारो और टैलीफोन का खर्च घटाना चाहिए ताकि जनता को इस चीज से एक नई झलक नजर आ सके। इसके अलावा जो विधायक बड़ी बड़ी कार्पोरे ांज के चेयरमैन है उनको भी अस्तीफा देकर मैंदान मे आ जाना चाहिये । ऐसा करने से लोग बहुत खु ा होंगे। भाायद जैन साहब मेरे से नाराज हो कि मैं सारे टैक्सो को ही वापिस करवाना चाहती हूं । मैं तो चाहती हूं कि आप एक दो

टैक्सों को छोड़ कर बाकी सारे टैक्स वापिस ले लो। अगर आप बगैर टैक्स के भी देहात का विकास करना चाहते है तो मैं आपको एक तरीका बताती हूं। आप मगर इंकम टैक्स और सेल्ज टैक्स की सैंट–परसैंट वसूली कर ले तो मेरा ख्याल है आपको कोई भी नया टैक्स लगाने की जरूरत नही पड़ेगी। इन सुझावों के साथ मैं आपका भाुक्रिया अदा करते हुए अपना स्थान लेती हूं।

कामरेड भांकर लाल (सिरसा): चेयरमैन साहब, यह बजट जनता का बजट है इसको तीन भागों मे बांटा जा सकता है। एक तो यह कि जब से हमारी जनता सरकार बनी है इससे जनता की भलाई के कौन कौन से काम किये है। इस बारे मे मेरे काफी साथियों ने भी बताया है। जेसे फलडछ आए उस समय हमारी सरकार ने जनता के हिले बहुत ज्यादा काम किया हैं यह काम सराहना के लायक है। दूसरे इस सरकार ने किसानो के कलये ब्याज की दर 14 प्रति ात से घटाकर 11 प्रति ात कर दी यह भी बहुत सराहनीय कदम हैं जब से जनता सरकार बनी है तब से हमारी सरकार की हर यही कोि ा ा रही है कि वह किसान को ज्यादा से ज्यादा लाभ पहुंचाए। इसमे कोई दो राय नही है मगर किसी कारण से इस बजट मे कुछ बाते रही गई है। वे भी यहां बतानी बहुत जरूरी है। मेरे दोस्तो। इस बजट के अंदर एक सवाल जो हाउस के अंदर ज्यादा उठाया जाता है वह है भाहरी सम्पदा के बारे मे। यह सवाल चाहे कोई भी सरकार हो, उसमे उठाया जाना अच्छा नही है। सवाल तो इस वक्त कमाने वाले और

लूटने वाले का है। कई कहते है कि यह बजट लूटने वालो पर लागू होता है और कमाने वालो के ऊपर तक जो भी टैक्स लगते है, चाहे बसों के किराये पर टैक्स लगाया गया हो, यह तो गरीब जनता पर ही लगता है क्योंकि कारों पर चलने वाले तो बसों मे जाते नही है। इसलिये मैं कहता हूं कि बसों के किराये मे जो इस सरकार ने वृद्धि की है। जो 12½ प्रति ात भाड़ा बढ़ाया है, इसे सरकार वापिस ले। यह ठीक है कि सालो से लगातारा किराये बढ़ते जा रहे है । किसी बात की हद होती हैं इसके अलावा यह भी जरूरी है कि जिन बसों मे लोग चलते है उनकी हालत बहुत खराब है, उनकी हालत को सुधारा जाये। इन बसों की काफी घटिया हालत है। दिल्ली से जो बस चण्डीगढ़ के लिये आती है। उसकी खिड़कियां और दरवाजे टूटे हुए है। यह सबसे अच्छी रोड है इस पर तो चलने वाली बसों की अच्छी हालत होनी चाहिए। हरियाणा रोडवेज की की है। जो बसें हरियाणा के कच्चे रास्तों पर चलती है वे तो और भी टूटी फूटी हालत हालत मे है। लम्बे रूट की बसें अगर रास्ते मे खराब हो जाये तो उनको उनके डिपो पर ही ठीक कराने के लिये लाया जाता है । अगर चण्डीगढ़ डिपो की बस है और वह करनाल के नजदीक खराब हो जाती है तो उसे बजाये नजदीक के डिपो करनाल मे ले जाने के उसे खींच कर चण्डीगढ़ लाया जाता है। अगर दिल्ली के अंदर कोई बस खराब हो, चाहे वह किसी भी डिपो की बस है उसे उसके डिपो पर ही ले जाया जाात है। उसको नजदीक के डिपो पर ले जाया जाना चाहिये। चण्डीगढ़ डिपो वाली बस को ठीक करवाने के लिये

करनाल भी तो ले जाया जा सकता है । इसी तरह सरकार को काफी पैट्रोल का खर्च उठाना पड़ता है, राजस्थान मे भी लगता है, दिल्ली मे भी लगता है परंतु सबसे ज्यादा सेल्ज टैक्स हरियाणा मे हमारी सरकार ने लगा रखा है। यह टैक्स चाहे किसी चीज पर लगे लेकिन हमारे यहां ज्यादा है। दिल्ली मे माचिस पर 5 प्रति ात सेल्ज टैक्स लगता है परंतु हमारे हरियाणा मे यही सेल्ज टैक्स 7 प्रति ात लगता है । यह तो हमारी सरकार दिल्ली सरकार को मजबूर करे कि सेल्ज टैक्स बिल्कुल न लगाया जाये अगर वह सरकार दबाव मे नही आती तो आप भी उसी दर से सेल्ज टैक्स लगाये जो दूसरी स्टेट्स मे है।

इसी तरह से यहां पर गांवो मे उद्योगीकरण की बात चल रही है। यहां पर किसानो और देहातो की बात होती है लेकिन उनको पूछने वाला कोई नही है। सेल्ज टैक्स को खत्म किया जाये हमारे घोशणा पत्र के अंदर कहा गया है कि हरियाणा सरकार सेल्ज टैक्स खत्म कर देगी। इसमे कोई दो बात नही है । मेरे दोस्तों ने भी कुछ बातें की है। मैं इस बारे मे कहूंगा कि चौथी श्रेणी के कर्मचारी आज धरना दे कर किया है और तीसरी श्रेणी के कर्मचारी क्लर्कस जो लगे हुए है, उन्होंने क्यार कसूर किया है ? पिछले दिनो जब हजारो मास्टरो को रैगुलर किया गया है तो इन 7 हजार क्लर्को को क्यो नही रेगुलर किया गया ? एक बड़ी खु ाी की बात और है कि हमारे चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी और चीफ मिनिस्टर साहब नेउससे परसो बातचीत की है और कुछ

वायदा भी किया है। इन गरीब लोगो का भला करना चाहिए । हमे कहते है कि समाज का भला हो, समाज मे सबसे पहले वे लोग आते है जिनकी जमीने है उनकी जमीनों पर साढ़े 33 प्रति ात लगान लगाया जा रहा है। इसके साथ आबियाने पर 10 प्रति ात टैक्स लगया गया है। सरकार पानी का एक रूपये तक फीस किलले लगान लेती है ओर आबियाना 25 रूपये से 45 रूपये तक लेती है, यह मै अंदाजन कह रहा हूं। तरह तरह की फसल पर तरह तरह की दर से आबियाना लगता है। सबसे पहले 6.25 एकड़ जिस किसान के पास जमीन हे उस पर लगान नही लगता परंतु उस पर पानी का टैक्स लगता है। जब सरकार ने यह कह दिया है कि 6.25 एकड़ जमीन वाले किसान को सरकार मदद देगी तो उनकी जमीन पर से मालिया यानी रेवेन्यू खत्म किया जाये। सबसे बड़ी बात यह है कि यह खेती टोटे का सौदा है मगर यह अच्छा फायदे वाला काम होता तो ये पढ़े लिखे लोग, वकील और आई.ए. एस. अफसर सभी लोग खेती न करने लग जाते। खेती टोटे का सौदा है घाटे का सौदा है। दूसरे मूल्को मे जैसे अमेरिका आदि मे 50 प्रति ात लोग खेती करते है उसके मूकाबिले पंजाब और हरियाणा में 80 प्रति ात लोग खेती पर निर्भर करते हैं – चाहे वे खेतिहर मजदूर हों, चाहे छोटा किसान हो, चाहे मुजारा हो, चाहे रेढ़ेवाला हो। यह खेती का सौदा टोटे वाला है। खेती पर हर किस्म के जो लगान लगते हैं, वे माफ कर देने चाहिए। मैं इसमें कोई दो राय नहीं रखता। दूसरी बात मैं यह कहता हूं कि सरकार काफी फिजूल खर्च करती है उनका इस्तेमाल बन्द किया जायें .....

.... (विघ्न) तीसरे जो कारपोरे ान्ज के चेयरमैन कम से कम 30 बना रखे हैं और 22–23 और बनाना चाहते हैं, उनकी संख्या कम होनी चाहिए। इन पर करोड़ों रूपया खर्च किया जाता है। ये सरकार के सिर पर सफेद हाथी की तरह से है। चेयरमैन साहब, मैं एक बात और कहना चाहता हूं कि यह जो लम्बी कारें और यह जो बड़े बड़े बंगले व र्प्यटन केन्द्र भाहरों मे बने हुए है जब तक यह परिस्थितियां ठीक नही होंगे तब तक गरीबी दूर नही हो सकती। आप इन सब चीजों को बनाना बंद कर दें और गरीबों का काम करे। चेयरमैन साहब, मैं यह अर्ज करना चाहता हूं कि इस दे ा के अंदर गरीब पाताल में बैठा हुआ है और अमीर आसमान पर बैठा हुआ हैं जब तक अमीर को आसमान से नीचे और गरीब को पाताल से ऊपर नही लाया जायेगा तथा इनको बीच मे नही लाया जायेगा तब तक गरीबी दूर नही होगी। इसके अलावा मैं यह कहना चाहता हूं कि काला धन, नम्बर दो का धन जिस किसी के पास सरकार को पता लगे वह धन उससे छीन करके सरकार अपने कब्जे मे ले ले और उसे सरकार के खजाने मे डाला जाये ताकि इस घाटे को पूरा किया जा सकें दूसरी बात मैं यह अर्ज करना चाहता हूं कि जो भाराब के ठेके है, जो न ाली चीजें है और यह जो ऐ ाोआराम की बड़ी बड़ी चीजें है इनके ऊपर सबसे ज्यादा टैक्स लगाये जायें और गरीबों पर टैक्स न लगाए जाये।

अब मैं हलवाईयों के बारे मे कहना चाहता हूं कि उन पर टैक्स न लगाये जायें। हलवाई पैसे का हिसाब नही रख सकता

है क्योंकि कोई एक रूपये की मिठाई लेता है और कोई चार आने की मिठाई लेता है। हलवाई मैदा खरीदता है तो उस पर भी सेल्ज टैक्स लगता है। और यदि दूसरी जीच कोई खरीदता है तो उसे पहले ही टैक्स लग जाता है। इसलिये मै ंप्रार्थना करता हूं कि हलवाईयों पर टैक्स न लगाया जाये। चेयरमैन साहब, मैं एक बात साफ कह देता हूं कि जनता पार्टी की सरकार कांग्रेस सरकार से अच्दी सरकार है। इस सरकार मे 20 परसैंट का नुक्स आया है उसको भी हम ठीक करेंगे और हम इसको रास्ते पर लाएंगे । कांग्रेस के भाासन मे तो सौफीसदी खराबी आ गई थी। जब श्रीमती इन्दिरा गांधी कहीं पर भी आती थी तो श्रीमती इंदिरा गांधी को लाखो रूप्ये की मालाएं डाली जाती थी.....(ाोर व व्यवधान)..... श्रीमती इंदिरा गांधी को खु ा करने के लिये उसके गले मे लाखों रूप्ये की.....(ाोर)

चौधरी जगजीत सिंह पोहलू: आन ए प्वायंट आफ आर्डर । कामरेड भांकर लाल जी ने यह जो मालाओं का जिक्र किया है तो क्या इन्होंने जो किसान रैली के लिये ब्यान दिया था, उसे विदड्रा करेंगे ?

श्री सभापतिः चौधरी जगजीत सिंह पोहलू जी, आप बैठिये।

कामरेड भांकर लालः चेयरमैन साहब, आज जनता मे पूंजीवादी धारणा फैलती जा रही है। किसी नेता को चांदी से

तोला जाता है, किसी नेता को नोटो की थैलियों से खु ा किया जाता है और किसी नेता को इस दे ा के अंदर ज्यादा से ज्यादा पूंजी दिखा करके लुभाया जाता है। यह बीमारी सबसे ज्यादा कांग्रेस भाासन मे थी। इसके अलावा मैं एक और बात कहना चाहता हूं कि 23 तारीख को हमारे हरियाणा के कुछ लोगो ने 2 करोड़ रूप्ये इकट्ठे करके दिल्ली मे चौधरी चरण सिंह जी को दिये। (ाोर)

श्री सभापतिः कामरेड भांकर लाल जी, अब आप बैठिये, आपका समय हो गया है। अब डाक्टर मंगल सैन बोलेंगे।

कामरेड भांकर लालः चेयरमैन साहब, अभी मैंने अपना प्वायंट खत्म नही किया। मुझे अपना प्वायंट खत्म तो कर लेने दीजिये.....(व्यवधान)

श्री सभापतिः भांकर लाल जी, आप बैठियें आपका समय समाप्त हो गया है और मैंने डाक्टर मंगल सैन जी को कालअपोन कर लिया है। आ बैठिये।

उद्योग मंत्री (डा. मंगल सैन): चेयरमैन साहब, म। आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूं कि पिछले तीन दिनों से सदन मे बजट पर अपोजी ान की ओर से भी और ट्रेजरी बैंचिज की ओर से भी विचार प्रकट किये जा रहे है। मैं बहुत खु ा हूं कि लोगो ने बड़े कंस्ट्रक्टिव सुझाव दिये.....

राव बीरेन्द्र सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। मैं यह कहना चाहता हूं कि कामरेड भांकर लाल जी अपना एक प्वायंट कहना चाहते थे वह उनका पूरा नही हुआ था। किसी मैंबर का प्वायंट जब तक पूरा नह हो तब तक किसी दूसरे मैंबर को टाईम नही मिलना चाहिए।

श्री सभापतिः उनका समय हो गया है, आप बैठियें

डा. मंगल सैनः राव साहब ने कहा कि उनका प्वायंट पूरा नही हुआ है। यह उनकी गलतफहमी है। यह फैसला चेयर ने सोच समझ कर किया है। खैर, मैं यह बात कहना चाहता हूं कि सदन मे बजट पर बहस चल रही है। मैंने अपोजी ान की तरफ से काफी बातें सुनी है। चेयरमैन साहब, बाकी उनकी बातो का जवाब तो मेरे आदरणीय वित्त मंत्री जी दे देंगे। मैं तो अपने विभाग के बारे मे कुछ बातें कहना चाहता हूं। आज मेरे भाई भाम ेर सिंह सदन से वाक आउट कर गये और फिर वापिस भी लौट आये। 25 मिनट तक सदन मे बोल भी लिये और बाद मे वाक आउट भी कर गये ताकि कल अखबार मे उनका नाम आ जाये.....

राब बीरेन्द्र सिंहः जो आप बोल रहे है, क्या यह आपके विभाग से ताल्लुक रखता है ?

डा. मंगल सैनः जी हां, जो कुछ अपोजी ान ने कहा है उनके सवाल का करारा जवाब देना मेरा फर्ज बनता है। कुछ माननीय सदस्य तो स्वागत मे लगे हुए थे और भीड़ भाड़ मे व्यस्त

थे। ठीक है उन्होंने व्यस्त होना ही था, उनका काम था, वहां जाना ही था। चेयरमैन साहब, जनता पार्टी की सरकार के सता मे आने के बार औद्योगिक क्षेत्र मे बड़ी सराहनीय प्रगति हुई है। यह ठीक है कि हरियाणा स्टेट मूल रूप से बेसिकली एक कृशि प्रधान स्टेट है, जैसा कि बजट के आंकड़ों से जाहिर होता है....

श्रीमती सुशमा स्वराजः आन ए प्वायंट आफ आर्डर । सभापति महोदय डा. मंगल सैन जी अपने विभाग के बारे मे जवाब देने के लिये खड़े हुए है। मैं आप से कहना चाहती हूं कि अभी तो बजट पर चर्चा चल रही है और अभी तो बहुत से सदस्रों ने बजट पर बोलना है। इनके विभाग के बारे मे कई भाक भ्राुबहा, संदेह, भ्रांतियां सामने आयेंगे जिनका जवाब इनको देना पड़ेगा। अगर डा. साहब बहस समाप्त होने के बादे बोलें और उसके बाद जवाब दे तो सदस्यों को तसल्ली हो जायेगी। अगर बीच मे बोलंगे तो जो संदेह हमने कल की बैठक मे सदन के सामने रखने है, वे बिना जवाब दिये रह जायेंगे ओर अगर दोबारा बोलेंगे तो सदन का समय नश्ट होगा। वैसे भी सारे सदस्यों के बोलने के बाद ही मिनिस्टर जवाब देता है ताकि सारे सदस्यो की तसल्ली हो जाये।

चौधरी राम लाल वधवाः चेयरमैन साहब, हाउस की कन्वैं ान है कि अगर मिनिस्टर बैठा हो तो वह बतौर मैंबर बोल सकता है। जहां तक जवाब देने का ताल्लुक है, जवाब देने की ज्वायंट रिस्पंसिबिलिटी होती है और अगर कोई बात रह जाये तो फाइनस मिनिस्टर जवाब दे देंगे। ऐसी कोई कन्वैं ान नही है कि

बजट डिस्क ान के बीच मे मिनिस्टर को जवाब देने की इजाजत न हो, वह बीच मे बोल सकता है।

श्रीमती सुशमा स्वराजः अगर वे सदन के सदस्य की हैसियत से बोले तब तो ठीक है लेकिन डा. साहब बोलने के लिये खड़े हुए तो उन्होंने कहा कि उनके विभाग के बारे मे कुछ बातें कही गई है और इन्होंने उद्योग विभाग के बारे मे बोलना भाुरू कर दिया । वे सदस्य ही हैसियत से नही बोल रहे, मिनिस्टर की हैसियत से बोल रहे है।

Dr. Mangal Sein: I can do it both ways. Madam, you are not the final authority to judge.

श्री सभापतिः कोई भी मिनिस्टर हाउस मे अपनी क्लैरिफिके ान दे सकता है (व्यवधान)

चौधरी जगजीत सिंह पोहलूः चेयरमैन साहब, जब तक सारे मैंबर साहिबान न बोल ले तब तक मिनिस्टर को बोलने की इजाजत न दी जाये (व्यवधान)

श्री सभापतिः अगर मिनिस्टर किसी बात के बारे मे जवाब देना जरूरी समझते है तो वे जवाब दे सकते है, दो दफा बोल सकते है (व्यवधान) आज बहस खत्म नही हो रही। (व्यवधान) मैं सदस्यों को बताना चाहता हूं कि अभी बजट पर बहस आगे चलेगी।

चौधरी बीरेन्द्र सिंहः मैम्बर साहिबान को बोलने का टाईम अलाट होता है उसी तरह मिनिस्टर को आईम अलाट होता है (व्यवधान) रिप्लाई देने का टाईम मिनिस्टर की अलाट होता है... .....

Mr. Chairman: I have givenmy ruling. A Minister can clarify any point at any time during the debate.

Chaudhri Birender Singh: He is not particupating in the debate as a member because he has said that he is giving a reply to the points relating to his department.

डा. मंगल सैनः चेयरमैन साहब, मुझे खेद है और मेरी हम्बल सबमि ान है आदरणीय मैंबरों से कि जो भाको भाुबहा, इतराजात, खद ााजात रह जायेंगे, वे ऐप्रोप्रिए ान बिल पर बहस करते वक्त बता दें, उनका जवाब मैं पूरा दूंगा, लेकिन इस वक्त मुझे बोलने का अधिकार है और यही कन्वै ान है। बहन जी, नयी नयी मैंबर बनी है, जरा रूल्ज का उठकर देखे ले तो सब मालूम हो जायेगा। चेयरमैन साहब, मैं कह रहा था कि जब से जनता पार्टी सत्ता मे आई है.....

कामरेड भांकर लालः चेयरमैन साहब, अभी मैंने बहुत कुछ कहना है, मुझे और टाईम दीजिये (व्यवधान)

श्री सभापतिः मैंने आपको बैठने के लिये कह दिया है। लेकिन अब भी आप खड़े है। अगर ऐसे ही खड़ा रहना चाहते है तो अपकी मर्जी। (व्यवधान)

स्वामी अग्निवे I: आन ए प्वायंट आफ आर्डर। चेयरमैन साहब, कामरेड साहब कुछ बातें कहने वाले है, उनकी बात अभी पूरी नही हुई है। (व्यवधान) अगर आप पहले यह कह देते कि दो मिनट मे खत्म कर दो.....(व्यवधन व भाोर)

Mr. Chairman: This is no point of order. Please take your seat.

डा. मंगल सैन: सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि जब से जनता पार्टी सत्ता मे आई है तब से सरकारने ग्राम विकास के लिये, गांवो मे रहने वाले किसान, मजदूर के लिये और अनुसूचित तथा पिछड़ी जातियों की उन्नति और विकास के लिये हमे ाा प्रयत्न ाील रही है और यही कारण है कि सरकार द्वारा बजट का बहुत बड़ा हिस्सा ग्रामीण विकास की ओल लगाया जा रहा है। चेयरमैन साहब, सरकार ने उद्योग की ओर ध्यान दिया है.....

राव बीरेन्द्र सिंह: आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। चेयरमैन साहब, हमारे माननीय सदस्य कामरेड भांकर लाल जी खड़े है, वे कुछ कहना चाहते है। उन को बैठा कर ही हाउस की कार्यवाही आगे चलनी चाहिए (व्यवधान) हाउस की कार्यवाही चलाने के लिये आर्डर रैस्टोर किया जाये या मैंबर साहब को बैठाया जाये। वे इस बात का इंतजार कर रहे है कि उनको बोलने का मौका दिया जायेगा (व्यवधान)

श्री सभापतिः उनको बैठने के लिये कह दिया गया था (व्यवधान)

राव बीरेन्द्र सिंहः अगर इनकी तरह हम सारे अपनी सीटों पर खड़े हो जायें तो ठीक नही रहेगा। (व्यवधान) मैं आपसे दरख्वास्त कर रहा हूं कि अनु ाासन कायम किया जाये।

श्री सभापतिः मैं कोि ा ा कर रहा हूं और आपके साथी भी बगैर बात के वाक आउट करते है। (व्यवधान)

राव बीरेन्द्र सिंहः बगैर बात के वाक आउट नही किया है (व्यवधान)

श्री सभापतिः उनको बोलने के लिये आधा घंटा दिया even then he staged a walk out.

राब बीरेन्द्र सिंहः क्या आप इसका बदला निकाल रहे है (व्यवधान) अगर आप बदले तौर पर करना चाहते है तो ठीक है (व्यवधान)

श्री सभापतिः राव साहब, आप बैठ जाईये।

डा. मंगल सैनः चेयरमैन साहब, आपने राव साहब को कुछ नही कहा और उनका बार बार आपके ऊपर संदेह करना ठीक नही है, चेयर पर रिफलैक ान नही करना चाहिए। चेयरन की बात को सिर झुका कर मानना चाहिए और हमारे हाउस का डैकोरम इसी बात पर निर्भर करता है। हां, मैं कह रहा था कि दे ा मे

बेकारी, बेरोजगारी, भूखमरी जो कांग्रेस सरकार की वजह से दे ा मे आई थी और जिसके कारण इस दे ा के गरीब लोगो ने, गांव मे रहने वाले बेकार और मेहनतक ा लोगो ने, झुग्गी झोंपड़ियों मे रहने वाले गरीब आदमियों ने, कांगेस के कु ाासन को उखाड़ कर इनको खदेड़ दिया था और आज ये बार बार उछल रहे है.....

श्री भाम ोर सिंहः आन ए प्वायंट आफ आर्डर सर। डा. मंगल सैन जी ने मेरे सवाल का जवाब (विघ्न)

डा. मंगल सैनः सवाल का वक्त नही है, आप सवाल की बात कर रहे है, कोई मतलब की बात है (व्यवधान) आप खाहमखाह बोल रहे है। चेयरमैन साहब, बड़े अफसोस की बात है, अगर इसी तरह डिस्टरबैंस होती रही तो हाउस की कार्यवाही कैसे चलेगी ?

Mr. Chairman: The hon. Minister may please resume tomorrow, if he so likes.

The House now stands adjourned til 9.30 a.m. tomorrow, the 22nd March, 1979.

13.00 Hours

(The Sabha then *adjourned til 9.30 a.m. on Tuesday, the 22nd March, 1979.)